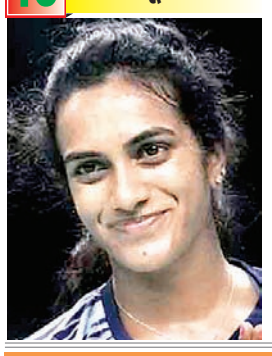
10 पीवी सिंधू....



12 मेधा राणा...



झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

रांची, गुरुवार, 05 नवंबर 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -133 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

सीएम हेमंत सोरेन का निर्देश, नई भाषा शिक्षा नीति में मातृभाषा, हिंदी और अंग्रेजी को मिले महत्व, 12वीं से पहले स्पोकन इंग्लिश पर जोर

स्कूलों में स्थानीय भाषाओं को भी मिले स्थान: सीएम

सीएम हेमंत सोरेन ने की स्वास्थ्य व्यवस्था की समीक्षा, किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने पर दिया जोर



मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में झारखंड मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से विस्तृत समीक्षा बैठक हुई. बैठक में राज्य की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षित रखने के लिए ह्यूमन पैपीलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण, रिम्स में चिकित्सा शिक्षा एवं विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, राज्य के मेडिकल कॉलेजों की व्यवस्था, स्वास्थ्य बीमा योजनाओं तथा सरकारी अस्पतालों में एम्बुलेंस सेवाओं सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई. बैठक में राज्य की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से प्रस्तावित एचपीवी टीकाकरण के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया, इस दौरान अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई कि झारखंड में सर्वाइकल कैंसर के मामलों का अनुमानित आंकड़ा प्रति एक लाख आबादी पर 13 की है. इस पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य की बेटियों एवं महिलाओं का स्वास्थ्य राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है ऐसे में निश्चित रूप से हमारे सामने सर्वाइकल कैंसर एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती है, इसके बचाव एवं रोकथाम के लिए सरकार पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ आवश्यक कदम उठाएगी.

एचपीवी टीकाकरण के क्रियान्वयन की दिशा

मुख्यमंत्री ने साफ निर्देश दिया कि एचपीवी टीकाकरण के क्रियान्वयन की दिशा में आगे बढ़ने से पहले इस विषय पर व्यापक एवं गहन अध्ययन किया जाए. इसके लिए पूरे राज्य में सर्वेक्षण कराकर सर्वाइकल कैंसर से प्रभावित लोगों की वास्तविक संख्या, आयु वर्ग, बीमारी के विभिन्न चरणों (स्टेज-वाइज) तथा सक्रिय मामलों का विस्तृत आंकड़ा एकत्रित किया जाए, इसके आधार पर समग्र रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया.

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। झारखंड के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को अब मातृभाषा के साथ हिंदी और अंग्रेजी में भी बेहतर शिक्षा देने की तैयारी है. नई भाषा शिक्षा नीति में बच्चों की स्थानीय भाषा को महत्व देने के साथ अंग्रेजी बोलने और बातचीत करने की क्षमता विकसित करने पर जोर दिया जाएगा. इसके लिए 12वीं कक्षा पास करने से पहले ही विद्यार्थियों के लिए स्पोकन इंग्लिश की कक्षाएं चलाने की व्यवस्था की जाएगी. इसके अलावा बच्चों की रुचि और प्रतिभा को देखते हुए कौशल आधारित शिक्षा में हॉकी को भी शामिल करने पर विचार किया जाएगा. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को झारखंड मंत्रालय में झारखंड राज्य भाषा शिक्षा नीति के प्रारूप पर हुई बैठक में अधिकारियों को ये निर्देश दिए. मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में अलग-अलग भाषाएं और संस्कृतियां हैं. यहां के बच्चे घर और अपने समाज में संथाली, मुंडारी, हो, खड़िया, कुड़ुख, नागपुरी, खोरठा, कुरमाली सहित दूसरी स्थानीय भाषाओं में बातचीत करते हैं. वहीं, स्कूलों में पढ़ाई मुख्य रूप से हिंदी या अंग्रेजी में होती है. ऐसे में कई बार बच्चे घर की भाषा और स्कूल की भाषा के बीच तालमेल नहीं बैठा पाते हैं. इसका असर उनकी पढ़ाई और अपनी बात समझाने की क्षमता पर पड़ सकता है. इसलिए ऐसी शिक्षा नीति तैयार की जाए, जिसमें बच्चे अपनी मातृभाषा में आसानी से पढ़ाई समझ सकें. उनकी स्थानीय भाषा को स्कूलों में भी उचित स्थान मिले.

मातृभाषा के साथ हिंदी और अंग्रेजी पर भी फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की भाषाएं यहां की पहचान और संस्कृति से जुड़ी हैं. इन्हें शिक्षा से जोड़ने की जरूरत है. बच्चों को अपनी मातृभाषा में पढ़ने का अवसर मिले, लेकिन इसके साथ हिंदी और अंग्रेजी सीखने के रास्ते भी खुले रहें. उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी एक भाषा को हटाकर दूसरी भाषा थोपने के बजाय मातृभाषा के साथ हिंदी और अंग्रेजी को भी पढ़ाई से जोड़ा जाए. इससे बच्चों को एक से अधिक भाषाओं में अपनी बात रखने और आगे की पढ़ाई करने में आसानी होगी. मुख्यमंत्री ने अंग्रेजी बोलने और बातचीत करने की क्षमता को भी जरूरी बताया. उन्होंने कहा कि आगे की पढ़ाई, नौकरी, प्रतियोगी परीक्षाओं और खेल प्रतियोगिताओं के लिए बच्चों को दूसरे राज्यों में जाना पड़ता है. वहां अलग-अलग लोगों से बातचीत करने की जरूरत होती है. ऐसे में अंग्रेजी बोलने का आत्मविश्वास उनके काम आएगा. उन्होंने निर्देश दिया कि विद्यार्थी जब तक 12वीं कक्षा पास करें, उससे पहले ही उन्हें अंग्रेजी बोलने और बातचीत करने का अच्छा अभ्यास मिलना चाहिए. इसके लिए स्कूलों में स्पोकन इंग्लिश की उचित व्यवस्था की जाए.

बैठक में ये अधिकारी रहे मौजूद

बैठक में मुख्य सचिव अविनाश कुमार, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह, झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन, टीआरआई के निदेशक आलोक शिकारी कच्छप और जैक के सचिव एसडी तिग्गा सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे.

आज का विचार

झारखण्ड उजाला



शनिचरवा ओरांव
सामाजिक कार्यकर्ता

जीवन एक अनमोल यात्रा है, जिसे छोटी-छोटी बातों में बर्बाद न करें। बदलाव प्रकृति का नियम है, इसलिए समय के साथ चलना ही समझदारी है। सकारात्मक दृष्टिकोण, धैर्य और अपने काम के प्रति जुनून ही सफलता की कुंजी है। अपनी गलतियों से सीखें, दूसरों से नहीं, और याद रखें कि प्रशंसा और आलोचना दोनों क्षणिक हैं।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,38,150**

चांदी (प्रति किलो) : **2,26,450**

(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **77,301.40**

निफ्टी :- **23,897.80**

मौसम

अधिकतम तापमान : **26**

न्यूनतम तापमान : **17**

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:57**

संध्या :- **17:08**

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 1556 को पानीपत के दूसरे युद्ध में मुगल शासक अकबर की सेना ने हेमू (हेमचंद्र विक्रमादित्य) को हराया था।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के स्कूल में तीसरी कक्षा की छात्रा की अचानक मौत, जांच शुरू

नई दिल्ली: दिल्ली के पूर्वी जिले के मयूर विहार स्थित निजी स्कूल में बुधवार सुबह तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली नौ वर्षीय छात्रा की अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई. बताया जा रहा है कि बच्ची कक्षा में अचानक जमीन पर गिर गई थी. उसे तत्काल निर्माण विहार स्थित मलिक रेडिक्स हेल्थ केयर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है. वहीं, स्कूल में बच्चों की सुरक्षा और आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं. इस घटना के बाद मृतक छात्रा के परिजनों ने स्कूल प्रबंधन पर गंभीर सवाल उठाए हैं. परिवार का आरोप है कि स्कूल में आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी और बच्ची को समय पर सीपीआर नहीं दिया गया. परिजनों का कहना है कि स्कूल में बच्चों की सुरक्षा के लिए जरूरी मेडिकल इंतजाम और प्रशिक्षित स्टाफ होना चाहिए.

ईरान की घोषणा- भारतीय जहाजों को होर्मुज से गुजरने की छूट

ईरान। अब से थोड़ी देर पहले ही ईरान से आयी एक खबर ने भारत से बड़ी राहत मिली है. ईरान के सांसद अमीर हयात मुकद्दम ने घोषणा की है कि होर्मुज से भारतीय जहाजों को गुजरने की छूट दी जायेगी. जिस तरह चीन के जहाजों को नहीं रोका जा रहा था, उसी तरह भारत, इराक व कतर के जहाजों का होर्मुज से बिना रूकावट आवाजाही होगी. इस खबर से भारत को राहत मिली है. क्योंकि तेल व गैस के इंपोर्ट का अधिकांश हिस्सा होर्मुज से होकर ही भारत पहुंचता है. ईरान-इजरायल व अमेरिका युद्ध के कारण ईरान ने होर्मुज का रास्ता बंद हो गया है. अब तक सिर्फ चीन, कतर और इराक के जहाज बिना किसी रुकावट के आ-जा रहे थे. भारत को यह छूट या तो नहीं थी, या कम थी. लेकिन अब भारत को भी यह छूट मिली है.

रांची में के. राजू की पेसा पर्यवेक्षकों के साथ बैठक राहुल गांधी के झारखंड दौरे की तैयारियों पर भी हुई चर्चा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी के. राजू ने स्टेट गेस्ट हाउस में पार्टी के पेसा पर्यवेक्षकों के साथ बैठक की. बैठक के बाद प्रदेश प्रभारी के निर्देश पर पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता और कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने मीडिया के समक्ष 'पेसा कानून' को लेकर पार्टी की रणनीति और राहुल गांधी के संभावित दौरे को लेकर जानकारी साझा की. बन्ना गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस 'पेसा कानून' के प्रति गंभीर है. यह कानून 1996 का कानून है और पहले ही 25 साल से ज्यादा समय की देरी हो चुकी है. बन्ना गुप्ता ने कहा कि आदिवासी गांव में रहते हैं, उनके हक-अधिकार की बात 'पेसा कानून' में सुरक्षित है, चाहे वह माइनर मिनरल हो, चाहे जल, जंगल और जमीन या वनोत्पाद का मामला हो ही क्यों ना हो.

हक और अधिकार से वंचित है जनजातीय समुदाय

जनजातीय समुदाय का उन पर हक और अधिकार 'पेसा कानून' देता है, लेकिन जनजातीय समुदाय अपने हक और अधिकार से वंचित है. ऐसे में कांग्रेस का साफ मत है कि जनजातीय समुदाय के बीच जागरूकता अभियान चलाकर उन्हें बताएं



कि कैसे कांग्रेस उनके हितों की रक्षा करती है और इसलिए कांग्रेस आने वाले दिनों में राज्यभर में 'पेसा कानून' को लेकर अवेयरनेस कार्यक्रम चलाएगी.

अंतिम पायदान पर खड़े आदिवासी और दलित के हक- अधिकार

बन्ना गुप्ता ने बताया कि राहुल गांधी का साफ आदेश है कि अंतिम पायदान पर खड़े ट्राइबल और दलित के हक और अधिकार कानून के माध्यम से सुरक्षित और संरक्षित रहे. बुधवार की बैठक भी इसी के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया ताकि जनजातीय समुदाय में अवेयरनेस के माध्यम से हम लोग उनके बीच में जाएं और उन्हें उनका हक अधिकार दिला सके.

कबाड़ बन जाएंगी 15 साल पुरानी सरकारी गाड़ियां, झारखंड सरकार करेगी नीलाम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता

रांची। झारखंड में 15 वर्ष की सेवा अवधि पूरी कर चुके सरकारी गाड़ियों को अब व्यवस्थित तरीके से स्क्रैप किया जायेगा. इसके लिए परिवहन विभाग ने प्रक्रिया शुरू कर दी है. बुधवार को प्रोजेक्ट भवन स्थित प्रथम तल सभागार में परिवहन विभाग के सचिव की अध्यक्षता में राज्यस्तरीय नोडल पदाधिकारियों की बैठक हुई. इसमें विभिन्न विभागों के नामित नोडल पदाधिकारियों के अलावा एमएसटीसी, गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस और रजिस्टर्ड गाड़ियों की स्क्रैपिंग सुविधा के प्रतिनिधि शामिल हुए. बैठक में पुरानी सरकारी गाड़ियों की पहचान, नीलामी, स्क्रैपिंग और उनके निस्तारण की पूरी प्रक्रिया पर चर्चा की गयी.



दुर्घटनाग्रस्त और बेकार वाहनों की भी होगी पहचान

बैठक को संबोधित करते हुए परिवहन विभाग के सचिव ने कहा कि सरकारी वाहनों की स्क्रैपिंग और निस्तारण की प्रक्रिया केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूरी की जायेगी. इसके लिए सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना जरूरी है. उन्होंने कहा कि सबसे पहले यह निर्धारित करना होगा कि किन वाहनों को स्क्रैपिंग की श्रेणी में रखा जाना है. विशेष रूप से पुलिस थानों में दुर्घटनाग्रस्त होकर लंबे समय से पड़े वाहनों की पहचान की जायेगी. इसके अलावा विभिन्न सरकारी विभागों में खड़े ऐसे वाहनों को भी चिह्नित किया जायेगा, जिनकी मरम्मत संभव नहीं है या जिनका इस्तेमाल व्यावहारिक रूप से नहीं किया जा सकता. ऐसे वाहनों का निर्धारित प्रक्रिया के तहत निस्तारण किया जायेगा. बैठक में एमएसटीसी और आरवीएसएफ के प्रतिनिधियों ने सरकारी वाहनों की स्क्रैपिंग की पूरी प्रक्रिया का चरणबद्ध प्रस्तुतीकरण किया. पदाधिकारियों को बताया गया कि एमएसटीसी और जीईएम पोर्टल के माध्यम से किस तरह पंजीकरण किया जायेगा. इसके बाद संबंधित वाहन का विवरण पोर्टल पर अपलोड करने, नीलामी कराने और पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा के माध्यम से वाहन को स्क्रैप करने की प्रक्रिया समझायी गयी. इसके अलावा स्क्रैपिंग के लिए जरूरी दस्तावेज, संबंधित विभागों की जिम्मेदारियां और निर्धारित प्रक्रियाओं की जानकारी भी दी गयी. विभागीय नोडल पदाधिकारियों को पूरी व्यवस्था से अवगत कराया गया, ताकि आगे की कार्रवाई में किसी तरह की तकनीकी या प्रशासनिक परेशानी नहीं हो.

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला : अग्निवीरों को 2 साल का एक्सटेंशन, 75% जवानों को मिलेगा मौका

सीडीएस एनएस राजा सुब्रमणि बोले- प्रदर्शन शानदार

एजेंसी।

नई दिल्ली। भारतीय सशस्त्र बलों में अग्निवीर के रूप में सेवा दे रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। केंद्र सरकार ने अग्निपथ योजना में बड़ा बदलाव करते हुए अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार देने का फैसला किया है। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने 4 नवंबर को इसकी जानकारी दी। केंद्रीय कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। नई व्यवस्था के तहत शुरूआती चार साल की सेवा पूरी करने के बाद नियमित कैडर में शामिल नहीं होने वाले 75 प्रतिशत अग्निवीरों को दो साल और सेवा करने का अवसर मिलेगा। इस तरह उनका संभावित सेवा कार्यकाल चार साल से बढ़कर छह साल हो जाएगा। खास बात यह है कि दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल पूरा करने के बाद भी अग्निवीरों को नियमित सशस्त्र बलों में शामिल होने



का अवसर मिल सकेगा। इसके लिए प्रदर्शन और निर्धारित चयन मानदंडों को आधार बनाया जाएगा।

75% अग्निवीरों को मिलेगा दो साल का एक्सटेंशन

सीडीएस जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने बताया कि अग्निपथ योजना की शुरूआत के समय ही यह स्पष्ट कर दिया गया था कि इसकी समय-समय पर समीक्षा की जाएगी। इसी के तहत तीनों सेनाओं में अग्निवीरों के प्रदर्शन का लगातार मूल्यांकन किया गया। इसके लिए एक केंद्रीकृत डेटाबेस भी तैयार किया गया था, जिसमें थल सेना, वायुसेना और नौसेना के अग्निवीरों के प्रदर्शन का रिकॉर्ड रखा गया। हर साल उनके कामकाज की समीक्षा की गई। इसी मूल्यांकन और अग्निवीरों के सकारात्मक प्रदर्शन को देखते हुए सशस्त्र बलों ने सरकार को 75 प्रतिशत अग्निवीरों को दो साल का अतिरिक्त सेवा विस्तार देने की सिफारिश की थी। कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

दो साल बाद नियमित सैनिक बनने का भी मिलेगा मौका

नई व्यवस्था का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि दो साल का अतिरिक्त कार्यकाल पूरा करने के बाद अग्निवीरों को नियमित सशस्त्र बलों में शामिल होने का अवसर भी दिया जाएगा। हालांकि, नियमित कैडर में चयन अपने आप नहीं होगा। इसके लिए अग्निवीरों के प्रदर्शन, योग्यता और निर्धारित वस्तुनिष्ठ चयन मानदंडों को ध्यान में रखा जाएगा। यानी छह साल की सेवा पूरी करने के बाद भी नियमित सैनिक बनने के लिए चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा।





स्वदेशी हुनर और छोटे उद्योगों को मिला मंच, स्वराज मेले में सात राज्यों की झलक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

अंबेडकर पार्क में सजा उत्पादों का बाजार, सरदार पटेल जयंती पर शुरू हुआ मेला; घरेलू उपयोग की वस्तुओं से लेकर हस्तनिर्मित सामान तक उपलब्ध



पतरातू -पीटीपीएस न्यू मार्केट स्थित अंबेडकर पार्क में स्वदेशी उत्पादों और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्वराज मेले का आयोजन किया गया है। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर शुरू हुए इस मेले में सात राज्यों के उत्पादों की विविधता देखने को मिल रही है। अलग-अलग क्षेत्रों की कला, हुनर और घरेलू उपयोग की वस्तुओं से सजे स्टॉल लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। मेले का उद्घाटन पतरातू सर्किल इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह, पटेल सेवा संघ के संयोजक सुजीत कुमार पटेल, कोतो पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि सह वरिष्ठ कांग्रेसी ननकी सिंह तथा कटिया पंचायत की पंचायत समिति सदस्य अनीता जैन ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन के दौरान इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से लोगों को विभिन्न राज्यों के उत्पादों से परिचित होने और एक ही स्थान पर अपनी जरूरत की वस्तुएं खरीदने का अवसर मिलता है। साथ ही परिवार के साथ मेले का आनंद लेने का भी मौका मिलता है। उन्होंने ऐसे आयोजनों को छोटे कारोबारियों और कुटीर उद्योगों के लिए उपयोगी बताया। उद्घाटन के दौरान इंस्पेक्टर सत्येंद्र कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से लोगों को विभिन्न राज्यों के उत्पादों से परिचित होने और एक ही स्थान पर अपनी जरूरत की वस्तुएं खरीदने का अवसर मिलता है। साथ ही परिवार के साथ मेले का आनंद लेने का भी मौका मिलता है। उन्होंने ऐसे आयोजनों को छोटे कारोबारियों और कुटीर उद्योगों के लिए उपयोगी बताया। आयोजक सुजीत कुमार पटेल एवं मिलन बॉस ने बताया कि मेले में खादी और सूती वस्त्रों के साथ अचार, पापड़, मसाले, गर्म कपड़े, जूते-चप्पल सहित दैनिक उपयोग की अनेक वस्तुएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसका उद्देश्य छोटे उत्पादकों और कारीगरों को अपने उत्पादों की बिक्री के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध कराना है। साथ ही आम लोगों को उचित कीमत पर जरूरत की सामग्री एक ही परिसर में उपलब्ध कराना भी मेले की प्राथमिकता है। मेले में प्रवेश के लिए कोई शुल्क नहीं रखा गया है।

इस आयोजन के माध्यम से जहां लोगों को खरीदारी का एक बेहतर विकल्प मिल रहा है, वहीं विभिन्न राज्यों के कारीगरों और छोटे उद्यमियों को अपने उत्पादों को अधिक लोगों तक पहुंचाने का अवसर भी मिल रहा है। मौके पर संजय सिन्हा, मिथिलेश सिंह, रामायज्ञ सिंह, रामचंद्र प्रसाद, अखिलेश सिंह, सुनील राय, छोटू महतो, डॉ. केके शर्मा, जयप्रकाश सिंह, राहुल सिंह, वारिस खान, उपेंद्र प्रसाद यादव, कमलेश राम, संजीव सिंह, अरिंदम नायक, जयघन महतो एवं अखिलेश कुमार शर्मा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को पकड़कर बरलंगा थाना में रखा गया, प्रशासन की कार्रवाई की लोगों ने की सराहना

गोला प्रखंड में भी धड़ल्ले से जारी है अवैध बालू का कारोबार, दिनदहाड़े ट्रैक्टरों और हाइवा से हो रही ढुलाई पर रोक लगाने की उठी मांग



रामगढ़/गोला। बरलंगा थाना क्षेत्र में अवैध बालू कारोबार के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बुधवार को बरलंगा- रामपुर सड़क पर अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर को पकड़कर बरलंगा थाना परिसर में सुरक्षार्थ रखा है। मामले में अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई को स्थानीय लोगों ने सराहनीय पहल बताया है।वहीं, दूसरी ओर गोला प्रखंड क्षेत्र में अवैध बालू का कारोबार लगातार फल-फूल रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में दिनदहाड़े ट्रैक्टरों और हाइवा के माध्यम से बालू की खुलेआम ढुलाई की जा रही है। कई स्थानों पर बालू का उठाव कर दूसरे क्षेत्रों तक पहुंचाया जा रहा है। इस अवैध कारोबार के कारण सरकार को प्रतिदिन लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।लोगों का कहना है कि लंबे समय से अवैध बालू तस्करी की शिकायतें सामने आती रही हैं, लेकिन इस पर प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है। ऐसे में बरलंगा पुलिस द्वारा अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त किया जाना सकारात्मक कदम है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि गोला प्रखंड में भी नियमित छापेमारी अभियान चलाकर अवैध बालू के कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाया जाए तथा इसमें संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

18 वर्ष से पहले वाहन चलाने से बचें, साइबर अपराध के प्रति रहें सतर्क : थाना प्रभारी अभिषेक कुमार



एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय गोला में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, बाल विवाह, डायन प्रथा और नशापान के दुष्परिणामों से भी कराया गया अवगत

रामगढ़/गोला। गोला थाना क्षेत्र के एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय गोला में विद्यार्थियों को सामाजिक कुरीतियों, सड़क सुरक्षा और साइबर अपराध के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए 18 वर्ष की आयु पूरी होने से पहले मोटरसाइकिल सहित किसी भी मोटर वाहन का उपयोग नहीं करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कम उम्र में वाहन चलाना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि इससे स्वयं की और दूसरों की जान भी खतरे में पड़ सकती है।उन्होंने विद्यार्थियों को साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों की जानकारी देते हुए अनजान फोन कॉल, संदिग्ध लिंक, फर्जी संदेश और ऑनलाइन ठगी से सावधान रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, बैंक संबंधी जानकारी अथवा निजी विवरण साझा नहीं करें। बाल विवाह और डायन प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि बाल विवाह बच्चों के भविष्य और उनके अधिकारों के साथ खिलवाड़ है। डायन प्रथा के नाम पर किसी महिला को प्रताड़ित करना गंभीर अपराध है। समाज से ऐसी कुरीतियों को समाप्त करने के लिए युवाओं को आगे आना चाहिए। उन्होंने शराब और अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, आर्थिक एवं पारिवारिक नुकसान की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने की अपील की।

प्रधानाध्यापक ने भी दिया जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश- विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक जागरूक, अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनना भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से पुलिस द्वारा दी गई महत्वपूर्ण जानकारियों को अपने जीवन में अपनाने तथा इन संदेशों को अपने परिवार और आसपास के लोगों तक पहुंचाने की अपील की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को जागरूकता, सावधानी और सही निर्णय के माध्यम से सुरक्षित भविष्य बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

सेन्हा में भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री का गाजे-बाजे के साथ हुआ भव्य स्वागत



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सांगठनिक मजबूती से ही झारखंड में भाजपा सरकार का गठन संभव : पेवन साय

लोहरदगा: भारतीय जनता पार्टी सेन्हा प्रखंड के कार्यकर्ताओं ने छत्तीसगढ़ से लोहरदगा पहुंचे प्रदेश संगठन महामंत्री पेवन साय का गाजे-बाजे के साथ भव्य स्वागत किया। प्रखंड अध्यक्ष नवल किशोर साहू के नेतृत्व में दुर्गा मंदिर के समीप स्थित प्रखंड भाजपा कार्यालय में स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इससे पूर्व प्रखंड मुख्यालय स्थित शिव मंदिर के समीप प्रदेश मंत्री मनीर उरांव, रिपुसूदन साहू, नगर परिषद अध्यक्ष अनिल उरांव, भाजपा जिलाध्यक्ष अजय पंकज, उपाध्यक्ष कलावती देवी एवं महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष संगीता कुमारी सहित कार्यकर्ताओं ने उनकी अगवानी की।

दीपावली सहित आगामी त्योहारों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की तैयारी, जुआ और अवैध शराब के कारोबार पर विशेष निगरानी रखेगी पुलिस

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



पतरातू - आगामी त्योहारों के दौरान क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराध पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से बुधवार को पतरातू अनुमंडल पुलिस कार्यालय में मासिक अपराध गोष्ठी सह समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राघवेंद्र शर्मा ने की। इसमें पतरातू अंचल सहित विभिन्न थाना क्षेत्रों के प्रभारी शामिल हुए। बैठक में थाना वार दर्ज आपराधिक मामलों की समीक्षा की गई तथा लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश दिया गया।अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में पुलिस गश्ती बढ़ाने और बाजारों सहित भीड़भाड़ वाले स्थानों पर विशेष निगरानी रखने को कहा। उन्होंने सक्रिय आपराधिक गिरोहों के सदस्यों पर पैनी नजर रखने, वारंटियों के विरुद्ध अभियान चलाकर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने तथा नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।बैठक में जुआ और अवैध शराब के कारोबार पर विशेष रूप से चर्चा हुई। एसडीपीओ ने कहा कि दीपावली के दौरान जुआ खेलने की सूचनाएं मिल रही हैं। ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की जाए तथा जुआ खेलने और खिलाने में संलिप्त लोगों को गिरफ्तार किया जाए। इसके अलावा अवैध शराब की बिक्री करने वालों और नियमों का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने और किसी भी गैरकानूनी गतिविधि की सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई करने को कहा। बैठक में पतरातू थाना प्रभारी विकास आर्यन, भुरकुंडा थाना प्रभारी शिवलाल गुप्ता, बरकाकाना थाना प्रभारी रोशन बाड़ा, भदानीनगर थाना प्रभारी मो. अख्तर अली तथा बासल थाना के पुलिस अवर निरीक्षक विपिन बिहारी सिंह उपस्थित थे।

रामगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सत्र 2025-27 द्वितीय वर्ष की सातवीं बैठक संपन्न

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़। शहर के वार्ड नंबर 7 और 8 में भी जी प्लस चार का हो नक्शा पास,शहर में पार्किंग की व्यवस्था,जर्जर बिजली पोल व तार की मरम्मत,स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था एवं मरम्मत जैसी कई बिंदुओं पर ली गई सुझाव।रामगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के कार्यकारिणी सदस्यों की सत्र 2025--27 द्वितीय वर्ष की सातवीं बैठक बिजुलिया स्थित चेंबर भवन के सभागार में देर शाम संपन्न हुई बैठक की अध्यक्षता चेंबर अध्यक्ष मनजीत साहनी एवं संचालन मानद सचिव मनोज चतुर्वेदी उर्फ मानु ने किया बैठक की शुरूआत में अध्यक्ष मनजीत साहनी ने सभी उपस्थित कार्यकारिणी सदस्यों एवं अतिथियों का स्वागत किया तत्पश्चात चेंबर के मानद सचिव मनोज चतुर्वेदी उर्फ मानु ने आए गए पत्रों की जानकारी दी वहीं चेंबर अध्यक्ष मनजीत साहनी ने पिछले बैठक के मिनट्स को अनुमोदित करने का प्रस्ताव रख रखा जिसे सर्वसम्मति से कार्यकारिणी सदस्यों पूर्व अध्यक्षों एवं उपस्थित सदस्यों ने पारित किया इसके बाद उन्होंने स्थानीय व्यापारिक समस्याओं औद्योगिक विकास सरकारी नीतियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए चैंबर की कार्ययोजना की जानकारी दी तत्पश्चात छावनी परिषद के नए गजट में आए हुए प्रस्तावित सुधार अधिनियम के तहत शहर के हृदय स्थल वार्ड नंबर 7 और 8 में भी अन्य वार्डों की तरह जी प्लस चार का नक्शा को भी मिले अनुमति,शहर में पार्किंग की व्यवस्था जर्जर बिजली पोल व तार की मरम्मत स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था एवं मरम्मती जैसे कई बिंदुओं पर उपस्थित सदस्यों को अपने अपने विचार विस्तार पूर्वक रखने का प्रस्ताव रखा जिसे कार्यकारिणी के सदस्यों पूर्व अध्यक्षों आमंत्रित सदस्यों एवं उपस्थित लोगों ने अपनी अपनी राय चेंबर अध्यक्ष मनजीत साहनी को दिया जिसे असली जामा पहनाने का काम अध्यक्ष साहनी करेंगे वहीं चेंबर अध्यक्ष मनजीत साहनी ने शहर के अन्य समस्याओं पर भी चैंबर कि बैठक में विस्तार पूर्वक चर्चा की अंत में चेंबर उपाध्यक्ष अमरेश गणक ने सभी आए हुए पदाधिकारी पूर्व अध्यक्षों अतिथियों सदस्यों को धन्यवाद देते हुए राष्ट्रगान के साथ बैठक समाप्त करने की घोषणा की बैठक में मुख्य रूप से एफजेसीसीआई के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विनय कुमार अग्रवाल,चेंबर के पूर्व अध्यक्ष आनंद अग्रवाल,दुर्गा प्रसाद सिंह उर्फ वकील सिंह,मनजी सिंह,विमल बुधिया, श्याम सुंदर परशुरामपुरिया,चेंबर उपाध्यक्ष अमरेश गणक,चेंबर सचिव मनोज कुमार चतुर्वेदी उर्फ मानु,चेंबर कोषाध्यक्ष दिनेश पोद्दार,चेंबर सहसचिव इंद्रपाल सिंह सैनी, कार्यकारिणी सदस्य विनय कुमार सिंह,मुरारी लाल अग्रवाल,राहुल जैन पाटनी, अभिजीत कुमार बीजी, अधिवक्ता विवेक अग्रवाल, छावनी परिषद के नामित सदस्य अनमोल सिंह,तेजिंदर सिंह सोनी,राजकुमार अग्रवाल, परविंदर सिंह उर्फ. पप्पू जसल, रवि सिंह बंटूक सिंह शहीत कई लोग उपस्थित थे।

एडीआरएम द्वारा मिजाचौकी स्टेशन परिषर व रैक लोडिंग प्वाइंट का किया गया निरीक्षण



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

मंडरो/साहिबगंज। मिजाचौकी रेलवे स्टेशन का निरीक्षण एडीआरएम अमरेंद्र मौर्य के द्वारा किया गया। एडीआरएम के साथ मौके पर मिर्जाचौकी रेलवे स्टेशन प्रबंधक अनिल वर्मा , पत्थर व्यवसाई ट्विंकल भगत मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान रेलवे साइडिंग रैक लोडिंग प्वाइंट का लिया गया जायजा। वही मौके पर उपस्थित अधिकारियों से कई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की गई। मिजाचौकी रेलवे स्टेशन पर हो रही समस्याओं से हुए अवगत। एडीआरएम ने बुकिंग कक्ष, शौचालय, वेटिंग हॉल समेत अन्य जांच किया गया। मिजाचौकी रेलवे स्टेशन पर स्वच्छता बेहतर करने का निर्देश दिया गया। वही रैक लोडरो के साथ बातचित कर जानकारी प्राप्त किया गया। वही बताया गया कि किसी प्रकार की कोई भी परेशानी हो तो सूचना जरूर दे। एडीआरएम को देखने को मिर्जाचौकी स्टेशन पर उमड़ी लोगों की भीड़।

गोला में बाइक चोर गिरोह का पदार्फाश, दो गिरफ्तार



चोरी की दो मोटरसाइकिल बरामद

रामगढ़/गोला। गोला थाना क्षेत्र में पिछले 10-15 दिनों से लगातार बढ़ रही मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की दो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल भी बरामद की हैं। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र के लोग काफी परेशान थे। सब्जी मंडी, चौक-चौराहों और सार्वजनिक स्थानों से देखते ही देखते बाइक गायब हो जाने के कारण वाहन मालिकों में भय का माहौल था। कई लोगों की रातों की नींद उड़ गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आलोक रंजन के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। इसी बीच बुधवार को सूचना मिली कि चोरी की मोटरसाइकिलों को बेचने के उद्देश्य से कुछ लोग पेटरवार के रास्ते रांची जा रहे हैं। सूचना पर चोपादारू-संधोय घाटी के समीप वाहन जांच के दौरान पुलिस ने दो मोटरसाइकिल सवारों को पकड़ लिया, जबकि एक आरोपी जंगल का फायदा उठाकर फरार हो गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बोकारो जिले के पेटरवार थाना क्षेत्र के खेतको निवासी विकास कुमार नायक उर्फ घुमा (25) तथा रांची जिले के बीआईटी थाना क्षेत्र के मेसरा निवासी फुलेश्वर महतो उर्फ तन्नु (50) के रूप में हुई है। जांच में दोनों मोटरसाइकिलें गोला डीवीसी चौक स्थित सब्जी मंडी से चोरी की पाई गईं। इस संबंध में गोला थाना में कांड संख्या 115/2026 और 119/2026 दर्ज हैं। पुलिस फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। पुलिस की पहल से लोगों में जगी उम्मीद लगातार हो रही बाइक चोरी की घटनाओं के बीच पुलिस की इस कार्रवाई को स्थानीय लोग सराहनीय पहल मान रहे हैं। खासकर गरीब और मेहनतकश परिवारों के लिए उनकी मोटरसाइकिल रोजी-रोटी और आवागमन का महत्वपूर्ण साधन होती है। ऐसे में चोरी गई गाड़ियों की बरामदगी उनके लिए बड़ी राहत साबित हो सकती है। दीपावली और छठ जैसे त्योहारों को देखते हुए लोगों से अपने वाहनों को सुरक्षित स्थानों पर खड़ा करने, लॉक लगाने तथा संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई है। वहीं पुलिस को भी प्रमुख चौक-चौराहों के साथ-साथ आसपास के संदिग्ध ठिकानों और चोरी के वाहनों की खरीद-बिक्री करने वाले संभावित अड्डों पर विशेष निगरानी रखने की जरूरत है। छापेमारी दल में पुलिस निरीक्षक रजत कुमार, गोला थाना प्रभारी अभिषेक कुमार, पेटरवार थाना प्रभारी राजू कुमार मुंडा सहित गोला एवं पेटरवार थाना के पुलिस पदाधिकारी, पैंथर मोबाइल दस्ता और सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

रामगढ़ जिले के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलए-2 एवं

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रामगढ़। निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, रामगढ़ ऋतुराज के मार्गदर्शन में आज दिनांक 04 नवंबर 2026 को रामगढ़ जिले के सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल एजेंट (BLA-2) एवं बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) की पांचवीं बैठक तथा 'चुनाव पाठशाला' का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ऋतुराज द्वारा जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप मतदाता सूची के शुद्धिकरण एवं अद्यतीकरण की प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से संपन्न कराने का निर्देश दिया। SIR एवं Home-to-Roll Verification प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची के सत्यापन पर जोर आयोजित बैठक एवं चुनाव पाठशाला के दौरान विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision-SIR) एवं Home-to-Roll Verification प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची के सत्यापन एवं शुद्धिकरण पर विशेष जोर दिया गया इस क्रम में मतदान केंद्रों पर प्रपत्र-2 में अंकित, नोटिस एवं सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण नहीं करने वाले मतदाताओं की नामवार सूची प्रकाशित की गई। साथ ही सूची को BLO, BLA-2 एवं उपस्थित नागरिकों के समक्ष पढ़कर सुनाया गया। बैठक के दौरान BLO एवं BLA-2 के बीच मतदाता सूची के सत्यापन, मतदाताओं के विवरण के मिलान तथा आवश्यक दस्तावेजों एवं सूचनाओं के संकलन से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई। Home-to-Roll Verification प्रक्रिया के तहत मतदाताओं के वर्तमान विवरण एवं उपलब्ध निर्वाचन अभिलेखों के आधार पर सत्यापन की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने पर बल दिया गया। इस दौरान BLA-2 एवं आम नागरिकों से आवश्यक जानकारी, सुझाव एवं आपत्तियां प्राप्त की गईं, ताकि मतदाता सूची को त्रुटिरहित, शुद्ध एवं अद्यतन बनाया जा सके।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने युवाओं से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने की अपील की

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ऋतुराज ने विशेष रूप से उन सभी युवाओं से अपील की, जिन्होंने दिनांक 01 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है, कि वे वोटर हेल्पलाइन एप (Voter Helpline App) अथवा अपने संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) से संपर्क कर मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जुड़वाएं। उन्होंने जिले के अन्य सभी नागरिकों से भी अपील की कि यदि किसी पात्र व्यक्ति का नाम किसी कारणवश अब तक मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाया है, तो वे अपने संबंधित BLO से संपर्क कर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया पूर्ण करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक पात्र नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। इसके लिए मतदाता सूची का शुद्ध एवं अद्यतन होना आवश्यक है। सभी पात्र नागरिकों को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक रहते हुए मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराना चाहिए।

चुनाव पाठशाला के माध्यम से नागरिकों को दी गई निर्वाचन संबंधी जानकारी

चुनाव पाठशाला के माध्यम से नागरिकों को मतदाता सूची में नया नाम जोड़ने, नाम एवं पता में सुधार कराने, मतदाता प्रविष्टि की स्थिति जांचने तथा निर्वाचन संबंधी विभिन्न प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। इसके साथ ही नागरिकों को SIR एवं Home-to-Roll Verification प्रक्रिया के महत्व से अवगत कराते हुए मतदाता सूची के सत्यापन एवं शुद्धिकरण में सक्रिय सहयोग करने की अपील की गई।

जिला प्रशासन की नागरिकों से अपील

जिला प्रशासन, रामगढ़ सभी नागरिकों से अपील करता है कि वे मतदाता सूची में अपने नाम एवं अन्य विवरणों की जांच करें तथा किसी प्रकार की त्रुटि या नाम छूटने की स्थिति में संबंधित BLO से संपर्क कर आवश्यक सुधार एवं नाम जोड़ने की प्रक्रिया पूर्ण कराएं।

जिला प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित न रहे तथा मतदाता सूची पूरी तरह शुद्ध, पारदर्शी एवं अद्यतन हो।

रांची में 2771 लोगों को मिली बैंकिंग और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की सुविधा, चान्हो में वित्तीय समावेशन शिविर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं का विस्तार करने और पात्र लोगों को सरकारी वित्तीय एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से बुधवार को रांची जिले के चान्हो प्रखंड स्थित किसान भवन में मेगा वित्तीय समावेशन संतृप्ति शिविर का आयोजन किया गया. भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अधीन कार्यरत वित्तीय सेवा विभाग की ओर से संचालित अभियान के तहत आयोजित इस शिविर में कुल 2771 सेवाओं और गतिविधियों का निष्पादन किया गया. इनमें 1267 बैंक खातों की री-केवाईसी, 681 लोगों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और 452 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से जोड़ने की प्रक्रिया शामिल रही. इसके अलावा अटल पेंशन योजना और प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत भी पात्र लोगों को लाभ पहुंचाया गया. कार्यक्रम का संयोजन बैंक ऑफ इंडिया और राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी), झारखंड की ओर से किया गया. शिविर का उद्देश्य चान्हो प्रखंड की लक्षित पंचायतों में पात्र लाभार्थियों को बैंकिंग सुविधाओं और विभिन्न सरकारी योजनाओं से आच्छादित करना था. शिविर में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) रांची की क्षेत्रीय निदेशक रक्षा मिश्र मुख्य रूप से उपस्थित रहीं. उनके अलावा, बैंक ऑफ इंडिया, एफजीएमओ रांची के महाप्रबंधक एवं एसएलबीसी झारखंड के संयोजक गुरु प्रसाद गोंड, आरबीआई की उप महाप्रबंधक कुमकुम वर्मा, एसएलबीसी झारखंड के उप महाप्रबंधक संतोष कुमार सिन्हा सहित विभिन्न बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए. मौके पर रांची के अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम), जिला प्रशासन के प्रतिनिधि और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे. शिविर में विभिन्न योजनाओं और बैंकिंग सेवाओं के तहत कुल 2771 गतिविधियां पूरी की गयीं. इनमें सबसे अधिक 1267 बैंक खातों की री-केवाईसी की गयी. इसके अलावा 65 सी-केवाईसी, 86 खातों में नॉमिनेशन और 151 लोगों को प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत आच्छादित करने संबंधी गतिविधियां हुईं.

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत 681 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और 452 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) से जोड़ा गया. वहीं, 69 लोगों को अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के तहत आच्छादित किया गया. इस तरह शिविर में बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार के साथ बीमा और पेंशन योजनाओं पर भी विशेष जोर दिया गया. शिविर में बैंक खातों को सक्रिय और अद्यतन रखने के लिए री-केवाईसी अभियान पर विशेष ध्यान दिया गया. इसके तहत 1267 खातों की री-केवाईसी की गयी. अधिकारियों ने बताया कि खातों की केवाईसी अपडेट रहने से लाभार्थियों को बैंकिंग सेवाओं और सरकारी योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से मिल सकेगा. वित्तीय जागरूकता बढ़ाने और बीमा योजनाओं के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के लाभार्थियों के बीच सांकेतिक चेक (डेमो चेक) का वितरण किया गया. इसके माध्यम से लोगों को बीमा योजनाओं के महत्व और उनसे मिलने वाली सामाजिक सुरक्षा की जानकारी दी गयी.

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि वित्तीय समावेशन का उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े पात्र और वंचित लोगों तक बैंकिंग सेवाओं तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है. ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ना जरूरी है. इसके लिए बैंकों, अग्रणी जिला प्रबंधक, जिला प्रशासन और संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय होना चाहिए. अधिकारियों ने पात्र लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि वित्तीय जागरूकता बढ़ाने के साथ यह भी सुनिश्चित करना जरूरी है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं रहे.

झारखंड शिक्षक नियुक्ति 2016 मामला: सरकार और जेएसएससी की 100 से अधिक अपीलों पर 16 दिसंबर को सुनवाई

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड हाइकोर्ट में स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा-2016 से जुड़े मीना कुमारी मामले में राज्य सरकार और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) की ओर से दायर अपील याचिकाओं पर सुनवाई हुई. चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस मनोज प्रसाद की खंडपीठ ने मामले की विस्तृत सुनवाई के लिए 16 दिसंबर की तिथि निर्धारित की है. सुनवाई के दौरान जेएसएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरावाल और अधिवक्ता प्रिंस कुमार ने पक्ष रखा. वहीं, प्रतिवादी मीना कुमारी की ओर से अधिवक्ता शेखर प्रसाद गुप्ता उपस्थित थे.

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार और जेएसएससी ने अलग-अलग 100 से अधिक अपील याचिकाएं दायर की हैं. इनमें मीना कुमारी और अन्य के मामले में एकल पीठ द्वारा पारित आदेशों को चुनौती दी गयी है. पूर्व में खंडपीठ ने एकल पीठ के आदेशों के अनुपालन को लेकर दायर अवमानना याचिका की सुनवाई पर रोक लगा दी थी. मामले में एकल पीठ ने मीना कुमारी सहित 258 याचिकाओं पर फैसला सुनाया था. हाइस्कूल शिक्षक नियुक्ति से जुड़े विवाद की जांच के लिए हाइकोर्ट के सेवानिवृत्त जस्टिस डॉ एसएन पाठक की अध्यक्षता में एक सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग कमीशन गठित करने का आदेश दिया गया था. बाद में जस्टिस पाठक ने असमर्थता जतायी, जिसके बाद हाइकोर्ट ने सेवानिवृत्त जस्टिस गौतम कुमार चौधरी को कमीशन का अध्यक्ष बनाया.

रिक्त 2034 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया का भी निर्देश

एकल पीठ के आदेश के अनुसार, कमीशन की रिपोर्ट मंत्रिमंडल के समक्ष रखी जानी थी. राज्य सरकार को रिपोर्ट मिलने के अधिकतम छह सप्ताह के भीतर उस पर निर्णय लेने का निर्देश दिया गया था. इसके अलावा, रिक्त 2034 सीटों पर नियुक्ति के लिए याचिकाकताओं को आठ सप्ताह के भीतर जेएसएससी सचिव के समक्ष अभ्यावेदन देने को कहा गया था. जेएसएससी को प्राप्त अभ्यावेदनों पर छह महीने के भीतर नियुक्ति की कार्रवाई पूरी करनी थी. उपलब्ध जानकारी के अनुसार, एक सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग कमीशन पूरे मामले की सुनवाई कर अपना फैसला सुरक्षित रख चुका है. अब हाइकोर्ट में सरकार और जेएसएससी की अपील याचिकाओं पर 16 दिसंबर को विस्तृत सुनवाई होगी.

मुआवजे की राशि में 2.25 करोड़ की कमीशनखोरी, कांके थाना में प्राथमिकी दर्ज

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। कांके के सुकुरहुटू में प्रस्तावित ट्रांसपोर्ट नगर के लिए जमीन अधिग्रहण के बाद मुआवजा भुगतान में कथित कमीशनखोरी का मामला सामने आने के बाद रैयतों ने कांके थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी है. कांके के थाना प्रभारी कुणाल ने प्राथमिकी दर्ज किए जाने की पुष्टि की है. आरोप है कि जमीन अधिग्रहण के मामले में 4.51 करोड़ के मुआवजे की लगभग आधी रकम नुरुल होदा नाम के एक शख्स ने भू अर्जन विभाग की कर्मियों के साथ मिलीभगत कर अपने अकाउंट मंन ट्रांसफर करा लिया. इसे लेकर प्रभावित रैयतों ने रांची के उपायुक्त को एक आवेदन देकर मुआवजे की राशि में कमीनखोरी को लेकर कार्रवाई के लिए आवेदन दिया है. डीसी ने इस मामले में जांच के आदेश भी दिए हैं. साथ ही डीसी ने कांके थाना में नुरुल होदा और भू अर्जन विभाग के कर्मी, जिनमें अमित कुमार गुप्ता राजकुमार महतो, हर्ष लाल शाहदेव पर प्राथमिक की दर्ज कर कार्रवाई आदेश दिए. गौरतलब है कि सुकुरहुटू में प्रस्तावित ट्रांसपोर्ट नगर के लिए जमीन अधिग्रहण के बाद मुआवजा भुगतान में कथित कमीशनखोरी का मामला सामने आया है. चार रैयतों ने आरोप लगाया है कि जमीन के मुआवजे में मिले 4 करोड़ 51 लाख 55 हजार 805 रुपए में से 2 करोड़ 25 लाख 77 हजार 571 रुपए बिचौलिए नुरुल होदा के खाते में ट्रांसफर कराए गए. इसे लेकर रैयतों ने डीसी से शिकायत की है.

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि मोतीलाल पाहन, तेतरी देवी, झनकु पाहन समेत चार रैयत शामिल हैं. उन्होंने अपने आवेदन में नुरुल होदा के साथ भू-अर्जन विभाग के कुछ कर्मचारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं. आरोप है कि मुआवजा दिलाने के नाम पर कुल मुआवजा राशि की करीब आधी रकम कमीशन के रूप में ली गई. गौरतलब है कि आवेदन में लिखा है कि सुकुरहुटू के डोही टोली निवासी चार रैयतों की जमीन ट्रांसपोर्ट नगर परियोजना के लिए अधिग्रहित की गई थी. इसके एवज में खाता संख्या 525 के प्लॉट नंबर 471 और 588 के एवज में 2 करोड़ 65 लाख 98 हजार 625 रुपए मुआवजा मिला था. वहीं खाता संख्या 570 के प्लॉट नंबर 506 और 507 के लिए 1 करोड़ 85 लाख 57 हजार 180 रुपए का भुगतान किया गया.

रांची में सड़क निर्माण पर ग्रामीणों और सेना में टकराव

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। रांची जिले के नामकुम थाना क्षेत्र के कोचा टोली में सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीण और सेना के जवान आमने-सामने आ गए हैं. सेना द्वारा सड़क निर्माण कार्य रोके जाने से ग्रामीणों में आक्रोश है. मौके पर दोनों पक्षों के बीच काफी देर तक बहस हुई. स्थिति को देखते हुए पुलिस भी पहुंची. ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की स्थिति काफी जर्जर हो गई है. सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं. सड़क नहीं बनने से उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. बारिश के दिनों में आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है. बच्चों को स्कूल जाने, बीमारों को अस्पताल पहुंचाने और रोजमर्रा के कामों में भी दिक्कत होती है. ग्रामीणों का कहना है कि वे सेना की जमीन से किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं कर रहे हैं. निर्माण कार्य गांव की पुरानी सड़क पर ही हो रहा है, जो वर्षों पुरानी है और सेना की सीमा से बाहर है. वहीं, सेना के जवानों का कहना है कि उनकी घेराबंदी (बाउंड्री) से कम से कम 10 मीटर की दूरी तक किसी भी तरह का निर्माण कार्य नहीं होना चाहिए. सुरक्षा नियमों के तहत यह दूरी बनाए रखना जरूरी है. इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच तनातनी की स्थिति बनी हुई है. मौके पर ग्रामीणों और सेना के जवानों के बीच काफी देर तक बहस हुई. सुबह से ही काफी संख्या में ग्रामीण निर्माण स्थल पर जुटे रहे. ग्रामीणों ने सड़क निर्माण कार्य रोके जाने पर नाराजगी जताई और प्रशासन से हस्तक्षेप की मांग की. ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन मौके पर पहुंचकर सीमा की नापी कराए और विवाद का स्थायी समाधान निकाले, ताकि सड़क निर्माण का काम जल्द शुरू हो सके.

झारखंड में बढ़ेगी एसआईआर की डेडलाइन, सीईओ से मिली कांग्रेस

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की समय-सीमा एक महीने बढ़ाने की मांग को लेकर कांग्रेस ने चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया है. पार्टी का कहना है कि मौजूदा समय-सीमा में सभी वास्तविक मतदाताओं की सुनवाई पूरी करना मुश्किल है. खासकर आदिवासी बहुल और ग्रामीण क्षेत्रों में दस्तावेजों को लेकर लोगों के बीच बनी आशंकाओं के कारण कई मतदाता प्रक्रिया में शामिल होने से हिचक रहे हैं. कांग्रेस ने मांग की है कि पर्याप्त समय दिया जाए, ताकि किसी भी वास्तविक मतदाता का नाम सूची से न छूटे. इसी मांग को लेकर झारखंड कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के कार्यालय पहुंचा और ज्ञापन सौंपा. प्रतिनिधिमंडल में झारखंड कांग्रेस प्रभारी के. राजू, प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल थे.

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बताया कि राज्य में अब तक 59 लाख 56 हजार 576 गणना प्रपत्र जनरेट किये गये हैं. इनमें से 40 लाख 25 हजार 102 मामलों में सुनवाई पूरी हुई है, जबकि 19 लाख 31 हजार 472 मामले लंबित हैं. यानी करीब 32 प्रतिशत मामलों का निष्पादन अभी बाकी है. कांग्रेस प्रभारी के. राजू ने भी कहा कि करीब 59 लाख नोटिस जनरेट हुए हैं, लेकिन अब तक लगभग 67 प्रतिशत मामलों का ही निष्पादन हो पाया है. शेष मामलों की सुनवाई के लिए पर्याप्त समय नहीं बचा है. उन्होंने आशंका जतायी कि दीपावली और अन्य त्योहारों के कारण आने वाले दिनों में प्रक्रिया की रफ्तार प्रभावित हो सकती है. ऐसे में 23 नवंबर तक सभी लंबित मामलों का निष्पादन करना चुनौतीपूर्ण होगा.

के. राजू ने कहा कि दिल्ली में रक्कीकी प्रक्रिया के लिए 22 दिसंबर तक का समय दिया गया है, जबकि झारखंड की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियां अलग हैं. यहां बड़ी संख्या में आदिवासी आबादी रहती है. रोजगार के लिए लोगों का पलायन भी होता है और बूथ लेवल अधिकारियों पर काम का दबाव है. इन परिस्थितियों को देखते हुए झारखंड को भी कम से कम एक महीने का अतिरिक्त समय मिलना चाहिए. मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि एसआईआर के दौरान आदिवासी समुदाय के लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. लातेहार, रांची, गुमला समेत अन्य इलाकों से शिकायतें मिली हैं कि कुछ आदिवासी परिवार गणना प्रपत्र भरने से भी हिचक रहे हैं. उनके मन में जमीन और दस्तावेजों को लेकर आशंकाएं हैं. ग्रामीणों को डर है कि दस्तावेज देने से कहीं उनकी जमीन पर कोई दावा न कर दे. उन्होंने चुनाव आयोग से आदिवासी समुदाय की सामाजिक और पारंपरिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए विशेष दिशा-निर्देश जारी करने का आग्रह किया.

जल संसाधन विभाग के तीन इंजीनियरों को 2012 से मिलेगा प्रोन्नति का लाभ : हाईकोर्ट

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने जल संसाधन विभाग के तीन जूनियन इंजीनियरों (मैकेनिकल) को 2012 से प्रोन्नति का लाभ देने का आदेश दिया है. जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने विभाग के उस आदेश को निरस्त कर दिया है, जिसके माध्यम से तीनों इंजीनियरों को 20 नवंबर 2012 से सहायक अभियंता के पद पर प्रोन्नति देने का दावा खारिज कर दिया गया था. अदालत ने राज्य सरकार को तीनों याचिकाकताओं को 20 नवंबर 2012 से सहायक अभियंता (मैकेनिकल) के पद पर प्रोन्नति देने और सभी परिणामी लाभ प्रदान करने का निर्देश दिया है.

मामले में रॉबिन अजय सिंह, पंकज कुमार और संदीप कुमार ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी. तीनों की नियुक्ति 13 नवंबर 2007 को स्वीकृत एवं रिक्त पदों के विरुद्ध कनीय अभियंता (मैकेनिकल) के पद पर हुई थी. याचिकाकताओं के पास एएमआइई की डिग्री थी. उनका कहना था कि सेवा में पांच वर्ष की निर्धारित कालावधि पूरी करने के बाद वे नवंबर 2012 से सहायक अभियंता के पद पर प्रोन्नति के योग्य हो गये थे. इसके बावजूद विभाग ने उन्हें 20 नवंबर 2018 को प्रोन्नति दी. प्रोन्नति में देरी को लेकर याचिकाकताओं ने पहले भी हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. वर्ष 2014 में दायर याचिका पर 10 नवंबर 2016 को आदेश पारित हुआ था. इसके बाद उन्हें 20 नवंबर 2018 को सहायक अभियंता के पद पर प्रोन्नति दी गयी. लेकिन, नवंबर 2012 से प्रोन्नति का लाभ नहीं मिलने पर उन्होंने फिर याचिका दायर की. इस पर 24 सितंबर 2025 को हाईकोर्ट ने विभागीय सचिव को अभिलेखों की जांच कर कारणयुक्त आदेश पारित करने और परिणामी लाभ देने का निर्देश दिया था.

इसके बाद विभाग ने 19 जनवरी 2026 को उनका दावा खारिज कर दिया. विभाग ने इसके लिए सीबीआइ जांच लंबित होने, झारखंड इंजीनियरिंग सेवा नियुक्ति नियमावली 2016 और झारखंड सेवा संहिता के नियम 58 तथा झारखंड वित्त नियमावली के नियम 74 का हवाला दिया था. याचिकाकताओं ने इस आदेश को चुनौती दी.

याचिकाकताओं की ओर से अधिवक्ता मनोज टंडन ने दलील दी कि नवंबर 2012 में उनके खिलाफ न तो प्राथमिकी दर्ज थी और न ही कोई आरोप पत्र दाखिल हुआ था. कोई विभागीय आरोप पत्र भी गठित नहीं किया गया था. सरकार के 20 नवंबर 2008 के संकल्प के अनुसार निलंबन, विभागीय कार्यवाही में आरोप गठित होने अथवा आपराधिक मामले में आरोप पत्र दाखिल होने की स्थिति में ही प्रोन्नति रोकी जा सकती है. अदालत ने इस दलील को स्वीकार करते हुए कहा कि केवल प्रारंभिक सीबीआइ जांच लंबित होने के आधार पर प्रोन्नति रोकना उचित नहीं है. वर्ष 2016 की नियमावली भी नवंबर 2012 से लागू नहीं मानी जा सकती, क्योंकि इसे पूर्वव्यापी प्रभाव नहीं दिया गया था.

कार्यपालक अभियंता के पद पर भी प्रोन्नति पर होगा विचार

कोर्ट ने डॉ पारसनाथ प्रसाद बनाम बिहार राज्य समेत पूर्व के न्यायिक फैसलों का उल्लेख करते हुए कहा कि नियोक्ता की गलती से हुई देरी को कर्मचारी के खिलाफ इस्तेमाल नहीं किया जा सकता. अदालत ने 19 जनवरी 2026 के विभागीय आदेश को रद्द करते हुए तीनों इंजीनियरों को नवंबर 2012 से सहायक अभियंता के पद पर प्रोन्नति और सभी परिणामी लाभ देने का आदेश दिया. इसके अलावा, सहायक अभियंता के पद पर प्रोन्नति मिलने के बाद तीनों के कार्यपालक अभियंता के पद पर प्रोन्नति के दावे पर भी निर्धारित कालावधि और लागू नियमों के अनुसार विचार करने का निर्देश दिया गया है. पूरी प्रक्रिया 12 सप्ताह में पूरी करनी होगी.

चार बार डायलिसिस, 12 दिन वेंटिलेटर पर, रिम्स के डॉक्टरों ने बचायी 9 साल की बच्ची की जान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



रांची। रिम्स के चिकित्सकों ने गंभीर रूप से बीमार नौ साल की बच्ची का सफल उपचार कर उसे नया जीवन दिया है. बच्ची 12 दिनों तक जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करती रही. बच्ची को रिम्स में गंभीर हालत में भर्ती कराया गया था. उसकी सांसें वेंटिलेटर के सहारे चल रही थीं. उसे टाइप-1 डायबिटीज की गंभीर जटिलता थी. इसके साथ ही उसकी किडनी ने भी लगभग काम करना बंद कर दिया था. इस कारण बच्ची को चार बार डायलिसिस करना पड़ा. ऐसी चुनौतीपूर्ण स्थिति में रिम्स के चिकित्सकों ने लगातार उपचार और निगरानी के जरिये बच्ची की जान बचायी. 12 दिनों बाद उसे वेंटिलेटर से हटाया गया. फिलहाल उसकी स्थिति स्थिर है. वह सामान्य भोजन कर रही है और नियमित इंसुलिन इंजेक्शन से उसका ब्लड शुगर नियंत्रित किया जा रहा है.

बच्ची की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने लगातार उसकी निगरानी की. उपचार के दौरान चार बार डायलिसिस किया गया. वहीं, 12 दिनों तक उसे वेंटिलेटर पर रखा गया. चिकित्सकों की मेहनत और बेहतर उपचार के बाद उसकी हालत में धीरे-धीरे सुधार हुआ. इसके बाद उसे वेंटिलेटर से हटाया गया. फिलहाल बच्ची की स्थिति स्थिर है और वह सामान्य रूप से भोजन कर रही है. इलाज के बाद बच्ची की किडनी की जांच रिपोर्ट में भी सुधार देखने को मिला है. चिकित्सकों के अनुसार, नियमित इंसुलिन इंजेक्शन के माध्यम से उसके ब्लड शुगर को नियंत्रित किया जा रहा है. बच्ची की स्थिति में सुधार को देखते हुए उसे अस्पताल से डिस्चार्ज करने की तैयारी शुरू कर दी गयी है. हालांकि, घर लौटने के बाद भी उसकी किडनी की नियमित जांच और चिकित्सकीय निगरानी जरूरी होगी.

संक्षिप्त खबर

रांची के मुरी में प्रतिबंधित मांस मिलने से मचा हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

रांची। राजधानी रांची स्थित मुरी पुलिस ने ओपी थाना क्षेत्र के एक गांव में प्रतिबंधित मांस जब्त किया है. सूत्रों के मुताबिक, प्रशासन ने फौरी कार्रवाई करते हुए जांच के लिए एक मजिस्ट्रेट और चिकित्सक को तैनात कर दिया है. अभी तक की जानकारी के अनुसार, मुरी ओपी थाने में मांस के सैंपल सील कर जांच के लिए भेजने की प्रक्रिया चल रही है. पुलिस इस मामले में कुछ लोगों से पूछताछ कर रही है. मांस की प्रकृति की पुष्टि के लिए सैंपल सील कर जांच के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है. प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मजिस्ट्रेट और चिकित्सक की तैनाती की है. जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मामले से जुड़ी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी. पुलिस इस मामले में कुछ लोगों से पूछताछ कर रही है. वहीं, मुरी ओपी थाना प्रभारी विकास पासवान ने फिलहाल कुछ भी बताने से इंकार किया है. उन्होंने कहा कि कार्रवाई की प्रक्रिया चल रही है. कार्रवाई पूरी होने के बाद ही जानकारी दी जाएगी.

बड़गांई लैंड स्कैम : आर्किटेक्ट विनोद कुमार सिंह की याचिका हाईकोर्ट से खारिज



रांची। बड़गांई लैंड स्कैम (8.86 एकड़ जमीन) मामले में आर्किटेक्ट विनोद कुमार सिंह की याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है. उन्होंने पीएमएलए कोर्ट द्वारा उनकी डिस्चार्ज पिटीशन खारिज करने को चुनौती दी थी. मामले में हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की कोर्ट ने विनोद कुमार सिंह की याचिका खारिज कर दी. ईडी की ओर से वरीय अधिवक्ता अमित कुमार दास एवं अधिवक्ता सौरव कुमार ने पक्ष रखा. इससे पहले पीएमएलए की विशेष अदालत ने आर्किटेक्ट विनोद कुमार सिंह की डिस्चार्ज पिटीशन को खारिज कर दिया था, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी. साथ ही उनके खिलाफ आरोप गठित किया गया था. बता दें कि उक्त जमीन की कथित फजीर्वाड़ा मामले को लेकर ईडी ने जेएमएम नेता अंतू तिर्की, आर्किटेक विनोद कुमार सिंह समेत कई जमीन कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की. ईडी ने मामले की जांच पूरी करते हुए आरोपियों के खिलाफ पीएमएलए कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है. ईडी की विशेष अदालत अंतू तिर्की, आर्किटेक विनोद कुमार सिंह समेत 17 आरोपियों के खिलाफ आरोप गठन कर चुकी है.

अगले 5 दिनों में 3-4 डिग्री तक गिरेगा न्यूनतम तापमान, सुबह छायेगा कोहरा



रांची। झारखंड में अगले पांच दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने का अनुमान है. इससे सुबह और रात में ठंड बढ़ेगी. मौसम केंद्र रांची के अनुसार, 5 से 8 नवंबर तक राज्य के ज्यादातर हिस्सों में सुबह हल्का कोहरा या धुंध छाने के बाद आसमान मुख्यतः साफ रहेगा. रांची में 5 नवंबर को न्यूनतम तापमान 18 डिग्री और 6 से 8 नवंबर तक 17 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है. इन दिनों अधिकतम तापमान 27 से 28 डिग्री के बीच रह सकता है. पिछले 24 घंटे के दौरान जगन्नाथपुर में अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री और लातेहार में न्यूनतम तापमान 15.3 डिग्री सेल्सियस रहा. रांची का अधिकतम तापमान 27.6 और न्यूनतम 19.4 डिग्री, जबकि जमशेदपुर का अधिकतम 31.6 और न्यूनतम तापमान 24.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. इस दौरान पश्चिमी सिंहभूम के मझगांव में सबसे अधिक 29.8 मिमी बारिश दर्ज की गई. पूर्वी सिंहभूम के बहरागोड़ा में 16.6 मिमी, डुमरिया में 16.4 मिमी और पोटका में 2.8 मिमी बारिश हुई. रांची और जमशेदपुर में बारिश नहीं हुई.

झारखंडी भाषाओं के संरक्षण के लिए भाजपा ने सरकार से की ठोस पहल की मांग



रांची। झारखंड की जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण और विकास के लिए भाजपा ने राज्य सरकार से ठोस पहल की मांग की है. प्रदेश प्रवक्ता अविनेश कुमार ने कहा कि संथाली, मुंडारी, हो, कुड़ुख, खड़िया, नागपुरी, खोरठा, कुरमाली और पंचपरगनिया झारखंड की सांस्कृतिक पहचान हैं. इनके संरक्षण के लिए केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं. उन्होंने कहा कि जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा बचाओ मोर्चा की मांगों पर सरकार गंभीरता दिखाए. राज्य में जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा अकादमी की स्थापना हो. प्राथमिक से उच्च शिक्षा तक मातृभाषा में पढ़ाई की व्यवस्था और रिक्त शिक्षक पदों पर नियुक्ति की जाए. अविनेश कुमार ने प्रत्येक भाषा के विकास के लिए अलग बजट, साहित्यकारों और लोक कलाकारों को प्रोत्साहन देने तथा विश्वविद्यालयों में पढ़ाई और शोध की बेहतर व्यवस्था करने की मांग की. उन्होंने लोकगीतों, लोककथाओं और पारंपरिक ज्ञान के दस्तावेजीकरण पर भी जोर दिया. उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं और प्रशासनिक गतिविधियों में झारखंडी भाषाओं को स्थान मिलना चाहिए. भाजपा भाषा बचाओ मोर्चा की मांगों का समर्थन करती है.

राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2027 के तहत जिला स्तरीय प्रतियोगिता का भव्य आयोजन, युवाओं ने सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतिभा का किया प्रदर्शन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया शुभारंभ, विजेता प्रतिभागियों को किया सम्मानित



साहिबगंज।राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2027 के अंतर्गत विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग के तहत जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन जिला खेल कार्यालय एवं जिला प्रशासन, साहिबगंज के संयुक्त तत्वावधान में सिद्धो-कान्हू सभागार में उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित करने के साथ दीप प्रज्ज्वलित कर किया।इस अवसर पर आयोजक जिला खेल पदाधिकारी-सह-जिला शिक्षा पदाधिकारी नयन कुमार ने उप विकास आयुक्त का पौधा भेंट कर स्वागत किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा ने प्रतिभागी युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति एवं विकसित भारत के निर्माण के महत्वपूर्ण आधार हैं। ऐसे आयोजन युवाओं को अपनी सांस्कृतिक, कलात्मक एवं रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने प्रतिभागियों से पूरी लगन एवं आत्मविश्वास के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने तथा जिला स्तर पर चयनित होकर राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपने परिवार, विद्यालय, जिले एवं राज्य का नाम रोशन करने का आह्वान किया।

युवाओं ने लोक संस्कृति, कला एवं रचनात्मकता से बिखेरी प्रतिभा की छटा

प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सामूहिक लोक नृत्य, सामूहिक लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला एवं कविता लेखन जैसी विधाओं में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को अपनी मौलिक सोच, सांस्कृतिक विरासत एवं सामाजिक सरोकारों को रचनात्मक अभिव्यक्ति देने का मंच मिला। साथ ही विकसित भारत के संकल्प में युवाओं की सक्रिय भागीदारी का संदेश भी दिया गया।प्रतियोगिता के विभिन्न विधाओं में निर्णायक मंडली द्वारा प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया। इसके उपरांत परिणाम घोषित किए गए। सभी विजेता प्रतिभागियों को मोमेंटो एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने एवं जिले में खेल सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सिद्धो-कान्हू स्टेडियम स्थित खेल छात्रावास में नवसृजित आवासीय बालक फुटबॉल क्रीड़ा प्रशिक्षण केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को खेल किट एवं फुटबॉल प्रदान कर प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया।इस राज्य स्तरीय आवासीय प्रशिक्षण केंद्र में चयनित 25 फुटबॉल खिलाड़ियों को निःशुल्क शिक्षा, आवासन, गुणवत्तापूर्ण भोजन, खेल किट, खेल सामग्री एवं प्रशिक्षित विशेषज्ञों के माध्यम से नियमित खेल प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। प्रशिक्षण केंद्र में चयनित खिलाड़ियों में चन्द्राय मुर्मू, लखींद्र सोरेन, प्रेम हेंब्रम, सूखेन सोरेन, हीरा लाल मुर्मू, निशांत मुर्मू, बाबूजी हांसदा, रोहित मुर्मू, होपना टुडू, नीरज मुर्मू, सिंगराई मरांडी, सूरज मड़ैया, मथियस हेंब्रम, मोहन मुर्मू, अमित मुर्मू, रोहित मुर्मू, लुखी राम मरांडी, धुनु मुर्मू, विमल बेसरा, हिमांशु टुडू, अंकित तिग्गा, खेला सोरेन, मसीह लाल मुर्मू, ओम प्रकाश बेसरा एवं फ्रांसिस हेंब्रम शामिल हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को उचित मंच, संसाधन एवं बेहतर प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है, ताकि इन खिलाड़ियों को तराशकर जिला, राज्य, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिल सके। यह केंद्र जिले में फुटबॉल खेल को नई दिशा देने के साथ उभरते खिलाड़ियों के सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे :

❖1. सामूहिक लोक नृत्य

– प्रथम स्थान झ सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, साहिबगंज

– प्रथम स्थान झ स्नेहा कुमारी (साहिबगंज महाविद्यालय)

– द्वितीय स्थान झ सुनीता हांसदा ग्रुप (कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, साहिबगंज)

❖2. सामूहिक लोकगीत

– प्रथम स्थान झ एमानुएल हेंब्रम (बीएड कॉलेज, साहिबगंज ग्रुप)

– द्वितीय स्थान झ स्वीटी ग्रुप, झारखंडी कला (साहिबगंज महाविद्यालय)

❖3. नुक्कड़ नाटक

❖4. चित्रकला

– प्रथम स्थान झ मनीष कुमार (साहिबगंज महाविद्यालय)

– द्वितीय स्थान झ स्नेहा राज (साहिबगंज महाविद्यालय)

❖5. कविता लेखन

– प्रथम स्थान झ अंजली कुमारी सोनी (साहिबगंज महाविद्यालय)

– द्वितीय स्थान झ खुशी लाल पंडित (साहिबगंज महाविद्यालय)

नाबालिग छात्रा के साथ छेड़खानी और दुष्कर्म किए जाने के मामले में एक युवक गिरफ्तार,भेजा जेल

झारखंड उजाला संवाददाता



उधवा/साहिबगंज।राधानगर थाना क्षेत्र के एक गांव में दसवीं कक्षा की नाबालिग छात्रा के साथ कथित रूप से छेड़खानी, दुष्कर्म और धमकी देने के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पीड़िता की लिखित शिकायत के आधार पर राधानगर थाना में कांड संख्या 381/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। थाना में दिए गए आवेदन में पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वे दसवीं कक्षा की छात्रा है। उसने गांव के ही एक युवक पर पिछले करीब दो वर्षों से पीछा कर परेशान करने और मोबाइल से तस्वीरें खींचने का आरोप लगाया है। छात्रा का कहना है कि आरोपी अपनी बात नहीं मानने पर उसकी तस्वीरें फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल करने की धमकी देता था। इसी भय का फायदा उठाकर आरोपी द्वारा उसे लगातार प्रताड़ित किया जाता था। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने घर के पीछे उसे पकड़कर उसकी इच्छा के विरुद्ध शारीरिक संबंध बनाया था। घटना की जानकारी किसी को देने पर जान से मारने तथा अश्लील फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित करने की धमकी भी दी जाती थी। इसी डर से वह काफी समय तक चुप रही। बाद में उसने हिम्मत जुटाकर अपने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी।वही 26 अक्टूबर की रात करीब एक बजे आरोपी कथित रूप से चाकू लेकर पीड़िता के घर में घुस आया और उसके साथ छेड़खानी करने लगा। विरोध करने अथवा शोर मचाने पर छात्रा और उसकी मां को जान से मारने की धमकी दी गई। उस समय घर में मां-बेटी के अलावा कोई अन्य पुरुष सदस्य मौजूद नहीं था। हालांकि, मां-बेटी के शोर मचाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए राधानगर थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

मतदाता सूची में नए मतदाताओं को जोड़ने पर दिया गया जोर, बीडीओ ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

राजमहल/साहिबगंज। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी मोहम्मद यूसुफ ने पश्चिम जामनगर पंचायत अंतर्गत मतदान केंद्र संख्या 238, 239, 240 एवं 241 का बुधवार को भ्रमण किया। इस दौरान BLO-BLA-2 की पांचवीं बैठक के तहत मतदाता सूची से संबंधित कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही चुनाव पाठशाला के माध्यम से कक्षा 10 के विद्यार्थियों को नए मतदाता के रूप में जोड़ने के लिए जागरूक किया गया। बीडीओ ने अधिक से अधिक योग्य युवाओं का नाम मतदाता सूची में शामिल कराने पर जोर दिया। उन्होंने ECINET ऐप डाउनलोड करने को लेकर भी व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया, ताकि अधिक से अधिक लोग इस ऐप का लाभ उठा सकें। मौके पर बीपीओ गगन बापू, सुपरवाइजर दिनेश कुमार, ELC नोडल मजहरुल हक सहित अन्य उपस्थित थे।

दीपावली एवं छठ महापर्व को लेकर राधानगर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आज

उधवा/साहिबगंज।दीपावली एवं छठ महापर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर राधानगर थाना परिसर में आज शांति समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक का समय शाम चार बजे निर्धारित किया गया है।इस संबंध में राधानगर थाना प्रभारी रोहित कुमार की ओर से आवश्यक सूचना जारी कर क्षेत्र के सभी सम्मानित जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों, गणमान्य व्यक्तियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, पूजा समितियों तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया कर्मियों को आमंत्रित किया गया है। बैठक में आगामी त्योहारों के दौरान क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने, आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ पर्व मनाने तथा आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा। थाना प्रभारी रोहित कुमार ने सभी आमंत्रित लोगों से निर्धारित समय पर थाना परिसर पहुंचकर बैठक में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।

साहिबगंज में 15 लाख के जेवरात चोरी मामले में पुलिस को सफलता, कटिहार से एक आरोपित गिरफ्तार

साहिबगंज।जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के मजहर टोला स्थित इकरा कॉलोनी में डीसीपीयू कार्यालय के अकाउंटेंट के घर से करीब 15 लाख रुपये के जेवरात चोरी मामले में पुलिस को अहम सफलता मिली है। थाना प्रभारी शशि सिंह के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने सोमवार को कटिहार से एक आरोपित को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के विश्लेषण के बाद छापेमारी कर यह कार्रवाई की। गौरतलब है कि 13 अगस्त को इकरा कॉलोनी स्थित अकाउंटेंट के घर से अज्ञात चोरों ने करीब 15 लाख रुपये के जेवरात चोरी कर लिये थे। घटना के बाद पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की थी। फुटेज में लाल टीशर्ट पहने एक व्यक्ति घर से निकलता दिखाई दिया था। इसके बाद पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच तेज कर दी थी।मामले का उद्भेदन करने के लिए थाना प्रभारी शशि सिंह के नेतृत्व में विशेष पुलिस टीम गठित की गयी थी। टीम ने लगातार तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण करते हुए छापेमारी की। सोमवार को कटिहार से एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया। इस कार्रवाई में पुलिस पदाधिकारी बमबम यादव और मृत्युंजय कुमार सहित पुलिस बल के जवान शामिल थे।

दीपावली, काली पूजा व छठ को लेकर शांति समिति की बैठक, डीजे पर रहेगा प्रतिबंध

झारखंड उजाला संवाददाता



साहिबगंज। आगामी दीपावली, काली पूजा एवं छठ पर्व को लेकर बुधवार को मुफ्फसिल थाना में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता सदर सीओ बासुकीनाथ टुडू ने की। इस दौरान सीओ ने कहा कि सभी लोग शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाएं तथा एक-दूसरे को सहयोग करें। शांति व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सीओ ने कहा कि पूर्व की तरह इस बार भी लोग आपसी भाईचारा बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। पर्व के दौरान सभी प्रमुख स्थानों पर दंडाधिकारी और सुरक्षा बलों की तैनाती की जाएगी। जगह-जगह सीसीटीवी और ड्रोन कैमरों से निगरानी रखी जाएगी। पूजा पंडालों में अग्निशमन व्यवस्था, पेयजल सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। सीओ ने स्पष्ट किया कि डीजे बजाने पर प्रतिबंध रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने पर लाउडस्पीकर एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी और डीजे जब्त किया जा सकता है। ध्वनि की तीव्रता 90 डेसिबल से अधिक नहीं होनी चाहिए। शराब पीकर उपद्रव करने वालों के खिलाफ भी प्रशासन सख्ती से कार्रवाई करेगा।मौके पर इंस्पेक्टर अमित गुप्ता, मुफ्फसिल थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडे, समाजसेवी सहित गणमान्य लोग एवं शांति समिति के सदस्य उपस्थित थे।

केचुआ पुल के पास ट्रक-बाइक की टक्कर, युवक की मौत की सूचना से मचा हड़कंप

बरहरवा बाजार से घर लौट रहा था 22 वर्षीय युवक, बेलडंगा गांव का निवासी बताया जा रहा मृतक, आधिकारिक पुष्टि का इंतजार

अभिजीत साह संवाददाता बरहरवा



बरहरवा/साहिबगंज। बरहरवा-फरक्का मुख्य पथ पर केचुआ पुल के समीप बुधवार को ट्रक और बाइक के बीच हुई भीषण टक्कर में एक युवक की मौत होने की सूचना है। मृतक की पहचान बरहरवा थाना क्षेत्र के बेलडंगा गांव निवासी जीवन रमणी (22) के रूप में बताई जा रही है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक पुलिस की ओर से मृतक की पहचान और दुर्घटना के सभी तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जीवन रमणी बुधवार को बरहरवा बाजार में खरीदारी करने आया था। बाजार से काम निपटाने के बाद वह बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान केचुआ पुल के समीप उसकी बाइक की एक ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत होने की सूचना मिली है। घटनास्थल पर जुटी लोगों की भीड़ दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलने पर बरहरवा थाना पुलिस के मौके पर पहुंचने और आवश्यक कार्रवाई शुरू करने की जानकारी मिली है।बताया जा रहा है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया भी की गई। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक जानकारी की प्रतीक्षा है। युवक की मौत की खबर से बेलडंगा गांव में शोक की लहर दौड़ने की सूचना है। यदि मृतक की पहचान की पुष्टि होती है, तो यह उसके परिवार के लिए अपूरणीय क्षति होगी। इस घटना ने एक बार फिर बरहरवा-फरक्का मुख्य पथ पर सड़क सुरक्षा और वाहनों की आवाजाही के दौरान सावधानी बरतने की जरूरत को रेखांकित किया है।

अपराध नियंत्रण और काली पूजा-छठ की विधि व्यवस्था को लेकर एसडीपीओ ने की क्राइम मीटिंग



राजमहल/साहिबगंज। राजमहल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विमलेश कुमार त्रिपाठी ने अपराध नियंत्रण, लंबित मामलों के निष्पादन तथा काली पूजा और छठ पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर बुधवार को एसडीपीओ कार्यालय कक्ष में क्राइम मीटिंग की। बैठक में अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न थानों के थाना प्रभारी एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे।बैठक के दौरान एसडीपीओ ने बारी-बारी से सभी थाना प्रभारियों से उनके क्षेत्र में घटित आपराधिक घटनाओं और लंबित कांडों की जानकारी ली। उन्होंने लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने तथा थानों में पहुंचने वाली शिकायतों पर गंभीरता से कार्रवाई करने का निर्देश दिया।उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों के गुंडा पंजी में शामिल अपराधियों की गतिविधियों पर विशेष नजर रखें और उनकी पूरी जानकारी तैयार रखें। साथ ही अपराधियों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करें।क्राइम मीटिंग में लंबित कांडों, शिकायतों, अनुसंधान, गैर जमानती वारंट तथा नोटिसों के तामिला की बारी-बारी से समीक्षा की गई। एसडीपीओ ने सभी पुलिस पदाधिकारियों को लंबित मामलों के निष्पादन में तेजी लाने और पर्व के दौरान विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया।उन्होंने काली पूजा और छठ पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया।बैठक में राजमहल पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन, राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी, तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय, राधानगर थाना प्रभारी रोहित कुमार, तीनपहाड़ थाना प्रभारी गौरव भगत सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

गंगा उत्सव 2026 के तहत सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (गर्ल्स), साहिबगंज में चित्रकला प्रतियोगिता एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

झारखंड उजाला संवाददाता



साहिबगंज।गंगा उत्सव 2026 के अवसर पर नमामि गंगे परियोजना के तत्वावधान में सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (गर्ल्स), साहिबगंज में चित्रकला एवं पेंटिंग प्रतियोगिता तथा पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मकता के माध्यम से गंगा संरक्षण,नदी की स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता का संदेश दिया।चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं ने गंगा नदी की स्वच्छता,जलीय जीवों के संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के महत्व तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण से जुड़े विभिन्न विषयों को अपनी कलाकृतियों में प्रदर्शित किया।इस अवसर पर जिला परियोजना पदाधिकारी,नमामि गंगे,अमित मिश्रा द्वारा गंगा नदी के पारिस्थितिक महत्व,नदी के स्वास्थ्य,स्वच्छता तथा संकटग्रस्त गंगा डॉल्फिन के संरक्षण पर विशेष जागरूकता प्रस्तुतीकरण दिया गया।उन्होंने बताया कि गंगा डॉल्फिन भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव है और गंगा नदी के पारिस्थितिक तंत्र में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।उन्होंने छात्राओं को जलीय जैव विविधता,नदी प्रदूषण के दुष्प्रभाव,प्लास्टिक कचरे के उचित निस्तारण तथा नदियों के प्राकृतिक आवास के संरक्षण के बारे में जानकारी दी।उन्होंने कहा कि गंगा की स्वच्छता और संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें प्रत्येक नागरिक, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।विद्यालय की प्रभारी प्रधानाचार्या सीमा कुमारी ने कहा,₹विद्यार्थियों में पर्यावरण एवं नदी संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करना समय की आवश्यकता है।ऐसे कार्यक्रम बच्चों को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझने और उन्हें दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं।₹कार्यक्रम की प्रभारी शिक्षिका मेहनाज तबस्सुम ने आयोजन का नेतृत्व किया।उन्होंने कहा,₹गंगा हमारी प्राकृतिक, सांस्कृतिक और पारिस्थितिक धरोहर है।इसके संरक्षण के लिए जागरूकता के साथ-साथ व्यवहार में बदलाव भी जरूरी है।विद्यार्थियों के माध्यम से स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाया जा सकता है।₹कार्यक्रम के समापन पर छात्राओं ने गंगा को स्वच्छ रखने,नदियों में कचरा नहीं डालने,प्लास्टिक के उपयोग को कम करने तथा नदी एवं जलीय जीवों के संरक्षण में सक्रिय योगदान देने की शपथ ली।

दीपावली एवं छठ महापर्व को लेकर राजमहल थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आज

राजमहल/साहिबगंज।दीपावली एवं छठ महापर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर राजमहल थाना परिसर में आज शांति समिति की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक का समय शाम 4:30 बजे निर्धारित किया गया है।इस संबंध में राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी की ओर से आवश्यक सूचना जारी कर क्षेत्र के सभी सम्मानित जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों, गणमान्य व्यक्तियों, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, पूजा समितियों तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया कर्मियों को आमंत्रित किया गया है। बैठक में आगामी त्योहारों के दौरान क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने, आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ पर्व मनाने तथा आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा। थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने सभी आमंत्रित लोगों से निर्धारित समय पर थाना परिसर पहुंचकर बैठक में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।

तालझारी में मनरेगा सामाजिक अंकेक्षण की जनसुनवाई, बाकुड़ी व बड़ी भग्यामारी में 13 मामलों का अनुपालन लंबित

साहिबगंज।जिले के तालझारी प्रखंड में वित्तीय वर्ष 2024-25 की मनरेगा योजनाओं के सामाजिक अंकेक्षण को लेकर बुधवार को प्रखंड स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की गयी। प्रखंड प्रमुख बेरोनिका मुर्मू और अतिरिक्त प्रभार बीडीओ नागेश्वर साव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस दौरान प्रखंड की 13 पंचायतों में सामाजिक अंकेक्षण के दौरान सामने आयी अनियमितताओं से जुड़े मामलों की सुनवाई की गयी। वित्तीय वर्ष 2024-25 के तहत सामाजिक अंकेक्षण दल के सदस्यों ने 16 से 21 जनवरी तक प्रखंड की 13 पंचायतों में योजनाओं का सामाजिक अंकेक्षण किया था। इसके बाद योजनाओं में पायी गयी अनियमितताओं को लेकर पंचायत स्तर पर जनसुनवाई आयोजित की गयी थी। बुधवार को प्रखंड स्तर पर इन मामलों की समीक्षा और सुनवाई की गयी। ग्राम पंचायत बाकुड़ी में छह और बड़ी भग्यामारी में सात मामलों का अनुपालन अप्राप्त पाया गया। इस पर प्रखंड ज्यूरी ने संबंधित रोजगार सेवक और पंचायत सचिव को दो सप्ताह का समय दिया। साथ ही सभी आवश्यक साक्ष्य प्रखंड कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया, ताकि उन्हें पोर्टल पर अपलोड किया जा सके। जनसुनवाई के दौरान बताया गया कि शेष सभी पंचायतों में मामलों का शत-प्रतिशत अनुपालन किया गया है। मौके पर बीआरपी शंकर दास, स्वयं सहायता समूह की सरोला टुडू, श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी, बीपीओ रजनीश परासर सहित रोजगार सेवक, जेई, पंचायत सचिव और मुखिया मौजूद थे।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा में शामिल हुए कमलेश कुमार सिंह, एसआईआर को लेकर विपक्ष के दुष्प्रचार पर उठाए सवाल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

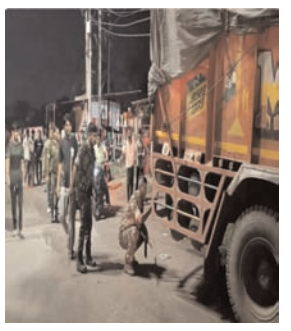
झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



हुसैनाबाद,पलामू:
भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशभर में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) के समर्थन तथा इसे लेकर कांग्रेस एवं इंडी गठबंधन द्वारा फैलाए जा रहे कथित भ्रम के विरोध में चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को मेदिनीनगर में आयोजित पदयात्रा में झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री एवं पूर्व विधायक कमलेश कुमार सिंह शामिल हुए। इस अवसर पर कमलेश कुमार सिंह ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटिरहित मतदाता सूची बेहद आवश्यक है। रक्फ़मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य पात्र मतदाताओं का नाम सूची में सुनिश्चित करना तथा अपात्र और दोहरी प्रविष्टियों की पहचान करना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता रक्फ़की प्रक्रिया को लेकर देशभर में सवाल खड़े कर रहे हैं और जनता के बीच भ्रम की स्थिति पैदा कर रहे हैं। किसी भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठाने से पहले तथ्यों को समझना और जनता के सामने सही जानकारी रखना जरूरी है। मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतंत्र को अधिक पारदर्शी और मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। श्री सिंह ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार का संरक्षण सर्वोपरि है। मतदाता सूची में पारदर्शिता और शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित प्रक्रिया में सभी राजनीतिक दलों और नागरिकों को रचनात्मक सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह अभियान जनता के बीच रक्फ़की वास्तविक प्रक्रिया और उसके उद्देश्य को लेकर जागरूकता पैदा करने तथा लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास मजबूत करने का प्रयास है। इस अवसर पर उन्होंने पदयात्रा में शामिल प्रदेश एवं जिला स्तर के वरिष्ठ नेताओं, पार्टी पदाधिकारियों, विभिन्न मंडलों से पहुंचे कार्यकताओं और बड़ी संख्या में उपस्थित समर्थकों के प्रति आभार व्यक्त किया। विशेष रूप से हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र से पदयात्रा में शामिल होने पहुंचे सभी समर्पित कार्यकर्ता बंधुओं का हृदय से धन्यवाद करते हुए कहा कि कार्यकताओं की एकजुटता, उत्साह और संगठन के प्रति समर्पण ही भाजपा की असली ताकत है। कमलेश कुमार सिंह ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती, मताधिकार की शुचिता और संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखने के लिए जनजागरण का यह प्रयास निरंतर जारी रहना चाहिए।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को कुचला, मौके पर मौत , आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



झरिया/धनबाद। 3 नवंबर की देर रात करीब 10:30 बजे झरिया-सिंदरी मुख्य मार्ग पर ऊपर कुल्ही के समीप तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से 28 वर्षीय बाइक सवार युवक जहांगीर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना सिकंदर पटाखा दुकान के समीप हुई। मृतक ऊपर कुल्ही के बालू बंकर निवासी मोहम्मद जाकिर का पुत्र था। जानकारी के अनुसार, धनसार की ओर से आ रहे ट्रक (संख्या एच आर 58 बी 7375) ने कतरास मोड़ की ओर जा रही बाइक (संख्या जे एच 10 डीसी 5595) को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर भागने लगा, लेकिन इंदिरा चौक के समीप ट्रक अनियंत्रित होकर रामजी पंडित की गुमटी में जा घुसा, जिससे गुमटी क्षतिग्रस्त हो गई। युवक की मौत से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने झरिया-सिंदरी मुख्य मार्ग जाम कर दिया। इस दौरान कई वाहनों में तोड़फोड़ और पुलिस के गश्ती वाहनों पर पथराव किया गया। स्थिति बिगड़ने पर सिंदरी एसडीपीओ प्रकाश चंद्र महतो के नेतृत्व में कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया। मृतक झरिया में डेंटिंग-पेंटिंग का काम करता था। उसके परिवार में पत्नी और तीन वर्षीय पुत्र है। घटना से परिवार में मातम पसरा है। स्थानीय लोग मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने और भारी वाहनों की तेज रफ्तार पर रोक लगाने की मांग कर रहे थे।

›››: संक्षिप्त खबर :‹‹‹

शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार के खिलाफ विधायक अरूप चटर्जी की भूख हड़ताल दूसरे दिन भी जारी

5 नवंबर को डीसी कार्यालय के मुख्य द्वार पर महाधरना और घेराव की घोषणा

धनबाद। शिक्षा विभाग में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के विरोध में निरसा विधायक कॉमरेड अरूप चटर्जी की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रही। गिरते स्वास्थ्य के बावजूद विधायक छात्रों और युवाओं के हित में आंदोलन पर डटे हुए हैं। आंदोलनकारियों का आरोप है कि दो दिनों से अनशन जारी रहने के बावजूद जिला प्रशासन की ओर से वार्ता या समाधान की पहल नहीं की गई है।प्रशासन की उदासीनता के विरोध में इंकलाबी नौजवान सभा की जिला कमेटी ने 5 नवंबर को सुबह 9:30 बजे धनबाद उपायुक्त कार्यालय के मुख्य द्वार पर महाधरना और घेराव करने की घोषणा की है। संगठन ने सभी प्रखंड, नगर एवं अंचल कमेटियों के कार्यकताओं से आंदोलन में शामिल होने की अपील की है। प्रत्येक क्षेत्र से कम से कम 100 कार्यकताओं को जुटाने का लक्ष्य रखा गया है।धरनास्थल पर नेताओं ने आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार के कारण गरीब छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग की अनियमितताओं पर कार्रवाई होने और समस्याओं का समाधान होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

अनुमंडल दंडाधिकारी ने किया 'होम टू रोल' का सत्यापन



धनबाद।भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से बुधवार को निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, 40-धनबाद विधानसभा क्षेत्र-सह-अनुमंडल दंडाधिकारी श्री लोकेश बारंगे द्वारा सघन 'होम टू रोल' सत्यापन अभियान चलाया गया। इस क्रम में मतदान केंद्र संख्या 118 के अंतर्गत अंबिका अपार्टमेंट में विभिन्न फ्लैटों एवं घरों में जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन किया गया। निरीक्षण के दौरान घर-घर जाकर यह सुनिश्चित किया गया कि 18 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में दर्ज है, मृत या स्थायी रूप से स्थानांतरित मतदाताओं के नाम नियमानुसार हटाए गए हैं तथा दोहरी प्रविष्टि की संभावना को समाप्त किया गया है। साथ ही मतदाताओं से आवश्यक दस्तावेजों की जांच करते हुए उनके विवरणों का मिलान किया गया। इस दौरान ईआरओ सह अनुमंडल दंडाधिकारी के साथ सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह अंचल अधिकारी, धनबाद, श्री रामप्रवेश कुमार, निर्वाचन प्रभारी श्री बिनोद कुमार सिंह, कंप्यूटर ऑपरेटर श्री सजल मंडल, बीएलओ पर्यवेक्षक श्री बिनोद कुमार तथा बीएलओ श्रीमती लक्ष्मी कुमारी, श्रीमती सुधा कुमारी एवं श्रीमती संचिता घोष मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

मोबाइल चोरी के बाद दो भाइयों के संयुक्त बैंक खाते से 1.92 लाख रुपये की साइबर ठगी



सिंदरी। रांगामाटी में बंद पड़े टीओपी के विपरीत दिशा स्थित एसबीआई सीएसपी के पीछे रहने वाले दो सगे भाइयों मनोज कुमार और सतीश कुमार के संयुक्त बैंक खाते से साइबर ठगों ने कुल 1 लाख 92,750 रुपये की निकासी कर ली। पीड़ितों का खाता केनरा बैंक की सिंदरी शाखा में है।पीड़ितों के अनुसार, 29 अक्टूबर को पटना जाने के दौरान गया रेलवे स्टेशन पर मध्यरात्रि करीब 2:30 बजे उनका मोबाइल चोरी हो गया था। इसकी सूचना उन्होंने पटना में जीआरपी को दी और पटना से अपने पुराने नंबर का नया जियो सिम प्राप्त किया। 31 अक्टूबर की सुबह गंगा-दामोदर एक्सप्रेस से सिंदरी लौटने के बाद दूसरे मोबाइल में सिम लगाकर फोन चालू किया। उन्हें पता चला कि उनके संयुक्त बैंक खाते से 1 नवंबर को एक लाख रुपये और 2 नवंबर को 92,750 रुपये का संदिग्ध लेनदेन हुआ है। पीड़ितों द्वारा बताया गया कि उन्होंने 2 नवंबर को साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई तथा धनबाद साइबर थाना और केनरा बैंक शाखा प्रबंधक को भी मामले की जानकारी दी और अपने खाता को होल्ड कराया। पीड़ितों के अनुसार उनका आधार कार्ड की कॉपी भी मोबाइल फ्लैप में रखी हुई थी।साइबर शाखा से उन्हें बताया गया कि दो लाख रुपये से अधिक की ठगी के मामलों में शाखा से कार्रवाई की जाती है, जबकि इससे कम राशि के मामलों में संबंधित स्थानीय थाने में आवेदन देना होगा। इसके बाद पीड़ितों ने जल्द बलियापुर थाने में लिखित आवेदन देने की बात कही है। अब पीड़ितों की शिकायत और पुलिस की जांच उपरांत आगे की कार्रवाई होगी।

बुजुर्ग ने किया विक्षिप्त नाबालिग से दुष्कर्म, गिरफ्तार

रांची। रांची के हिंदपीढ़ी में एक बुजुर्ग पर मानसिक रूप से विक्षिप्त नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने का आरोप है। घटना का खुलासा तब हुआ जब पीड़िता ने पेट दर्द की शिकायत अपने पैरेंट्स से की। परिजन उसे हॉस्पिटल ले जाकर जांच कराई गई, जिसमें वह आठ महीने की गर्भवती मिली। शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपित को पकड़ लिया।जानकारी के मुताबिक, यह घटना करीब 7-8 महीने पहले की है। पीड़िता के माता-पिता काम के सिलसिले में घर से बाहर गए हुए थे। इसी का फायदा उठाकर आरोपित ने घर में घुस आया और नाबालिग को डरा-धमकाकर उसके साथ संबंध बनाए और मौके से फरार हो गया।मामले का खुलासा तब हुआ जब कुछ दिनों पहले पीड़िता ने अपने परिजनों से पेट दर्द की शिकायत की। परिजन तुरंत उसे लेकर डॉक्टर के पास ले गए। जांच के बाद डॉक्टर ने बताया कि लड़की आठ महीने की गर्भवती है। परिजनों ने बिना देर किए महिला थाने में बेटी के बातों के आधार पर आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कराया।मामले की गंभीरता को देखते हुए हिंदपीढ़ी थाने की पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की और आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, इस मामले में परिजनों का कहना है कि केस दर्ज होने के बाद से मामले को दबाने के लिए उन्हें पैसों का लालच दिया जा रहा है और साथ ही परिवार को जान से मारने की धमकियां भी मिल रही हैं, जिससे पूरा परिवार दहशत में है।

बाबा दुबे मंदिर में बाबूलाल मरांडी ने की पूजा-अर्चना



देवघर। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी बुधवार को देवघर जिले के सारठ प्रखंड स्थित बामनगामा बाबा दुबे मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। उनके आगमन पर पूर्व मंत्री रणधीर सिंह और भाजपा कार्यकताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया।मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद राजनीतिक मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए बाबूलाल मरांडी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी वोट चोरी की बात करते हैं, लेकिन उन्हें इस बात की चिंता है कि देश में तीन करोड़ बांग्लादेशी घुसपैठियों के जो वोट कट रहे हैं, उन्हें बचाने के लिए इंडी गठबंधन के नेता एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं।मरांडी के इस बयान से सारठ दौरे के दौरान राजनीतिक माहौल गरमा गया। उनके साथ पूर्व मंत्री रणधीर सिंह सहित भाजपा के कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

निजी खर्च और युवाओं के श्रमदान से संवर रहा मंदेया नदी छठ घाट

संवाददाता अजीत कुमार सिंह



छत्तरपुर : लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर छतरपुर के प्रसिद्ध मंदेया नदी छठ घाट पर तैयारियां शुरू हो गई हैं। छठ व्रतियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए फ्रेंड्स क्लब के अध्यक्ष शशिरंजन सिंह उर्फ पप्पू सिंह अपने निजी खर्च से घाट पर एक अतिरिक्त सीढ़ी का निर्माण करा रहे हैं। मंदेया नदी घाट पर पहले से सीढ़ियां बनी हुई हैं, लेकिन नदी की सफाई के बाद नदी में उतरने की गहराई कुछ ज्यादा हो गई थी ऐसे में व्रतियों को नदी में उतरने और बाहर निकलने में परेशानी हो सकती है। विशेषकर बुजुर्ग महिलाओं और बच्चों की सुविधा को देखते हुए एक अतिरिक्त सीढ़ी बनवाई जा रही है, ताकि छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। निर्माण कार्य में फ्रेंड्स क्लब और स्टार क्लब के सदस्य उत्साह के साथ श्रमदान कर रहे हैं। दोनों क्लबों की ओर से पिछले कई वर्षों से मंदेया नदी छठ घाट पर आकर्षक सजावट और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं किया जाता हैं।पप्पू सिंह ने कहा कि छठ महापर्व आस्था और श्रद्धा का पर्व है। व्रतियों को घाट पर किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसी उद्देश्य से निजी खर्च पर सीढ़ी का निर्माण कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज की सेवा करना उनका परम् कर्तव्य है। मौके पर फ्रेंड्स क्लब के अध्यक्ष पप्पू सिंह, सचिव रजत सिंह, व्यवस्थापक सोनू गुप्ता, संचालक मंजीत गुप्ता के अलावा संदीप जायसवाल, अजय यादव, गुंजन, प्रवीण, टोन, रिशु, बुलबुल और अभिषेक जुटे हुए हैं। वहीं स्टार क्लब से रितेश चंद्रा, मोनू गुप्ता, प्रिंस गोस्वामी, अजित और डोमन प्रजापति भी श्रमदान में अपना अहम योगदान दे रहे हैं।

धनबाद स्टेशन पर टला बड़ा रेल हादसा, गलत ट्रैक पर चली गोमो-आसनसोल मेमू; लोको पायलट की सूझबूझ से बची जानें

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।



धनबाद। मंगलवार सुबह धनबाद रेलवे स्टेशन पर बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया। गोमो से आसनसोल जा रही मेमू ट्रेन (संख्या 63542) निर्धारित प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर आने के बजाय गलत ट्रैक पर चली गई। ट्रेन को सुबह करीब 7:54 बजे प्लेटफॉर्म-1 पर पहुंचना था, लेकिन आरआरआई में गलत पॉइंट सेटिंग के कारण यह प्लेटफॉर्म-1 और 2 के बीच स्थित लूप लाइन (डाउन मेन लाइन) पर बढ़ गई। स्थिति भांपते ही लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी। अचानक रुकने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और कई लोग पटरी पर उतर गए। बाद में ट्रेन को पीछे ले जाकर सही प्लेटफॉर्म पर लाया गया। ट्रेन करीब 38-40 मिनट की देरी से 8:32 बजे पहुंची और 8:41 बजे आसनसोल के लिए रवाना हुई। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। रेलवे सूत्रों के अनुसार, यह मानवीय चूक से हुई।

रामगढ़ जिले के 50 विद्यालयों में मनाया गया जल संरक्षण दिवस

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

5,000 से अधिक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने लिया जल संरक्षण का संकल्प

रामगढ़। नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत जल संरक्षण दिवस के अवसर पर मंगलवार को रामगढ़ जिले के लगभग 50 विद्यालयों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 5,000 से अधिक विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने जल संरक्षण की शपथ लेते हुए जल के महत्व, पर्यावरण संतुलन तथा जल संसाधनों के संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने दैनिक जीवन में जल की उपयोगिता एवं भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल संरक्षण की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को जल की बबार्दी रोकने, आवश्यकता के अनुसार जल का उपयोग करने, उपयोग के बाद नल बंद रखने, वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने तथा तालाबों एवं अन्य जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही, विद्यार्थियों को अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों के बीच जल संरक्षण का संदेश प्रसारित करने तथा जल संरक्षण को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में जल संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी एवं संवेदनशीलता विकसित करना तथा समाज में जल संरक्षण के महत्व को व्यापक स्तर पर प्रचारित-प्रसारित करना है।

कैथा क्रिकेट महासंग्राम में छत्तर की शानदार जीत, 98 रनों से दिग्वार को हराया; मोहित उर्फ डेंजर ने 36 गेंदों में जड़ा शतक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

खेल युवाओं में अनुशासन, भाईचारा और प्रतिभा को निखारने का सशक्त माध्यम है:– लालू प्रसाद



रामगढ़। सोहराय पर्व के शुभ अवसर पर रामगढ़ नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 26, कैथा स्कूल ग्राउंड में क्रिकेट महासंग्राम टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में छत्तर एवं दिग्वार की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। मैच में छत्तर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दिग्वार को 98 रनों से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। मैच में मुख्य अतिथि के रूप में खछडट पार्टी के जिला उपाध्यक्ष लालू प्रसाद एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला सचिव अनिल कुमार तथा जिला महासचिव सल्लू खान उपस्थित हुए। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। मुकाबले में छत्तर की ओर से मोहित उर्फ डेंजर ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए मात्र 36 गेंदों में 103 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। उनके बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि लालू प्रसाद ने कहा कि क्रिकेट टूर्नामेंट केवल खेल प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह युवाओं में खेल भावना, अनुशासन, आपसी भाईचारा और टीम भावना को बढ़ावा देने का एक बेहतर माध्यम है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के आयोजन से स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है। युवाओं को पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। खेल से शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है और युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने टूर्नामेंट के आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मौके पर मुख्य रूप से JLKM पार्टी के पूर्व प्रत्याशी पनेश्वर महतो महतो, केंद्रीय मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो, युवा मोर्चा के केंद्रीय सचिव सहदेव महतो, सुमन महतो, शिव कुड़मी, डब्लू महतो समेत सैकड़ों लोग उपस्थित थे ।

झरिया की सड़कों पर भारी वाहनों का कहर स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

27 सड़क हादसों के बाद भी नहीं जागा प्रशासन आंदोलन की चेतावनी



झरिया/धनबाद। झरिया कोयलांचल में कोयला ढुलाई करने वाले बेलगाम हाइवा और भारी वाहनों से लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर जनता मजदूर संघ ने गहरी चिंता जताई है। संघ के महामंत्री अभिषेक सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने आरोप लगाया कि झरिया-केन्दुआ मुख्य मार्ग, एनएच-218, फुसबंगला, डिगवाडीह और ऊपर कुल्ही सहित कई संवेदनशील स्थानों से वैज्ञानिक गति अवरोधक हटाए जाने के बाद दुर्घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने इसके लिए प्रशासनिक लापरवाही और राजनीतिक द्वेष को जिम्मेदार ठहराया। अभिषेक सिंह ने कहा कि पूर्व विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह के प्रयास से स्थानीय लोगों की मांग पर कई स्थानों पर गति अवरोधक बनवाए गए थे, जिससे भारी वाहनों की रफ्तार पर नियंत्रण रहता था। लेकिन बाद में इन्हें मशीनों से हटवा दिया गया। इसका खामियाजा आम नागरिकों, विद्यार्थियों और कामगारों को अपनी जान गंवाकर भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने वर्ष 2015 से नवंबर 2026 तक के 27 प्रमुख सड़क हादसों का हवाला देते हुए कहा कि कई परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है। मुआवजा देना समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। संघ ने झरिया-केन्दुआ मार्ग, एनएच-218, फुसबंगला, डिगवाडीह और ऊपर कुल्ही समेत सभी संवेदनशील स्थानों पर मानक के अनुरूप गति अवरोधक बनाने, भारी वाहनों के लिए नो-एंट्री नियम सख्ती से लागू करने तथा आबादी वाले क्षेत्रों में गति सीमा निर्धारित करने की मांग की है। साथ ही सड़क हादसों में जान गंवाने वाले सभी पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा और सुरक्षा की गारंटी देने की मांग की। अभिषेक सिंह ने चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो जनता मजदूर संघ आम जनता के साथ जोरदार जनांदोलन और चक्का जाम करेगा।

एसआईआर को लेकर चराई मुखिया ने ग्रामीणों को किया जागरूक



झारखंड उजाला

संवाददाता, अजीत कुमार सिंह

छतरपुर: छतरपुर प्रखंड क्षेत्र के चराई मुखिया रविंद्र राम ने पंचायत क्षेत्र के कई जगहों पर ग्रामीणों के साथ बैठकर एसआईआर के बारे में उन्हें जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि एआईआर बहुत ही महत्वपूर्ण चीज है। इसकी पात्रता के लिए जो भी आवश्यक दस्तावेज की मांग की जा रही है उसे संबंधित कार्यालय से बनवाकर जमा करें। रविंद्र राम ने अपने पंचायत क्षेत्र के कई गांव में ग्रामीणों को इकट्ठा कर फॉर्म लेकर सभी को इसके महत्व के बारे में समझाते हुए उन्हें एसआईआर की कॉलम पूरा करने के लिए बताया। इस दौरान उन्होंने प्रखंड क्षेत्र के सभी मुखिया एवं जनप्रतिनिधियों सहित अन्य समाजसेवियों एवं लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि वे अपने आसपास के लोगों को एसआईआर के बारे में अच्छी तरह समझाकर उन्हें इससे संबंधित दस्तावेज संबंधित कार्यालय में जमा करने के लिए प्रेरित करें ताकि समय रहते कोई भी योग्य मतदाता वंचित न रह जाए।



स्टार्टअप शुरू करने में थोड़ी इनवेस्टमेंट की जरूरत होती है जो कई लोगों के लिए मुश्किल काम होता है। ऐसे में अगर कोई ऐसा बिजनेस हो जिसे कम लागत में शुरू किया जा सके तो आप जरूर करना चाहेंगे। यहां हम आपको कुछ ऐसे बिजनेस आइडिया के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक लाख रुपए से कम लागत में भी शुरू किए जा सकते हैं।



कम लागत से शुरू कर सकते हैं ये बिजनेस होगी लाखों में इनकम

आजकल स्टार्टअप का जमाना है। हर कोई नौकरी की बजाए अपना खुद का कोई बिजनेस करना चाहता है। स्टार्टअप शुरू करने में थोड़ी इनवेस्टमेंट की जरूरत होती है जो कई लोगों के लिए मुश्किल काम होता है। ऐसे में अगर कोई ऐसा बिजनेस हो जिसे कम लागत में शुरू किया जा सके तो आप जरूर करना चाहेंगे। यहां हम आपको कुछ ऐसे बिजनेस आइडिया के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक लाख रुपए से कम लागत में भी शुरू किए जा सकते हैं। हम यहां जिन कामों के बारे में बताने जा रहे हैं उनमें से कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें महज 50,000 रुपए की लागत से शुरू किया जा सकता है। इनवेस्टमेंट के हिसाब से इन कामों को बढ़ाया भी जा सकता है।

इवेंट फोटोग्राफर

फोटोग्राफर बनने के लिए बस आपको एक कैमरे की जरूरत होती है जो कि 50 हजार से कम कीमत में कहीं से भी ले सकते हैं। इस काम के लिए आपके भीतर जुनून और किसी भी चीज की खूबसूरती देखने और उसे कैमरे में कैद करने का हुनर होना जरूरी है। लोगों के फैमिली फंक्शन, शादी, बर्थडे पार्टी, सोसाइटी के कार्यक्रमों आदि में फोटोग्राफर की डिमांड होती है। किसी भी इवेंट को यादगार बनाने के लिए फोटोग्राफी जरुरत बन गई है। ऐसे में आप फोटोग्राफी के जरिए अच्छा पैसा कमा सकते हैं।



पुरानी कारों की डीलरशिप

भारत में कारों का बिजनेस खूब बढ़ रहा है ऐसे में नई कारों की डीलरशिप के साथ-साथ सेकंड हैंड कारों का बाजार भी डिमांड में है। आप पुरानी कारों की डीलरशिप का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। डीलरशिप के अलावा इसमें आप कमिशन भी कुछ कमा सकते हैं। बशर्ते आप को क्लांइट को ढूंढ़ना होगा और उनको डील करानी होगी।

ड्राइविंग स्कूल

ड्राइविंग स्कूल शुरू करना एक बेहतरीन आयडिया है और देश में गाड़ियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ये बिजनेस कभी भी घाटे में नहीं रहने वाला। शहरों में तो आजकल एक भी ऐसा शख्स नहीं मिलेगा जो ड्राइविंग नहीं सीखना चाहता हो। इसके लिए आपको सिर्फ एक गाड़ी की जरुरत पड़ती है जो कि आप सेकेण्ड हैंड भी खरीद सकते हैं। एक अनुमान के मुताबिक कुछ ड्राइविंग स्कूल चलाने वाले लोग एक दिन में 8 से 10 हजार रुपए तक कम लेते हैं। इसके लिए आपके पास ड्राइविंग लाइसेंस और अनुभव होना जरूरी है या फिर आप किसी दूसरे आदमी से भी क्लासेज दिलवा सकते हैं।





आइस क्रीम पार्लर

आइस क्रीम पार्लर भी एक बढ़िया निवेश है। सर्दियों के मौसम को छोड़ दें तो ये हमेशा मांग में रहता है। इसके लिए आपको बस एक फ्रीजर खरीदना होता है या फिर आप आइसक्रीम कंपनियों की फ्रेंचाइजी भी ले सकते हैं। इनमें क्वालिटी वडीलाल जैसी बड़ी आइसक्रीम कंपनियां शामिल हैं और ये कंपनियां आइसक्रीम बिक्री का 10-20 फीसदी तक कमीशन के रुप में देती हैं।

मोबाइल गैरेज

शहरों के साथ ही ग्रामीण इलाकों में भी कारों की संख्या में तेजी से बढ़ातरी हो रही है। आम वाहनों की तरह कार में भी खराबी आना आम समस्या है। ऐसे में कार के मालिक को जरूरत होती कि कार जहां खड़ी है वहीं पर कोई मैकेनिक आकर कार रिपेयर कर जाए। ऐसे में यदि आप कार- ऑटो रिपेरिंग का थोड़ा बहुत अनुभव रखते हैं तो लोगों को मोबाइल गैरेज की सर्विस दे सकते हैं। इसके लिए आपको जरूरी है एक सेकंड हैंड बाइक और एक टूल बॉक्स जोकि दोनों में 50 हजार तक में आ जाएंगे। अपने साथ आप एक हेल्पर या मैकेनिक रखें तो बेहतर होगा। मोबाइल गैरेज के जरिए आप 2 से 5 हजार रुपए तक रोज कमा सकते हैं।





नौकरी चाहिए तो ऐसे बनाएं सोशल मीडिया प्रोफाइल

आजकल नौकरी पाने के लिए सिर्फ आपका ज्ञान और स्किल्स ही काफी नहीं है, सोशल मीडिया पर आपकी पोस्ट भी इसमें अहम भूमिका निभा सकती है। आपने अपने फेसबुक पर क्या लिखा या ट्विटर पर कैसे ट्वीट किए या आपकी लिंक्डइन प्रोफाइल आपके बारे में क्या कहती है। आप सोशल मीडिया पर कैसे लोगों के संपर्क में हैं, लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं, अब कंपनियां ये सब भी नौकरी देने से पहले देख रही हैं। आज सोशल मीडिया के जरिए किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व और उसके नजरिये के बारे में पता लगाना बहुत आसान हो गया है। यही वजह है कि मल्टीनेशनल और स्टार्टअप कंपनियां नौकरी पर रखने से पहले आवेदक के प्रोफाइल को परखती हैं। इससे उन्हें अंदाजा लग जाता है कि आवेदक उनकी कंपनी में फिट बैठता है या नहीं।

सोशल मीडिया पर सकारात्मक छवि होना जरूरी

इन सोशल मीडिया प्रोफाइल से कंपनियों को आवेदकों की रूचि, उसकी प्राथमिकताएं और विश्वसनीयता के बारे में पता चलता है, जिस आधार पर उनके लिए आवेदकों को शॉर्टलिस्ट करना आसान होता है। इसलिए अगर आप चाहते हैं कि आपको बेहतर नौकरी मिले, तो ज्ञान के साथ-साथ सोशल मीडिया पर आपकी सकारात्मक छवि भी होनी चाहिए। करीब 30 फीसदी कंपनियां आवेदकों की सोशल मीडिया प्रोफाइल पर यह देखती हैं कि अन्य लोग आवेदकों के बारे में क्या राय रखते हैं। सोशल मीडिया पर किए गए एक सर्वे में शामिल 60 फीसदी नियोक्ताओं ने उम्मीदवारों की ऑनलाइन मौजूदगी को परखने के बाद उन्हें खारिज कर दिया। इसका बड़ा कारण था उम्मीदवार के ऑनलाइन प्रोफाइल और रेज्यूमे में दी गई शैक्षिक योग्यता में अंतर। आवेदन के खारिज होने का बड़ा कारण था, पिछली कंपनी या अपने स्कूल-कॉलेज को बुरा बताने वाले पोस्ट डालना। इसके अलावा यह ध्यान रखें कि आप जिस कंपनी में काम करने जा रहे हैं, उसके बारे में कहीं भी बुरा न कह रहे हों।

सोच-समझकर सोशल मीडिया पर करें पोस्ट

वैसे तो सोशल मीडिया साइटों पर आम तौर पर लोग अपनी फोटो और अपने अनुभव शेयर करते है। लेकिन, सोशल मीडिया पर ऐसी फोटो कभी शेयर ना करें जिसके कारण आपकी नकारात्मक छवि प्रस्तुत हों। आप सोशल साइट पर आपकी हॉबी या पसंदीदा चीजों से जुड़ी फोटो शेयर कर सकते हैं। इसके अलावा इस बात पर भी ध्यान देते रहें कि कोई व्यक्ति किसी अश्लील तस्वीर या पोस्ट से आपको टैग तो नहीं कर रहा। इससे आपकी संगत और माहौल का अंदाजा लगाया जाएगा।

सोशल साइटों पर प्रोफेशनल दिखे

फेसबुक और लिंक्डइन पर आमतौर व्यक्ति की पहचान उसका फोटो देखकर ही की जाती हैं तो आप इसमें वही फोटो डाले जिसमें आप फार्मल लुक में हो। आपकी फुल शॉट तस्वीर से अच्छा है हेड शॉट वाली तस्वीर डालें, वो भी मुस्कराते हुए। आप प्रोफेशनली कैसे दिख रहे हैं, यह पता करने के लिए आप फोटोफीलर नाम की एक साइट पर अपनी फोटो अपलोड करें। इससे फोटो में आप आत्मविश्वासी और प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में नजर आ रहे हैं या नहीं, यह पता लग जाएगा।

इंटरनेट पर आप किस तरह से हो रहे प्रस्तुत नौकरी के लिए आवेदन देने की प्रक्रिया के दौरान या उससे पहले एक बार आप अपने नाम को गूगल पर सर्च करके देखे कि गूगल आपके नाम के बारें में क्या दिखाता है।

नियोक्ता की नजर से आपकी अपने बारे में क्या राय बन रही है और संबंधित नौकरी के लिए आप खुद को हायर करेंगे या नहीं, इन सवालों का जवाब ढूंढें। जवाब 'न' में हो तो कारणों की सूची बनाएं। हो सकता है आपके पोस्ट गलत विचारधारा को प्रकट कर रहे हों या आपके दोस्त आपकी वॉल पर अनुचित तस्वीरें या अनुचित कमेंट डाल रहे हों। इसके लिए अपनी सेटिंग बदलें और दोस्तों से कहें कि वे ऐसी पोस्ट न डालें। नियोक्ता को आपकी प्रोफाइल कैसी दिख रही है, इसके लिए अपने फेसबुक पेज के ऊ पर दाएं कोने पर जाएं और प्रिव्यू माई प्रोफाइल पर जाकर देखें। आप चाहें तो अपने मुताबिक सेटिंग को एडिट भी कर सकते हैं। वैसे तो अधिकतर नियोक्ता उम्मीदवार को परखने के लिए उनके लिंक्डइन प्रोफाइल पर जाते हैं, पर कई बार क्षेत्र के हिसाब से भी दूसरी साइट पर आपकी मौजूदगी को भी परखते हैं। जैसे, अगर कोई डिजाइनर है तो उसकी पिनट्रेस्ट या टम्बलर प्रोफाइल को परखा जाता है, अगर कोई व्यक्ति मॉडल है तो उसके इंस्टाग्राम को परखा जाता है, वहीं निजी पृष्ठभूमि को जानने के लिए कंपनी फेसबुक प्रोफाइल को देखना पसंद करती है।

ऐसा होना चाहिए लिंक्डइन प्रोफाइल

लिंक्डइन अपने करियर क्षेत्र और पेशे से जुड़े पेशेवर लोगों से नेटवर्क बनाने का अच्छा जरिया है। अपने करियर क्षेत्र से संबंधित ग्रुप जॉइन करें। लिंक्डइन के मानदंडों के हिसाब से चलें। यदि आप चाहते हैं कि नियोक्ता, बॉस, या सहकर्मी आपके निजी ब्लॉग या पोस्ट को न देख पाएं तो इसके लिए सेटिंग पर जा कर लिंक्डइन प्रोफाइल में 'फीड' के सिंक ऑप्शन को अनचेक कर दें। लिंक्डइन पर डाले गए रेज्यूमे को बहुत से लोग देखते हैं। इसलिए जो सच है, वही लिखें। हाल की फोटो डालें। फॉर्मल ड्रेस में हेड शॉट डालें। अपने लिंक्डइन यूआरएल को छोटा रखें, जिससे गूगल पर आपके लिंक्डइन प्रोफाइल को ढूंढना आसान हो। इसके लिए आप लॉगिन करें, अकाउंट और सेटिंग्स पर जाकर पब्लिक प्रोफाइल पर क्लिक करें और पेज पर यूआरएल एडिट करने का विकल्प चुने।

यदि आप फेसबुक प्रोफाइल को पेशेवर नेटवर्किंग के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं तो अपने प्रोफाइल में जरूरी बदलाव करने के लिए तैयार रहें। इसका मतलब है आपको कुछ कमेंट के साथ-साथ तस्वीरें हटानी होंगी, जो आपकी पेशेवर जिंदगी के लिहाज से ठीक न हों। अगर आपको पार्टी करना पसंद है और नहीं चाहते कि भावी बॉस आपकी पर्सनल प्रोफाइल देखें तो सारी प्राइवेसी सेटिंग में 'फ्रेंड्स ओनली' का ऑप्शन चुनें और कौन आपके प्रोफाइल को देखेगा, इसके प्रति सेलेक्टिव रहें। फेसबुक पर प्राइवेसी सेटिंग बदलें, ताकि यह तय हो सके कि आपके पेज को कौन देखेगा। इससे नियोक्ता भी आपसे एड हुए बिना आपकी प्रोफाइल को नहीं देख पाएंगे। इसके अलावा सेटिंग में बदलाव करें, ताकि लोग आपकी फेसबुक वॉल पर कोई अनुचित पोस्ट न डाल सकें। अगर आपने कहीं काम किया है और उस संस्था से जुड़े लोग आपकी फ्रेंडलिस्ट में हैं तो कस्टम सेटिंग का विकल्प चुन कर उन्हें अपनी निजी पोस्ट देखने से रोक सकते हैं।

ऐसा होना चाहिए ट्विटर अकाउंट

मार्केटिंग के क्षेत्र में उम्मीदवार के ट्विटर अकाउंट को देखने का चलन है। इससे पता चल जाता है कि उम्मीदवार का नेटवर्क कैसा है। ट्विटर प्रोफाइल को पब्लिक नहीं, प्रोफेशनल बनाएं। अपने करियर क्षेत्र से जुड़े ट्वीट डालें और फॉलो करें। अगर किसी कंपनी में सीनियर पोस्ट के लिए जा रहे हों तो 60 फीसदी ट्वीट आपकी इंडस्ट्री से जुड़े होने चाहिए।

लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं संस्थाओं पर हमले



भावना सिंह, पत्रकार।

हाल में विपक्ष की राजनीति के नए तेवर देखने को मिले हैं। उसके तेवरों की तपिश मुख्य रूप से चुनाव आयोग और उसके द्वारा कराई जा रही मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया को झेलनी पड़ रही है। बीते दिनों मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों अन्य आयुक्तों के बीच एक अंग्रेजी दैनिक में छपी खबर के बाद से चुनाव आयोग को लेकर विपक्ष और मुख्यतः कांग्रेस नए सिरे से आक्रामक हुई है। इसी सिलसिले में कांग्रेस ने 30 सितंबर को आइएनडीआइए की बैठक बुलाई और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध अभियान चलाने का एलान भी किया। काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी ने भी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर दो अक्टूबर को मुंबई में विरोध-प्रदर्शन का आह्वान किया। इस घटनाक्रम को देखते हुए यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि चुनाव आयोग और एसआइआर का मुद्दा क्या विपक्षी दलों के लिए संजीवनी साबित हो सकता है और उनमें एकता का भाव बढ़ाएगा?

जहां तक एसआइआर की बात है तो भले ही इसे लेकर कुछ विवाद उठ खडे हुए हों, लेकिन यह एक नितांत आवश्यक प्रक्रिया है। अगर चुनाव आयोग को यह मूलभूत दायित्व मिला हुआ है कि वह देश में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संपादित कराए तो इस संवैधानिक संस्था की यह भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है कि चुनाव प्रक्रिया में वैध मतदाता ही शामिल हों। वैध मतदाताओं के बिना स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए एसआइआर जैसी प्रक्रिया और महत्वपूर्ण हो जाती है।

भारत जैसे विशाल एवं विविधता से परिपूर्ण लोकतंत्र में मतदाता सूचियों में विसंगतियां सामान्य बात है। ऐसा इसलिए, क्योंकि कुछ मतदाताओं के निधन या स्थान परिवर्तन अथवा एक से अधिक स्थानों पर मतदाता के रूप में मौजूदगी से विसंगतियां बढ़ती हैं, जिन्हें समय-समय पर दूर किया जाना आवश्यक है। यह शुद्धीकरण भी कोई आसान कवायद नहीं। चूंकि यह प्रक्रिया इतने बड़े पैमाने पर हो रही है, इसलिए उसमें कुछ त्रुटियों का रह जाना भी बहुत स्वाभाविक है। चुनाव आयोग को यह भी



सुनिश्चित करना चाहिए कि इस प्रक्रिया में सामने आने वाली गड़बड़ियों को तत्परता के साथ सुधारा जाए, ताकि उस पर अंगुलियां न उठ सकें।

एसआइआर की प्रक्रिया में कतिपय कमियों का मुद्दा उठाकर ही विपक्ष इसे लेकर अपना नैरेटिव बनाने में जुटा है। एसआइआर की प्रक्रिया बिहार विधानसभा चुनाव के साथ शुरू हुई, लेकिन विपक्षी दल विशेषकर कांग्रेस महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणाम के बाद से ही वोट-चोरी को मुद्दा बनाने में जुटी है। उसके बाद से कई चुनाव भी हो चुके हैं, लेकिन लगता नहीं कि इस मुद्दे का कोई विशेष असर हुआ। अब तो राहुल गांधी 2024 के लोकसभा चुनाव को भी वोट चोरी के साथ जोड़ रहे हैं, लेकिन यह भी एक बड़ा सवाल है कि क्या उनका नैरेटिव जनता के बीच कोई असर छोड़ पाएगा। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि इससे एक संस्था के रूप में चुनाव आयोग कमजोर दिखेगा और मुख्य चुनाव आयुक्त के कद पर भी असर पड़ेगा।

इसमें संदेह नहीं कि पिछले लोकसभा चुनाव में मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को अपेक्षाकृत कहीं अधिक सफलता मिली। पार्टी तीन अंकों से ठीक पहले ठिठक गई, लेकिन लगातार दो लोकसभा चुनावों में हुए मानमर्दन के बाद यह जीत कुछ सम्मानजनक जरूर रही। सत्ता में आई भाजपा पहले की तरह उतनी ताकतवर नहीं रही। वैसे भी जब कोई सरकार लगातार तीसरे कार्यकाल में आ जाए तो उसके साथ कुछ मुश्किलें शुरू हो ही जाती हैं। मौजूदा घरेलू एवं वैश्विक चुनौतियों ने भी सरकार की राह कुछ कठिन कर दी है। खास तौर से आर्थिक मोर्चे पर आ रही मुश्किलें सरकार की कठिनाइयां और बढ़ा सकती हैं, क्योंकि जब लोगों को रोजगार की कमी से लेकर महंगाई की मार झेलनी पड़ेगी तो उसका असर सरकार की लोकप्रियता पर भी पड़ेगा। पेपर लीक जैसे मुद्दों ने भी उसकी मुश्किलें बढ़ाईं और इसके चलते सीजेपी के प्रदर्शन का परिणाम शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के रूप में सामने आया। इससे पहले मोदी सरकार में मंत्रियों के इस तरह इस्तीफे नहीं हुए। यह इसका संकेत है कि सरकार कहीं न कहीं कुछ रक्षात्मक अवश्य हुई है।

विपक्ष की ताकत कुछ बढ़ी है तो कुछ मोर्चों पर वह कमजोर भी हुआ है। एक समय विपक्षी दलों में बेहद मुखर मानी जाने वाली और विपक्षी नेतृत्व के लिए रह-रहकर दावा करने वाली तृणमूल कांग्रेस न केवल बंगाल की सत्ता से बाहर हो गई, बल्कि उसके कई सांसद भी उससे छिटक गए। पार्टी वजूद बचाने की चुनौती से दो-चार है। इसी तरह दक्षिण में कांग्रेस की लंबे समय से ढाल बनी रही द्रमुक भी पस्त पड़ गई है। परिसीमन के मुद्दे पर बेहद आक्रामक रहने वाली द्रमुक न केवल स्वयं को राजनीतिक रूप से हाशिए पर महसूस कर रही है, बल्कि कांग्रेस के साथ उसका तालमेल भी टूट चुका है। केरलम की सत्ता से बाहर होने के बाद अब वाम दल पूरी तरह सत्ताविहीन हो चुके हैं। यह सही है कि वाम दल कभी एक बड़ी राजनीतिक शक्ति नहीं रहे, लेकिन समय-समय पर आंदोलनों को गति देने और विमर्श को आकार देने में उनकी हमेशा एक अहम भूमिका रही, जो अब कमजोर होती दिख रही है। आम आदमी पार्टी को लेकर निश्चित तौर पर यह नहीं कहा जा सकता कि वह आइएनडीआइए का हिस्सा है भी या नहीं।

वैसे भी पंजाब चुनाव के साथ कांग्रेस के साथ उसकी तल्खियां बढ़नी तय हैं। राज्य स्तर के नेताओं के बीच टकराव से इसके संकेत मिलने भी शुरू हो गए हैं। कुल मिलाकर भारतीय राजनीतिक परिदृश्य इस समय एक नाजुक स्थिति में है। यह और नाजुक न बने, उससे बचने के लिए आवश्यक होगा कि चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं की आड़ में राजनीति न की जाए। आयोग का भी यह दायित्व है कि वह राजनीतिक दलों को इसके लिए कोई अवसर न दे। यदि उसके नाम पर राजनीतिक तल्खी इसी तरह जारी रही तो यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं होगा।

आज का राशिफल



स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा. आप बिना थके घर के काम आसानी से पूरे कर लेंगे। पाएँ बेहतर परिणामों के लिए खुद पर विश्वास. कार्यों के प्रति अपना व्यवहार मित्रवत रखें। इस राशि के जो लोग आज नौकरी करते हैं, वे ऐसे काम की ओर आकर्षित हो सकते हैं। जो बाद में फायदेमंद होगा। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। परिवार में आज सुख-शांति का माहौल रहेगा। शाम के समय जीवनसाथी के साथ पार्क में घूमने जा सकते हैं।

वृषभ राशि :- आज आपको मित्रों की ओर से कोई नई खुशखबरी मिलने वाली है. आप समय पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। आज आपके व्यक्तित्व और क्षमताओं का विकास हो सकता है। आप अपनी खुद की पहचान बनाने में सक्षम होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद आपके खर्चों में वृद्धि होगी।

मिथुन राशि :- आपका आज का दिन शुभ फलदायी है। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी और सभी कार्य आसानी से पूरे होंगे। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। कार्यक्षेत्र में शुभ समाचार मिलेंगे। कार्यों में सफलता से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। दिया धन वापस हो सकता है। लेन-देन से बचें। बड़े भाई एवं पिता की ओर से लाभ होगा। पारिवारिक आनंद से आप आनंदित रहेंगे। परिवार के साथ भी अच्छा समय व्यतीत होगा। स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहने सी आवश्यकता है।

कर्क राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार मध्यम चलेगा और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र पर कामकाज की अधिकता रहेगी, जिससे थकान का अनुभव करेंगे। सहकर्मियों को किसी बात की ठेस न पहुंचे, इसका ध्यान रखें। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा काम बिगड़ सकते हैं। धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा। मांगलिक आयोजन में शामिल हो सकते हैं। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

सिंह राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा। कारोबार विस्तार की योजनाएं बना सकते हैं, जो लाभकारी सिद्ध होंगी। कार्यभार की अधिकता रहेगी और पूरा दिन भागदौड़ में बीतेगा। शारीरिक तथा मानसिक रूप से अस्वस्थता का अनुभव कर सकते हैं। खान-पान में सतर्कता बरतें, स्वास्थ्य का ध्यान रखें। यात्रा पर जाने से बचें। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा और परिजनों-मित्रों का पूरा सहयोग मिलेगा।

कन्या राशि :- आज आपको किसी प्रकार की आर्थिक समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा. कार्यक्षेत्र में पहले से बनी हुई योजना को किसी के सामने न रखें अन्यथा दूसरा उसका फायदा उठा सकता है। संगीत और साहित्य में रुचि दिखा सकते हैं। अपनी छवि को लेकर सावधान रहें, क्योंकि कोई आप पर झूठे आरोप लगाने की कोशिश कर सकता है।

तुला राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में अनुकूल वातावरण रहेगा और कार्यों में सफलता मिलेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यभार की भी अधिकता रहेगा। परिजनों के साथ समय सुखपूर्वक बीतेगा। अनावश्यक खर्च अधिक होने की संभावना रहेगी। मन में नकारात्मक विचार आ सकते हैं, जिनसे बचना होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और नये कार्यों की शुरूआत करने से बचें। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी, लेकिन अपने प्रयासों से सभी कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। सृजनात्मक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। संतान-पक्ष से शुभ समाचार मिलेंगे। धार्मिक-परोपकार के कार्य कर सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा। आशातीत परिणाम मिलेंगे।

धनु राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, मेहनत से कार्यों में सफलता मिलेगी और आर्थिक लाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन भागदौड़ अधिक करनी पड़ेगी। कई बातों को लेकर चिंतित हो सकते हैं, जिससे शारीरिक तथा मानसिक रूप से अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। परिवार के सदस्यों के साथ अनबन हो सकती है। स्वास्थ्य को लेकर सावधानी बरतें।

मकर राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और आकस्मिक धनलाभ के योग रहेंगे। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिलेंगी और सभी कार्य सफल होंगे। नौकरी में पदोन्नति भी मिल सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। किसी धार्मिक यात्रा का आयोजन हो सकता है। नए कार्य शुरू कर सकते हैं। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढकर हिस्सा लेंगे और परिवार के साथ समय व्यतीत कर सकेंगे।

कुम्भ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, लेकिन अनावश्यक खर्च की भी अधिकता रहेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध की अधिकता रहेगी। वाणी पर संयम रखने से परिवार में सुख-शांति बना पाएंगे। विचारों पर नकारात्मकता हावी न होने दें। धार्मिक कार्यों में व्यय हो सकता है। विद्यार्थियों को अधिक मेहनत करनी होगी।

मीन राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में तरक्की के योग हैं। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों की मदद से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी और निर्धारित समय पर कार्य पूर्ण होंगे। आकस्मिक धनलाभ होने की संभावना रहेगी। शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। किसी यात्रा स्थल पर प्रवास की संभावना रहेगी। स्वजनों के मिलने से मन आनंदित रहेगा। परिवार के साथ समय बीतेगा और दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

गांधी जी का रामराज्य और भारत



गांधी जी भगवान राम को सभी धर्म और संप्रदाय से ऊपर मानते थे। आज भगवान राम को जिस प्रकार से केवल हिन्दू समाज से जोड़कर देखा जाता है, वह दृष्टि महात्मा गांधी की नहीं थी। भारत के बारे हमारे देश के महापुरुषों की स्पष्ट कल्पना थी। वे भारत की जड़ों से बहुत गहरे तक जुड़े हुए थे। लेकिन आज भारत का जो स्वरूप हमारी आंखों के सामने है, वह भारत के महापुरूषों की मान्यताओं के अनरूप नहीं कहा जा सकता। आज जो बुराई दिखाई देती है, वह अंग्रेजी मानसिकता को अपनाने वाले कुछ लोगों की देन है। जबकि गांधी जी स्वदेशी के पक्षधर थे। ऐसे में सवाल यह भी आता है कि इन लोगों को भारतीय जीवन मूल्यों के बारे में या तो पता नहीं था या फिर जानते हुए भी उसे पुनर्स्थापित नहीं करना चाहते थे।

भारत को स्वतंत्रता मिलने के पश्चात इस बात पर गहन चिंतन किया गया कि अब कैसा भारत बनाना चाहिए। महात्मा गांधी की इस बारे में स्पष्ट कल्पना थी। वे कहते थे कि मैं एक ऐसे भारत का निर्माण करना चाहता हूँ जिसमें शराब जैसी बुराई का नामोनिशान न हो, जहां समाज में भेदभाव न हो, गौहत्या पाप हो और रामराज्य स्थापित हो। गांधी जी की दृष्टि में भविष्य के भारत की बुनियाद में पुरातन और सांस्कृतिक मानबिन्दुओं का समावेश था। वे जानते थे कि इसके बिना भारत नहीं, क्योंकि भारत का आधार ही राम है।

भारत महात्मा गांधी के इन विचारों को हमारे राजनीतिक दल आत्मसात करने में संकोच कर रहे हैं। कहीं न कहीं इन बातों को एक सांप्रदायिक बताने का खेल भी चल रहा है, लेकिन ऐसा करने में वे भूल जाते हैं कि भारत में रामराज्य की संकल्पना स्वतंत्रता मिलने के बाद की नहीं है और न ही यह केवल महात्मा गांधी का ही विचार है, बल्कि महात्मा गांधी ने उसी बात को आगे बढ़ाने का प्रयास किया, जो भारत में सनातन काल से चल रहा है। भारत के मनीषियों ने जो सांस्कृतिक मूल्य स्थापित किए थे, गांधी जी ने उनका हृदय से अनुगमन किया और आत्मसात किया। इसीलिए वे भारत में इसके स्थापन का प्रयास करते दिखाई दिए।

महात्मा गांधी ने अप्रत्यक्ष रूप से अंग्रेजों की उस नीति का भी विरोध किया, जो समाज में विभाजन की रेखा खींचती थी। इसलिए वे समाज में भाईचारे के भाव का विस्तार चाहते थे। महात्मा गांधी जैसा चाहते थे, उन्हें वैसा दृश्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रमों में दिखाई दिया। इसलिए वे अपने जीवन के अंतिम दिनों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नजदीक आते जा रहे थे। उन्होंने संघ के वर्धा शिविर में भाग लिया। वहां उन्होंने भेदभाव रहित समाज का दर्शन किया, जो उस समय उनकी कल्पना में अपेक्षित था। गांधी जी जानते थे कि सामाजिक एकता इस देश के लिए कितनी आवश्यक है। वर्तमान में समाज की फूट के चलते अनेक विसंगतियों का जन्म हो रहा है। व्यभिचार बढ़ रहे हैं। जो गांधी जी के विचार के प्रतिकूल है।

गांधी जी भगवान राम को सभी धर्म और संप्रदाय से ऊपर मानते थे। आज भगवान राम को जिस प्रकार से केवल हिन्दू समाज से जोड़कर देखा जाता है, वह दृष्टि महात्मा गांधी की नहीं थी। श्रीराम जी का जीवन एक ऐसा आदर्श है जो सबके लिए उत्थानकारी है। गांधी जी ने राम को भारतीय दृष्टि से देखा। आज के समाज से भी यही अपेक्षा की जाती है कि वह राम जी को संकुचित दायरे से न देखकर भारतीयता की दृष्टि से देखें। ऐसा करेंगे तो उन्हें राम अपने दिखाई देंगे, भारत के दिखाई देंगे।

महात्मा गांधी का पूरा चिंतन भारत के विकास पर भी केंद्रित रहा। उन्होंने देश में स्वदेशी भावना को जगाने के लिए स्वयं के जीवन से कई उदाहरण दिए। आज बाजार में जिस प्रकार से विदेशी वस्तुओं का आक्रमण हुआ है, उसके कारण हमारे देश का पैसा विदेशी संस्थाओं को आर्थिक रूप से मजबूत कर रहा है। अपने देश का पैसा अपने देश में ही रहे, इसलिए गांधी जी ने स्वदेशी का विचार अपने जीवन में अपनाया और समाज को प्रेरित किया। आज इस भाव को इसलिए भी अपनाने की आवश्यकता है, क्योंकि आज भारत को आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता है, जो केवल स्वदेशी विचार से ही संभव है। इतना ही नहीं गांधी जी भारत में लघु एवं कुटीर उद्योगों की स्थापना को भी देश के विकास का मजबूत आधार मानते थे। हालांकि अब भारत का समाज स्वदेशी की ओर जाग्रत भाव के साथ अग्रसर हुआ है। महात्मा गांधी गौहत्या पर पूरी तरह से प्रतिबंध चाहते थे। हम जानते हैं गौ हमारे देश का अर्थशास्त्र है। गाय देश की आर्थिक उन्नति से जुड़ी है। देश में जब गौ आधारित खेती होती थी, तब देश धन धान्य से संपन्न था। धरती के सोना उगलने का समय भी यही था।

कितने बूस्टर

यह धारणा शायद बीते वर्ष में ही रह गई कि कोविड-19 से सुरक्षा में तीसरी खुराक (बूस्टर डोज) बहुत प्रभावी होगी। खासकर ओमीक्रोन के बाद तो कुछ देश चौथी खुराक भी देने लगे हैं। क्या पांचवीं, छठी व उसके बाद भी खुराक की जरूरत पडेगी? एक के बाद एक खुराक ली जाए, क्या यह व्यावहारिक है? क्या ये टीके बार-बार देने के लिए बनाए गए हैं? ज्यादातर वैज्ञानिक मानते हैं कि बार-बार टीके देने की यह रणनीति व्यावहारिक नहीं है। इंपीरियल कॉलेज, लंदन के प्रतिरक्षा विज्ञानी डैनी ऑल्टमैन का कहना है कि ह्यहम टीकाकरण के मोर्चे पर पूरी तरह से अनजान क्षेत्र में हैं। हम एक आपातकालीन उपाय के रूप में लगातार एमआरएनए बूस्टर के वास्तविक कार्यक्रम में झटके खा चुके हैं। यह वास्तव में आगे का रास्ता नहीं लगता है।ह्न इजरायल के क्लैलिट हेल्थ इंस्टीट्यूट के सार्वजनिक स्वास्थ्य चिकित्सक रैन बालिसर कहते हैं, जनवरी की शुरूआत में इजरायल ने वृद्धों, कमजोर लोगों और स्वास्थ्यकर्मियों को चौथी खुराक देने की शुरूआत कर दी है। इस हफ्ते आए इजरायल के प्रारंभिक आंकड़ों से पता चलता है कि चौथी खुराक संक्रमण और गंभीर बीमारी के जोखिम को कम करती है। हालांकि, आने वाले दिनों में जब और आंकड़े आएंगे, तब स्थिति ज्यादा स्पष्ट होगी। बूस्टर डोज को लेकर शोधकताओं में बहस तेज हो गई है। कोविड-19 का हमला और उसके नए-नए प्रकार का सामने आना, कुछ इतनी जल्दी में हो रहा है कि वैज्ञानिक साफ तौर पर कुछ बता नहीं पा रहे हैं। इलाज की राह में उन्हें जहां भी कुछ संभावना लग रही है, हाथ-पांव मार रहे हैं। संक्रमण को रोकना बड़ी चुनौती है और वायरस के नए-नए प्रकार लगातार तनाव बढ़ाए चले जा रहे हैं। एक बड़ा तनाव यह भी है कि दो खुराक ले चुके लोगों में भी संक्रमण क्यों देखा जा रहा है? क्या बूस्टर भी लंबे समय तक संक्रमण को रोकने में नाकाम हो रहे हैं? फिक्र इसलिए बढ़ जाती है, क्योंकि कोई भी वैज्ञानिक गारंटी देने की स्थिति में नहीं है। इजरायल में पिछले वर्ष जून व नवंबर के बीच जुटाए गए आंकड़े दशार्ते हैं कि बूस्टर डोज के एक तिहाई मामलों में प्रतिरक्षा कुछ ही महीने में कम हो जा रही है। यह दुखद है, जब कई देशों में लोगों को पहली खुराक भी नहीं लगी है, तब इजरायल, चिली, कंबोडिया, डेनमार्क व स्वीडन जैसे देश चौथी खुराक पर पहुंच रहे हैं। चार खुराक से भी एंटीबॉडी का स्तर बढ़ता है या नहीं, यह देखा जाना बाकी है। बोलिसर कहते हैं, ह्यअंतहीन बूस्टर खुराक देने के बजाय महामारी को धीमा करने का एक बेहतर तरीका नए टीकों को विकसित करना होगा। ऐसे टीके बनाने पड़ेंगे, जो लंबे समय तक सुरक्षा प्रदान कर सकें। ओमीक्रोन-विशिष्ट टीकों पर पहला डाटा आगामी महीने में आने की उम्मीद है। हालांकि, अभी भी एक व्यापक कारगर टीके के लिए हमें इंतजार करना पड़ सकता है। क्या हम ऐसी कोई एक वैक्सीन खोज पाएंगे? कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी सांताक्रूज में रोग पारिस्थितिकीविद् मॉर्म किलपैट्रिक कहते हैं, ह्यवायरल विकास से निपटने के दौरान हमेशा अनिश्चितता होती है।ह्न न्यूजीलैंड की ओटागो यूनिवर्सिटी के संक्रामक रोग विशेषज्ञ पीटर मैकइंटायर का तर्क है कि जब तक हमारे पास नए टीके नहीं हैं, दूसरे उपायों और एंटीवायरल दवाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। बचाव के उपायों में ढील की अभी गुंजाइश नहीं है।

सामान्य वर्ग की समस्याएं भी सुनी जाएं

गत दिनों केंद्र सरकार ने बताया कि वह उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने और भेदभाव को रोकने के लिए बनाए गए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों पर पुनर्विचार कर रही है, जिन्हें शीर्ष अदालत ने इस साल जनवरी में 'अस्पष्ट और दुरुपयोग' की आशंका वाला बताते हुए स्थगित कर दिया था। लिहाजा इस प्रक्रिया के पूरा होने तक न्यायालय इन याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित कर सकता है। तब आंदोलित छात्रों ने दावा किया था कि यूजीसी के नियम उनके लिए भेदभावपूर्ण एवं अनुचित हैं।

इसी बीच बिहार सरकार द्वारा गठित सवर्ण आयोग ने एक महत्वपूर्ण फैसले में हर जिले में एक नोडल अधिकारी की तैनाती का फैसला किया। इसका उद्देश्य सवर्ण समाज यानी सामान्य वर्ग की शिकायतों का त्वरित समाधान करना और उन्हें सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने से बचाना है। आयोग का मानना है कि इस वर्ग में 50 प्रतिशत से अधिक लोग आर्थिक रूप से कमजोर हैं। ऐसे लोगों को सरकारी योजनाओं और प्रशासनिक सहायता का लाभ समय-समय पर मिले, इसके लिए आयोग नई व्यवस्था लागू कर रहा है। सरकार के इस निर्णय को बांकीपुर विधानसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव के नतीजों के संदर्भ में देखा जा रहा है, पर ध्यान रहे कि अन्य राज्यों में भी सामान्य वर्ग विभिन्न कारणों से चिंतित है।

देश में प्रथम सवर्ण आयोग का गठन बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में 2011 में किया गया था, ताकि सामान्य यानी जनरल वर्ग के शैक्षणिक और आर्थिक आधार की जांच-पड़ताल की जा सके। 2013 में आयोग ने 11 जिलों के सर्वेक्षण के आधार पर सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपी, जिसमें कहा गया कि सालाना डेढ़ लाख रुपये कमाने वाले सवर्ण परिवार गरीब माने जाएं। गरीब सवर्णों को सभी कल्याणकारी योजनाओं के दायरे में रखा जाए। कक्षा एक से 10 तक के ऐसे छात्र, जिनकी पारिवारिक आय डेढ़ लाख रुपये या उससे कम होगी, ऐसी सामान्य जाति के छात्रों को भी छात्रवृत्ति मिले।

सवर्ण आयोग की सिफारिशों पर नीतीश सरकार ने अमल शुरू किया और सालाना डेढ़ लाख रुपये से कम आमदनी वाले सवर्ण जाति के परिवारों के जो बच्चे प्रथम श्रेणी में दसवीं की परीक्षा पास करेंगे, उन्हें 10,000 रुपये की प्रोत्साहन राशि बंटनी शुरू हो गई। पिछले 21 वर्षों के शासनकाल में सवर्णों का अधिकांश मत प्रतिशत एनडीए को मिलता रहा। बांकीपुर से एनडीए के उम्मीदवार के पराजित होने पर राजनीतिक दलों को सामान्य वर्ग की बेचैनी का अहसास हुआ है। इस पराजय का असर अन्य राज्यों तक पहुंच चुका है, जहां हाल में सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने गठबंधन का नया नामकरण कर सबको चौंका दिया। उत्तर प्रदेश में ह्यपीडीएह्न का काफी प्रचार-प्रसार हुआ है, जिसमें पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों को परिभाषित किया गया। पिछले दिनों समाजवादी नेता जनेश्वर मिश्र की जयंती पर अखिलेश यादव ने पी(पिछड़े) को ह्यपंडितह्न से संबोधित कर सारी परिभाषा बदल डाली। अब सपा, बसपा अपने प्रतिद्वंद्वी दलों से आगे बढ़कर सवर्णों को रिझाने में लगे हैं। देश में बिहार को सामाजिक परिवर्तनों की उर्वर भूमि के रूप में जाना जाता है। भारत रत्न से सम्मानित कपूर्री ठाकुर देश के पहले राजनेता थे, जिन्होंने सवर्णों के कमजोर वर्गों को आरक्षण की हिमायत की थी। 1971 में इन्हीं वर्गों के आरक्षण को लेकर मुंगेरीलाल आयोग का गठन किया गया। इसकी अनुशंसाएं कागजों तक ही सीमित रहीं। 1977 में जनता पार्टी के गठन के बाद कपूर्री जी बिहार के मुख्यमंत्री बने और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण लागू करते समय एक महत्वपूर्ण प्रयोग किया।



नीतीश कमार से मिलने क्यों पहुंचे सम्राट चौधरी, बताया किनके सहयोग से बिहार को बनाएंगे विकसित

एजेंसी

पटना। बिहार विधान परिषद चुनाव के बाद सीएम सम्राट चौधरी आज जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार से मिलने पहुंचे। एक दिन बाद जनता दल यूनाईटेड की बैठक है। ऐसे में यह मुलाकात सियासी गलियारे में काफी चर्चा में है। नीतीश कुमार से मुलाकात से पहले सीएम सम्राट चौधरी ने क्या कहा? वो भी जानिए दिल्ली में बिहार के विकास और औद्योगिक योजनाओं को लेकर हुई अहम बैठक के बाद मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बुधवार को पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलने उनके आवास पहुंचे। इस दौरान उप मुख्यमंत्री विजय चौधरी भी मौजूद रहे। सम्राट चौधरी की नीतीश कुमार से मुलाकात को लेकर बिहार की सियासत में चचाएं तेज हो गईं। मुख्यमंत्री ने इस



मुलाकात से पहले और बाद में राज्य के विकास, औद्योगिक निवेश और बाढ़ नियंत्रण को लेकर केंद्र सरकार के सहयोग से चल रही योजनाओं की जानकारी दी। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में औद्योगिक विकास और बाढ़ नियंत्रण के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम हो रहा है। प्रधानमंत्री के स्तर पर राज्य में गाद (सिल्ट) नीति को लेकर निर्णय लिया गया है। इस संबंध में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के साथ समझौता भी हुआ है। इसके तहत गंगा सहित विभिन्न नदियों से करीब चार लाख क्यूबिक मीटर गाद निकालने की योजना है। इससे बाढ़ नियंत्रण और मिट्टी के कटाव को रोकने में मदद मिलेगी। साथ ही नदियों से निकाली गई गाद का उपयोग भी किया जाएगा। नीतीश कुमार की तारीफ, बोले- उनके सहयोग से बनेगा विकसित बिहार मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने बिहार में सुशासन स्थापित किया और राज्य को संगठित अपराध से मुक्त कराया। अब प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और नीतीश कुमार के सहयोग से बिहार को विकसित राज्य बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में विकास और औद्योगिक गतिविधियों को गति देने के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर योजनाएं बनाई जा रही हैं। पांच जगहों पर औद्योगिक गलियारा बनाने का प्रस्ताव सम्राट चौधरी ने बताया कि गया में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (आईएमसी) विकसित किया जा रहा है। इसके अलावा मुजफ्फरपुर और दरभंगा समेत पांच स्थानों पर औद्योगिक गलियारा विकसित करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को दिया गया है। राज्य में उद्योगों की स्थापना के लिए करीब 13 हजार एकड़ जमीन उपलब्ध कराई गई है। इनमें से एक हजार से अधिक उद्योगों को जमीन आवंटित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पटना में कंट्रोल-एस नाम से डाटा सेंटर बनकर तैयार हो गया है। इससे राज्य में डिजिटल और तकनीकी क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। औद्योगिक गलियारों के लिए पर्यावरण मंजूरी की मांग मुख्यमंत्री ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात कर औद्योगिक गलियारों के लिए जल्द पर्यावरण मंजूरी देने का आग्रह किया है। इसके साथ ही सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए अनुमति देने की मांग भी की है। सरकार का जोर राज्य में उद्योगों के साथ पर्यटन क्षेत्र में भी निवेश बढ़ाने पर है।

छठ-दिवाली पर बिहार के लिए चलेंगी ज्यादा स्पेशल ट्रेनें सीएम सम्राट चौधरी ने बताया कि छठ और दीपावली के दौरान दूसरे राज्यों से बड़ी संख्या में लोग बिहार लौटते हैं। यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेल मंत्री से मुलाकात कर पिछले साल की तुलना में अधिक विशेष ट्रेनें चलाने का अनुरोध किया गया है। सरकार का प्रयास है कि त्योहारों के दौरान बिहार आने वाले यात्रियों को आवागमन में परेशानी न हो।

धनतेरस से पहले बिहार में सोने-चांदी का नया रेट जारी, 10 ग्राम गोल्ड की कीमत जानकर चौंक जाएंगे, चांदी भी हुई महंगी

एजेंसी

पटना। धनतेरस और दिवाली से पहले बिहार के सराफा बाजार में रौनक बढ़ने लगी है. पटना में सोने-चांदी का नया भाव जारी हो गया है. 24 कैरेट सोना 13,870 रुपये प्रति ग्राम बिक रहा है. वहीं, चांदी की कीमत 1.82 लाख रुपये प्रति किलो पहुंच गई है. जानिए 22 और 18 कैरेट सोने का ताजा भाव. धनतेरस और दिवाली का त्योहार नजदीक है. ऐसे में सराफा बाजार में भी रौनक बढ़ने लगी है. सोने-चांदी की खरीदारी के लिए लोग अभी से तैयारी कर रहे हैं. कोई गहनों की बुकिंग करा रहा है तो कोई बाजार में भाव का इंतजार कर रहा है. ग्राहकों को लुभाने के लिए ज्वेलर्स ने भी खास ऑफर और एडवांस बुकिंग शुरू कर दी है. इस बीच पटना में सोने और चांदी की ताजा कीमतें सामने आ गई हैं. आइए जानते हैं कि 3 नवंबर 2026 को पटना के सराफा बाजार में सोना और चांदी किस भाव पर बिके. पटना में 24 कैरेट सोने का भाव 13,870 रुपये प्रति ग्राम पटलीपुत्र सराफा संघ की ओर से जारी रेट कार्ड के अनुसार, 3 नवंबर 2026 को 24 कैरेट सोने की कीमत 13,870 रुपये प्रति ग्राम रही. यानी 10 ग्राम सोना खरीदने के लिए ग्राहकों को 1,38,700 रुपये खर्च करने होंगे. वहीं, गहने बनवाने के लिए इस्तेमाल होने वाले 22 कैरेट सोने की कीमत 12,705 रुपये प्रति ग्राम दर्ज की गई. 18 कैरेट सोने का भाव 10,105 रुपये प्रति ग्राम रहा. इसके अलावा 14 कैरेट सोने की कीमत 8,190 रुपये प्रति ग्राम बताई गई है. कितने कैरेट सोने का क्या है भाव? सोने की शुद्धता के हिसाब से उसकी कीमत भी अलग-अलग होती है. 24 कैरेट सोना सबसे शुद्ध माना जाता है. वहीं, गहने बनाने में आमतौर पर 22 और 18 कैरेट सोने का इस्तेमाल होता है. पटना में चांदी का भाव 1.82 लाख रुपये प्रति किलो सोने के साथ चांदी की कीमतों पर भी ग्राहकों की नजर है. पटलीपुत्र सराफा संघ के रेट कार्ड के अनुसार, 999 शुद्धता वाली चांदी का भाव 1,82,000 रुपये प्रति किलो रहा. यानी एक ग्राम चांदी की कीमत 182 रुपये है. वहीं, 990 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 1,80,000 रुपये प्रति किलो दर्ज की गई. 925 शुद्धता वाले चांदी के आभूषणों का भाव 179 रुपये प्रति ग्राम रहा.

राजगीर महोत्सव 26 से 28 नवंबर तक, 7 दिन चलेगा ग्राम श्री मेला; मल्टीमीडिया स्क्रीन पर दिखेंगे कार्यक्रम

एजेंसी

पटना। नालंदा के राजगीर में 26 से 28 नवंबर तक राजगीर महोत्सव 2026 का आयोजन होगा। दर्शकों की सुविधा के लिए आयोजन स्थल पर मल्टीमीडिया स्क्रीन लगाई जाएंगी। महोत्सव में टांगा रेस, घुड़सवारी दौड़ और महिला एवं पुरुष वर्ग की दंगल प्रतियोगिता आकर्षण रहेंगी। नालंदा के राजगीर में प्रतिष्ठित राजगीर महोत्सव 2026 की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस बार महोत्सव का आयोजन 26 से 28 नवंबर तक किया जाएगा। आयोजन को भव्य, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिलाधिकारी उदिता सिंह और पुलिस अधीक्षक हृदयकांत ने संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ टांगा रेस, घुड़सवारी दौड़ और महिला एवं



पुरुष वर्ग की दंगल प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रहेंगी। वहीं, मुख्य महोत्सव तीन दिनों का होगा, जबकि पारंपरिक ग्राम श्री मेला सात दिनों तक चलेगा। जिलाधिकारी ने मुख्य मंच के निर्माण को लेकर विशेष निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मंच की व्यवस्था इस तरह की जाए कि आगे और पीछे बैठे सभी दर्शक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का स्पष्ट रूप से आनंद ले सकें। इसके लिए आयोजन परिसर के इसके अलावा दर्शकों के बैठने की समुचित व्यवस्था, प्रवेश और निकास द्वारों की स्पष्ट मार्किंग तथा पर्याप्त रोशनी सुनिश्चित करने को कहा गया है। वाहनों पर चढ़कर कार्यक्रम देखने की प्रवृत्ति पर रोक लगाने और दर्शकों के लिए निर्धारित बैठक व्यवस्था को दुरुस्त रखने के भी निर्देश दिए गए हैं। महोत्सव के दौरान सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर जिला प्रशासन विशेष सतर्कता बरत रहा है। डीएम और एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है। राजगीर के एसडीओ और एसडीपीओ को आयोजन स्थल का निरीक्षण कर सुगम आवागमन के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया है। पूरे आयोजन परिसर की 24 घंटे निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों से लैस आधुनिक कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। इसके साथ ही पब्लिक एड्रेस सिस्टम और वेटिंग जोन की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि भीड़ को नियंत्रित करने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई करने में आसानी हो। राजगीर महोत्सव में इस बार पारंपरिक खेल प्रतियोगिताओं को भी खास जगह दी जाएगी। टांगा एवं टोटो संघ के अध्यक्ष पप्पू कुमार ने टांगा रेस की पुरस्कार राशि बढ़ाने, सांत्वना पुरस्कारों की संख्या 35 से बढ़ाकर 50 करने और महोत्सव में घुड़सवारी दौड़ शामिल करने का सुझाव दिया है।

बिहार में अगले चार दिन सुबह छाएगा कोहरा, दिन में साफ रहेगा आसमान पटना में कैसा रहेगा मौसम

एजेंसी

पटना। बिहार में मौसम का मिजाज फिलहाल शुष्क बना हुआ है। सुबह के समय कुछ जिलों में हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा छाने की संभावना है। जानिए अगले चार दिनों तक कहां का मौसम कैसा रहेगा? बिहार में नवंबर की शुरूआत के साथ सुबह और शाम के मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र, पटना की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में मौसम शुष्क बना रहा। गया जिले में सुबह के समय हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा छाया रहा। इस दौरान राज्य में कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई। मौसम विभाग के अनुसार, पिछले दिनों राज्य में अधिकतम तापमान 26.2 से 33.9 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। दो नवंबर को औरंगाबाद में सबसे अधिक 33.9 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। पिछले 24 घंटों में राज्य के अधिकतर स्थानों पर अधिकतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं हुआ। पटना में आठ नवंबर तक कैसा रहेगा मौसम? राजधानी पटना के लिए जारी पांच दिवसीय पूवार्नुमान के अनुसार, चार और पांच नवंबर को अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

वहीं, छह से आठ नवंबर तक अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। छह, सात और आठ नवंबर की सुबह धुंध या कोहरा छा सकता है। दिन में आसमान मुख्य रूप से साफ रहने का अनुमान है। राज्य का न्यूनतक तापमान कितना रहा? मौसम विभाग के अनुसार, तीन नवंबर को किशनगंज के अर्राबरी और अरवल में सबसे कम 18.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। राज्य में न्यूनतम तापमान 18.6 से 25.3 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। इस दौरान अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान में भी कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ। अगले चार दिनों तक तापमान में बड़े बदलाव के

आसार नहीं मौसम विज्ञान केंद्र के पूवार्नुमान के अनुसार, अगले चार से पांच दिनों के दौरान बिहार के अधिकतर स्थानों पर अधिकतम तापमान में कोई विशेष बदलाव होने की संभावना नहीं है। वहीं, अगले 3-4 दिनों तक न्यूनतम तापमान भी लगभग स्थिर रह सकता है। हालांकि, सुबह के समय राज्य के कुछ स्थानों पर हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा छाने की संभावना जताई गई है।

मिट्टी खोदते समय भरभराकर धंस गया टीला, तीन मासूम बच्चियों की मौत से गांव में मातम

एजेंसी

पूर्णिया किशनगंज के दिघलबैंक प्रखंड में मिट्टी खोदने के दौरान टीला धंसने से तीन मासूम चचेरी बहनों की दबकर मौत हो गई। तीनों बच्चियां घर की लिपाई-पोताई के लिए मिट्टी लेने गई थीं। हादसे के बाद एक ही परिवार में मातम पसरा है। किशनगंज जिले के दिघलबैंक प्रखंड से बुधवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने



आई है। हरुवाडांगा पंचायत स्थित सुल्तानगंज वार्ड संख्या-10 में मिट्टी खोदने गईं तीन मासूम चचेरी बहनों की टीला धंसने से दबकर दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया है। मिली जानकारी के अनुसार, दोपहर के समय तीनों बच्चियां घर के पास ही मिट्टी खोदने गई थीं। घर की लिपाई-पोताई के लिए मिट्टी लाने के दौरान अचानक ऊपर का बड़ा टीला भरभराकर धंस गया। तीनों बच्चियां मिट्टी के ढेर के नीचे दब गईं। आसपास खेत में काम कर रहे लोगों ने शोर सुना तो वे दौड़े। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद तीनों को मिट्टी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृतक बच्चियों की पहचान जमदेश आलम की दो बेटियों नगमा प्रवीण (10 वर्ष) और निशा प्रवीण (9 वर्ष) तथा उनके सगे भाई फरियाद आलम की बेटी रूबी खातून (8 वर्ष) के रूप में हुई है। एक ही परिवार की तीन बच्चियों की एक साथ मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर में चीख-पुकार मची हुई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मामले की सूचना दिघलबैंक थाने की पुलिस को दे दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुंची। घटना को लेकर गांव में शोक की लहर है। मृतक बच्चियों के घर पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जुट गई है।

लोक आस्था के महापर्व छठ की पौराणिक कथाएं, परंपरा, और चार दिनों के उत्सव का पूरा शेड्यूल

एजेंसी

दरभंगा। इसे लोक आस्था का महापर्व कहा जाता है। इसके पीछे तर्क है। छठ कौन मनाएगा और क्यों, सभी के पीछे निजी तर्क होता है। इस आस्था और इससे जुड़ी कहानियां भी इस समय जाननी चाहिए। छठ ऐसा पर्व है, जिसे मनाने के लिए लोग न तो कोई तर्क खोजते हैं और न ही किसी से वजह पूछते हैं। यह पूरी तरह आस्था, विश्वास और आत्मा से जुड़ा त्योहार है। किसी की संतान की कामना पूरी होती है तो कोई बच्चे के जन्म के बाद छठ करने का संकल्प लेता है। किसी को नौकरी और परिवार की खुशहाली की उम्मीद होती है। बस इसी



विश्वास के साथ लोग छठी मैया के दरबार में पहुंच जाते हैं। छठ क्यों मनाया जाता है और इसकी शुरूआत कहां से हुई, इसका कोई एक प्रामाणिक जवाब नहीं मिलता, लेकिन इससे जुड़ी कई पौराणिक कथाएं और मान्यताएं जरूर हैं। इन कहानियों में राम-सीता, कर्ण, द्रौपदी और राजा प्रियव्रत का जिक्र मिलता है। खास बात यह है कि बिहार में इस पर्व की सबसे गहरी जड़ें हैं, जहां सूर्यदेव, छठी मैया और प्रकृति की उपासना के रूप में इसे पीढ़ियों से मनाया जाता रहा है। छठ आते ही घरों में साफ-सफाई, पूजा की तैयारी और घाटों को सजाने की हलचल शुरू हो जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि आखिर छठ पूजा की शुरूआत कैसे हुई और इस पर्व में सूर्यदेव के साथ छठी मैया की पूजा क्यों होती है? इसके पीछे कई ऐसी पौराणिक कथाएं हैं, जिन्हें पीढ़ियों से सुनाया जाता रहा है। भगवान राम और माता सीता से लेकर महाभारत के कर्ण और द्रौपदी तक की कहानियां छठ की आस्था से जुड़ी हैं। कोई इसे संतान की खुशहाली से जोड़ता है तो कोई सुख, समृद्धि और आरोग्य की कामना से। यही वजह है कि छठ सिर्फ एक पूजा नहीं, बल्कि बिहार की संस्कृति और परंपरा का सबसे बड़ा पर्व माना जाता है। इस बार 13 से 16 नवंबर तक चार दिनों तक छठ का उत्सव मनाया जाएगा। राम-सीता ने भी की थी सूर्यदेव की उपासना प्रसिद्ध सूर्य मंदिर के आचार्य मनोज कुमार मिश्रा बताते हैं कि छठ को लेकर प्रचलित एक लोकमान्यता भगवान राम और माता सीता से जुड़ी है। कहा जाता है कि 14 साल का वनवास पूरा कर अयोध्या लौटने के बाद कार्तिक शुक्ल षष्ठी को भगवान राम और माता सीता ने सूर्यदेव की पूजा की थी। माता सीता ने परिवार के कल्याण और सुख-समृद्धि के लिए उपासना की थी। धार्मिक लोककथाओं में इसे छठ परंपरा से जोड़कर देखा जाता है। कर्ण की सूर्य भक्ति से भी जुड़ा है छठ महाभारत के दानवीर कर्ण को सूर्यदेव का पुत्र माना जाता है। मान्यता है कि कर्ण रोज सुबह जल में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्घ्य देते थे। उनकी सूर्य भक्ति के साथ दानशीलता की भी खूब चर्चा होती है। कहा जाता है कि छठ में सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा का संबंध कर्ण की इसी उपासना से भी है। कर्ण अंगराज थे। अंग क्षेत्र ही अब भागलपुर कहा जाता है। यहां की भाषा अंगिका है। द्रौपदी ने संकट दूर करने के लिए की थी पूजा छठ से जुड़ी एक और कथा महाभारत काल की है। लोकमान्यता के अनुसार, वनवास के दौरान पांडवों पर कई तरह के संकट आए थे।

संक्षिप्त डायरी

गन्ना नर्सरी और गुड़ संयंत्र का होगा शुभारंभ, सीएम सम्राट देंगे अधिवक्ताओं को खास तोहफा

एजेंसी

पटना। पटना में राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक गतिविधियों की हलचल रहेगी। गन्ना उद्योग विभाग नौबतपुर में गन्ना नर्सरी, यंत्रिकरण बैंक और गुड़ संयंत्र की शुरूआत करेगा। वहीं, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना हाईकोर्ट परिसर में नव-नामांकित अधिवक्ताओं के लिए स्टाइपेंड योजना का शुभारंभ करेंगे। इसके अलावा एमएलसी चुनाव और निर्दलीय एमएलसी की सदस्यता का मुद्दा भी उठेगा। जानिए आज पटना में कहां-कहां होंगे प्रमुख कार्यक्रम... पटना में आज का दिन राजनीतिक, सामाजिक और प्रशासनिक गतिविधियों के लिहाज से अहम रहने वाला है। गन्ना उद्योग विभाग की ओर से नौबतपुर के नगवां गांव में गन्ना नर्सरी, यंत्रिकरण बैंक और गुड़ संयंत्र का शुभारंभ किया जाएगा। इस कार्यक्रम में बिहार सरकार के गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार शामिल होंगे। वहीं, बिहार विधान परिषद चुनाव में हार और दो निर्दलीय एमएलसी बंशीधर ब्रजवासी एवं राहुल राज की सदस्यता रद्द करने के मुद्दे पर छात्र नेता दिलीप कुमार प्रेस वार्ता करेंगे। इसके अलावा भाजपा पटना महानगर की ओर से दीघा विधानसभा क्षेत्र में प्रबुद्धजनों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। शाम को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना हाईकोर्ट परिसर में नव-नामांकित अधिवक्ताओं के लिए स्टाइपेंड योजना की शुरूआत करेंगे। इस दौरान राम बालक महतो स्मृति सभागार का उद्घाटन भी होगा। गन्ना उद्योग विभाग, बिहार सरकार की ओर से पटना जिले के नौबतपुर प्रखंड के नगवां गांव में नवस्थापित गन्ना नर्सरी, यंत्रिकरण बैंक और गुड़ संयंत्र का शुभारंभ किया जाएगा। कार्यक्रम में बिहार सरकार के गन्ना उद्योग मंत्री संजय कुमार इन इकाइयों का उद्घाटन करेंगे। इस पहल का उद्देश्य गन्ना उत्पादन और उससे जुड़े कार्यों को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों और स्थानीय लोगों की मौजूदगी रहेगी। बिहार के फिजियोथेरेपिस्ट, ऑस्टियोपैथ और काइरोप्रैक्टर डॉ. राजनीश कांत की पुस्तक 'राजनीश कांत मेथड (आरकेएम)' का विमोचन किया जाएगा। कार्यक्रम होटल पाटलिपुत्रा एग्जोटिका, एक्जीबिशन रोड में आयोजित होगा। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में महामंडलेश्वर हिमांगी सखी शामिल होंगी। दोपहर तीन बजेः एमएलसी चुनाव में हार और निर्दलीय सदस्यों की सदस्यता पर प्रेस वार्ता बिहार विधान परिषद चुनाव के नतीजों के बाद राजनीतिक विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। छात्र नेता दिलीप कुमार एमएलसी चुनाव में हार और निर्दलीय एमएलसी बंशीधर ब्रजवासी एवं राहुल राज की सदस्यता रद्द करने के मुद्दे पर प्रेस वार्ता करेंगे। यह प्रेस वार्ता वीरचंद पटेल पथ पर भाजपा और राजद कार्यालय के बीच आयोजित होगी। इसमें चुनाव परिणाम और दोनों निर्दलीय एमएलसी की सदस्यता को लेकर अपनी बात रखेंगे। शाम 4:30 बजेः दीघा में भाजपा का प्रबुद्धजन सम्मेलन भाजपा पटना महानगर की ओर से दीघा विधानसभा क्षेत्र में समाज के प्रबुद्ध लोगों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम मजिस्ट्रेट कॉलोनी स्थित सोनवर्षा मैरेज हॉल में होगा। इसमें बिहार सरकार के मंत्री विजय कुमार सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। दीघा विधायक और बिहार विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के मुख्य सचेतक डॉ. संजीव चौरसिया भी मौजूद रहेंगे। सम्मेलन में बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन और भाजपा कार्यकताओं के शामिल होने की संभावना है। पटना हाईकोर्ट परिसर में आज एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित होगा। बिहार के महाधिवक्ता एसडी संजय की ओर से आयोजित इस समारोह में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी नव-नामांकित अधिवक्ताओं के लिए स्टाइपेंड योजना का शुभारंभ करेंगे। इसके साथ ही राम बालक महतो स्मृति सभागार का उद्घाटन भी किया जाएगा। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री, पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव, विधि मंत्री और हाईकोर्ट के अन्य न्यायाधीश शामिल होंगे। इस अवसर पर नव-नामांकित अधिवक्ताओं को चेक भी वितरित किए जाएंगे। समारोह का आयोजन पटना हाईकोर्ट परिसर स्थित महाधिवक्ता कार्यालय और एलएनएमआई ऑडिटोरियम में किया जाएगा।

मिट्टी खोदने गई थीं 3 मासूम, अचानक गिरा टीला! किशनगंज में हादसे के बाद गांव में पसरा मातम

एजेंसी

पटना। किशनगंज में मिट्टी खोदने गई 3 मासूम बच्चियों की दर्दनाक मौत से गांव में मातम पसरा है. मिट्टी का ढेर गिरने से हुआ हादसा, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल. किशनगंज. दिघलबैंक प्रखंड के हरुवाडांगा बाजार से सटे सुलतानगंज वार्ड संख्या 10 में बुधवार को एक दर्दनाक हादसे में तीन बच्चियों की मिट्टी में दबकर मौत हो गई. इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है. हादसे की खबर मिलते ही मृत बच्चियों के परिजनों में कोहराम मच गया. गांव के लोग भी इस घटना से स्तब्ध हैं. मिट्टी खोदने गई थीं बच्चियां, अचानक खिसक गया मिट्टी का ढेर मिली जानकारी के अनुसार, तीनों बच्चियां घर के पास मिट्टी खोदने के लिए गई थीं. इसी दौरान अचानक मिट्टी का एक बड़ा ढेर उनके ऊपर खिसक गया. देखते ही देखते तीनों बच्चियां मिट्टी के नीचे दब गईं. हादसा इतना अचानक हुआ कि बच्चियों को संभलने या वहां से निकलने का मौका तक नहीं मिला. घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने बच्चियों को मिट्टी में दबा देखकर शोर मचाया. ग्रामीणों ने मिट्टी हटाकर बच्चियों को बाहर निकाला बच्चियों के मिट्टी में दबने की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर जुट गए. लोगों ने तत्काल मिट्टी हटाकर तीनों बच्चियों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया. हालांकि, जब तक बच्चियों को मिट्टी से बाहर निकाला गया, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी. इस घटना से मौके पर मौजूद लोगों में दुख और स्तब्धता का माहौल बन गया. हादसे की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचा पुलिस प्रशासन घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक महकमे में हलचल मच गई. दिघलबैंक पुलिस प्रशासन भी मौके पर मौजूद है. सुलतानगंज गांव में पसरा मातम, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल इस दर्दनाक हादसे के बाद सुलतानगंज गांव में शोक की लहर है. जिन घरों में कुछ देर पहले तक बच्चों की किलकारियां गूंज रही थीं, वहां अब चीख-पुकार और मातम का माहौल है. ग्रामीणों के लिए इस हादसे पर यकीन करना भी मुश्किल हो रहा है. तीन बच्चियों की एक साथ मौत से गांव के लोग गहरे दुख में हैं.

पालीगंज में अहले सुबह कपड़े की दुकान में लगी आग, देखते ही देखते जलकर राख हुआ पूरा शोरूम

एजेंसी

पटना। पालीगंज के रविन्द्र सिंह मार्केट स्थित प्रशांत वस्त्रालय में आग लगने से लाखों की संपत्ति जलकर राख हो गई. आग की तेज लपटों ने पूरा शोरूम तहस-नहस कर दिया. स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया. पटना के पालीगंज अनुमंडल क्षेत्र में बुधवार की अहले सुबह एक भीषण अगलगी की घटना में लाखों रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई. स्थानीय थाना रोड स्थित चंढोस मोड़ के पास रविन्द्र सिंह मार्केट में स्थित प्रशांत वस्त्रालय में अचानक आग लगने से पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई. आग की लपटें इतनी तेज थीं कि देखते ही देखते दुकान में रखा अधिकांश सामान इसकी चपेट में आ गया. प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस अग्निकांड में करीब 30 से 40 लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है. घटना के बाद व्यापारियों और स्थानीय लोगों के बीच दहशत का माहौल बन गया. सुबह टहलने निकले लोगों ने देखी आग की लपटें जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह कुछ स्थानीय लोग टहलने के लिए निकले थे. इसी दौरान उनकी नजर रविन्द्र सिंह मार्केट स्थित प्रशांत वस्त्रालय से निकल रही आग की ऊंची लपटों पर पड़ी. दुकान से निकलते धुएं और आग को देखकर लोगों ने शोर मचाकर आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी. इसके बाद दुकान संचालक रिंकू कुमार को घटना की सूचना दी गई. सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे दुकानदार आग लगने की खबर मिलते ही दुकानदार रिंकू कुमार मौके पर पहुंचे. अपनी दुकान को आग की चपेट में देखकर वे काफी परेशान हो गए. स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत पुलिस और अग्निशमन विभाग को सूचना दी. कुछ ही देर बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया. दमकल और स्थानीय लोगों की मशक्कत के बाद बुझी आग घटना के दौरान स्थानीय लोगों ने भी दमकल कर्मियों का भरपूर सहयोग किया.

खबर संक्षेप



जायडस वेलनेस घाटे से उबरी 5.1 करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली। जायडस वेलनेस का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में 5.1 करोड़ रुपये रहा है। आमदनी बढ़ने की वजह से कंपनी मुनाफे में आई है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में जायडस को 52.8 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में मंगलवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में उसकी परिचालन आय बढ़कर 1,126.6 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 650.5 करोड़ रुपये थी। आलोच्य तिमाही में कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 1,125.4 करोड़ रुपये हो गया।

एसएफसी का शेयर पहले दिन 29% बढ़त लेकर बंद



नई दिल्ली। अपशिष्ट जल शोधन समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का शेयर मंगलवार को बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद अपने 330 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 29 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई में शेयर निर्गम मूल्य से 7.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 354.05 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के अंत में यह 28.74 प्रतिशत उछलकर 424.85 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई में शेयर 7.60 प्रतिशत की बढ़त के साथ 355.10 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के अंत में यह 29.12 प्रतिशत चढ़कर 426.10 रुपये पर बंद हुआ।

मैक्स हेल्थकेयर का लाभ 10 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। मैक्स हेल्थकेयर इंस्टिट्यूट लिमिटेड का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में 10.34 प्रतिशत बढ़कर 448 करोड़ रुपये हो गया। 2025-26 की दूसरी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 406 करोड़ रुपये था। मैक्स हेल्थकेयर ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी सकल आय 20 प्रतिशत बढ़कर 3,219 करोड़ रुपये हो गई।

एयरटेल अफ्रीका के लाभ में 16 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। एयरटेल अफ्रीका का वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत बढ़कर 25.4 करोड़ अमेरिकी डॉलर रहा। कंपनी ने बीते वित्त 2025-26 की समान तिमाही में 21.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर का शुद्ध लाभ कमाया था। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की आय 26 प्रतिशत बढ़कर 197 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गई।

जीएमडीसी के मुनाफे में 63 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की खनन एवं खनिज कंपनी गुजरात मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (जीएमडीसी) का चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 63.3 प्रतिशत घटकर 170.79 करोड़ रुपये रहा। बीते वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में कंपनी ने 465.75 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 986.78 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 635.76 करोड़ रुपये थी।

सेबी निवेशकों को देने जा रही बड़ी राहत, एलटीसीजी टैक्स हटाने की तैयारी

नई दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में घरेलू निवेशकों को राहत देने और साथ ही विदेशी निवेश बढ़ाने के लिए बाजार नियामक सेबी ने सरकार को टैक्स बदलावों की सिफारिश की है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों के हवाले से बताया है कि सेबी ने विदेशी निवेशकों पर लगने वाला लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स (एलटीसीजी) टैक्स को हटाने की सिफारिश की है। यही नहीं, सेबी ने घरेलू म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए भी राहत का प्रस्ताव दिया है। प्रस्ताव ये है कि अगर निवेशक एक साल से ज्यादा समय से रखी अपनी म्यूचुअल फंड यूनिट बेचकर दूसरी स्कीम में निवेश करते हैं, तो इस स्विच को टैक्सेबल बिक्री नहीं माना जाए।

विदेशी निवेशकों पर लगने वाला लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स हटाने की सिफारिश

निवेशकों को अभी लगता है इतना टैक्स ?

मौजूदा नियमों के मुताबिक, एक साल से ज्यादा समय तक रखी गई सिक्योरिटीज पर फिलहाल 12.5 प्रतिशत लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। एक साल या उससे कम अवधि में बेची गई सिक्योरिटीज पर शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स 20 प्रतिशत है। इसके अलावा शेयरों की खरीद-बिक्री पर एसटीटी यानी सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स और डिविडेंड पर विदहोल्डिंग टैक्स भी लागू होता है।



विदेशी निवेशकों का रिटर्न बढ़ सकता है

सेबी का कहना है कि इक्विटी निवेश से जुड़े ट्रांजैक्शन कॉस्ट दूसरे बाजारों के मुकाबले काफी ज्यादा हैं। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज के मुताबिक, कैपिटल गेन्स टैक्स में कटौती से विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय बाजार अधिक आकर्षक हो सकता है और पोर्टफोलियो निवेश बढ़ सकता है।

घरेलू म्यूचुअल फंड निवेशकों को भी राहत का प्रस्ताव

सेबी ने घरेलू म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए भी टैक्स राहत की सिफारिश की है। सूत्रों के मुताबिक, अगर निवेशक एक साल से ज्यादा समय तक रखी गई म्यूचुअल फंड यूनिट्स को बेचकर दूसरी स्कीम में निवेश करते हैं, तो इस बदलाव को टैक्सेबल बिक्री नहीं माना जाना चाहिए। इसका मकसद निवेशकों को घरेलू म्यूचुअल फंड में निवेश बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करना है। भारत के म्यूचुअल फंड उद्योग के पास 82.6 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है।

लगातार बिकवाली से रुपए पर दबाव

सूत्रों के मुताबिक, विदेशी निवेशकों से लगातार बातचीत के दौरान टैक्स व्यवस्था में बदलाव की मांग प्रमुखता से सामने आई। सेबी ने पिछले दो साल में विदेशी निवेशकों के साथ कई बैठकें की हैं। लगातार बिकवाली से रुपए पर भी दबाव पड़ा है। एक सूत्र ने कहा कि प्रस्तावों का मकसद विदेशी निवेशकों पर शुरुआती टैक्स बोझ कम करना है। बता दें कि पिछले दो साल में निफ्टी 50 में 4.8 फीसदी की गिरावट आई है।

वाणिज्य मंत्री ने दोनों मुद्दे देश के लिए 'बहुत संवेदनशील' बताए

भारत ने कभी जीएम उत्पादों के आयात की अनुमति नहीं दी, डेयरी क्षेत्र भी नहीं खोलेगा: गोयल

नई दिल्ली

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत ने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते में अपने डेयरी क्षेत्र को नहीं खोला है और आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) उत्पादों के आयात की अनुमति भी नहीं देगा। उन्होंने इन दोनों मुद्दों को देश के लिए बहुत संवेदनशील बताया। राष्ट्रीय राजधानी में किरोड़ीमल कॉलेज के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि भारत ने किसी भी संवेदनशील वस्तु पर ''कभी भी'' समझौता नहीं किया है और व्यापार समझौतों में हमेशा अपने किसानों, मछुआरों तथा सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के हितों की रक्षा की है।''

भारत ने किसी भी संवेदनशील मुद्दे पर कभी समझौता नहीं किया

किसानों, मछुआरों और एमएसएमई के हितों की रक्षा की

समुद्री उत्पाद में हमारी स्थिति मजबूत

गोयल ने व्यापार समझौतों से जुड़े एक सवाल के जवाब में कहा, ''हम कुछ कृषि उत्पादों और कुछ ऐसी वस्तुओं के मामले में बाजार खोलने को लेकर बहुत संवेदनशील हैं जिनमें हमारी मजबूत स्थिति है, जैसे समुद्री उत्पाद। हम अपना डेयरी क्षेत्र खोलने को लेकर बहुत संवेदनशील हैं। वास्तव में, आज तक हमने किसी के लिए भी डेयरी क्षेत्र नहीं खोला है।



हमारा प्रयास रोजगार के अवसर बढ़ाना

'रेनेट' पनीर बनाने में इस्तेमाल होने वाला एक एंजाइम है, जिसे परंपरागत रूप से छोटे बछड़ों के पेट की अंदरूनी परत से निकाला जाता है। मंत्री ने कहा, ''हमारा प्रयास रोजगार के नए अवसरों के साथ-साथ अपने उन उत्पादों के लिए नए बाजार खोलना है, जिनमें हम प्रतिस्पर्धी हैं और जिनसे भारत के बड़े हिस्से, हमारे एमएसएमई, कृषि क्षेत्र के किसानों तथा सभी को बड़े पैमाने पर लाभ मिल सकता है।''

विदेशों के डेयरी उत्पाद में 'रेनेट' का उपयोग

वाणिज्य मंत्री ने कहा, हम भारत में किसी भी जीएम उत्पाद को आने देने के मामले में बहुत संवेदनशील हैं। हमने कभी इसकी अनुमति नहीं दी है और भविष्य में भी ऐसा नहीं करेंगे। हम अपनी धार्मिक संवेदनशीलताओं को लेकर भी सतर्क हैं। अक्सर विदेशों में डेयरी उत्पाद बनाने के दौरान बछड़े के मांस या 'रेनेट' का इस्तेमाल किया जाता है...हम भारत में इसकी अनुमति नहीं देते।

आबादी का बड़ा हिस्सा कृषि पर निर्भर

ये टिप्पणियां इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारत की आबादी का एक बड़ा हिस्सा कृषि पर निर्भर है और इनमें ज्यादातर छोटे तथा सीमांत किसान हैं। नीति-निर्माताओं को आशंका है कि जीएम फसलों का सस्ता और बड़े पैमाने पर आयात, खासकर विकसित देशों की अत्यधिक मशीनीकृत और सब्सिडी वाली कृषि प्रणालियों से होने वाला आयात, घरेलू कीमतों को नीचे ला सकता है और ग्रामीण आय को नुकसान पहुंचा सकता है।

तरजीही बाजार पहुंच हासिल करने का प्रयास

गोयल ने कहा कि भारत हमेशा कपड़ा, दवा, कृषि उत्पादों तथा रत्न एवं आभूषण जैसे क्षेत्रों के लिए तरजीही बाजार पहुंच हासिल करने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा, ''ये सभी हमारे हित के क्षेत्र हैं, जिनके लिए हम तरजीही बाजार पहुंच हासिल करने का प्रयास करते हैं। भारत से आने वाले सामान पर लगाए जाने वाले शुल्क हमारी प्रतिस्पर्धी देशों- इंडोनेशिया, मलेशिया, वियतनाम, चीन और फिलिपीन...की तुलना में कम हों।''

विनिर्माण को बड़े पैमाने पर बढ़ावा

वाणिज्य मंत्री ने कहा, ''हमारा प्रयास है कि भारत को अपने प्रतिस्पर्धियों के मुकाबले तरजीही दर मिले।'' रोजगार के बारे में उन्होंने कहा कि सरकार देश में विनिर्माण को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दे रही है। गोयल ने कहा, हम विनिर्माण और अधिक सरकारी नौकरियों को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं। नियमित रोजगार तलाशने वालों के लिए अधिक अवसर पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं

रामेश्वरम धाम स्पेशल ट्रेन यात्रा की 80% सीटें बुक, 24 दिसंबर को होगी रवाना



रायपुर। तीर्थ यात्रा के क्षेत्र में अपनी विश्वसनीय पहचान बना चुकी श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए एक बार फिर रामेश्वरम धाम स्पेशल ट्रेन यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह 11 दिवसीय धार्मिक यात्रा 24 दिसंबर से 3 जनवरी 2027 तक आयोजित होगी। यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। अब तक लगभग 80 प्रतिशत सीटों की बुकिंग पूरी हो चुकी है। श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति पिछले 20 वर्षों से लगातार रामेश्वरम धाम स्पेशल ट्रेन यात्रा का सफल संचालन कर रही है। इन वर्षों में समिति अब तक लगभग 4 लाख श्रद्धालुओं को विभिन्न तीर्थस्थलों के दर्शन करा चुकी है। वर्षों से श्रद्धालुओं द्वारा जताया जा रहा विश्वास, सहयोग और स्नेह ही समिति की सबसे बड़ी उपलब्धि है। इस विशेष धार्मिक यात्रा के माध्यम से श्रद्धालुओं को दक्षिण भारत के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के दर्शन का सौभाग्य मिलेगा। यात्रा के दौरान श्री रामेश्वरम धाम, श्री तिरुपति बालाजी, कन्याकुमारी, माँ मीनाक्षी देवी मंदिर (मदुरै) एवं श्री मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन कराए जाएंगे। यात्रा के सफल संचालन के लिए रेलवे से संबंधित सभी आवश्यक प्रक्रियाएं शुरू कर दी गई हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती मांग और उत्साह को देखते हुए बुकिंग तेजी से हो रही है। अब तक लगभग 80 प्रतिशत सीटें आरक्षित हो चुकी हैं, जबकि शेष सीमित सीटों के लिए बुकिंग जारी है। समिति ने इच्छुक श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे इस पावन धार्मिक यात्रा में शामिल होने के लिए अंतिम समय का इंतजार न करें और समय रहते अपना आरक्षण सुनिश्चित कर लें। सीटें सीमित होने के कारण श्रद्धालु जल्द से जल्द बुकिंग कराकर इस यात्रा का लाभ उठा सकते हैं।

बजाज फिनसर्व का मुनाफा 25 फीसदी बढ़ 5,952 करोड़ नई

दिल्ली। बजाज फिनसर्व का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सालाना आधार पर 25 प्रतिशत बढ़कर 5,952 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 4,746 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। बजाज फिनसर्व ने शेयर बाजार को दी सूचना में मंगलवार को बताया कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 43,416 करोड़ रुपये हो गई।

बैंक ऋण 17.94% बढ़ा, जमा की वृद्धि दर से आगे निकला

मुंबई

बैंकों ऋण 15 अक्टूबर तक सालाना आधार पर 17.94 प्रतिशत बढ़कर 232.54 लाख करोड़ रुपये हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह कहा।

आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, इस दौरान बैंक जमा में 16.60 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पंद्रह अक्टूबर, 2026 तक बैंकों में कुल जमा राशि बढ़कर 284.37 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो 17 अक्टूबर, 2025 तक 243.88 लाख करोड़ रुपये थी। इस तरह जमा में सालाना आधार पर 16.60 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, 15 अक्टूबर, 2026 तक बैंक ऋण 232.54 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल 17 अक्टूबर को 197.17 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह इसमें सालाना आधार पर 17.94 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। ऋण में तेज वृद्धि की एक वजह अक्टूबर के शुरुआती दिनों में बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त नकदी उपलब्ध होना और त्योहार रहा। आरबीआई की रियायती सुविधा के तहत बैंकों को बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) (एफसीएनआर-बी) जमा मिलने से बैंकों में नकदी की उपलब्धता बढ़ गई थी। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, एक से 15 अक्टूबर के बीच बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त नकदी का स्तर दो लाख करोड़ रुपये से 4.5 लाख करोड़ रुपये के बीच रहा।



- आरबीआई ने कहा, बैंक ऋण बढ़कर हुआ 232 लाख करोड़
- बैंक जमा में 16.60 प्रतिशत की वृद्धि हुई

बैंकों में औसत 5.9 लाख की नगदी रही

अगस्त 2026 में हुई पिछली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक के बाद से नकदी समायोजन सुविधा (एलएएफ) के तहत शुद्ध स्थिति के आधार पर बैंकिंग प्रणाली में प्रतिदिन औसतन 5.9 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त नकदी रही। एलएएफ के तहत प्रतिदिन औसतन शुद्ध नकदी निकासी जुलाई 2026 में 1.2 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर अगस्त में 5.8 लाख करोड़ रुपये और सितंबर में 7.8 लाख करोड़ रुपये हो गयी।

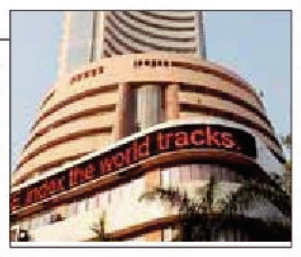
- ट्रेंट, आईटी शेयरों में निवेशकों की रही खरीदारी
- विदेशी निवेशकों की खरीदारी सीमित रही

शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन चढ़ा, सेंसेक्स में 308 अंक की तेजी

मुंबई

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों और खुदरा कंपनी ट्रेंट के शेयरों में जोरदार लिवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स 308 अंक चढ़ गया जबकि निफ्टी में 116 अंक की तेजी रही। वैश्विक बाजारों में कमजोर संकेतों के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेजी का रुख रहने और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से शेयर बाजार की बढ़त सीमित रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 308.49 अंक चढ़कर 74,459.53 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 591.55 अंक बढ़कर 74,742.59 अंक पर पहुंच गया था। निफ्टी भी 116.35 अंक के साथ 23,053.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में ट्रेंट का शेयर सर्वाधिक 5.20 प्रतिशत चढ़ गया। टाटा समूह की खुदरा कंपनी ने बृहस्पतिवार को बताया था कि सितंबर तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 25 प्रतिशत बढ़कर 468 करोड़ रुपये रहा।



जियो प्लेटफॉर्म्स तीन सत्र में 28 प्रतिशत उछला : रिलायंस समूह की डिजिटल सेवा कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स का शेयर बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद से अब तक करीब 28 प्रतिशत चढ़ चुका है। बीएसई में कंपनी का शेयर शुक्रवार को निर्गम मूल्य से 27.89 प्रतिशत उछलकर 1,431.20 रुपये पर रहा।

एटमबर्ग और पंजाब कार्बोनिक को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी

नई दिल्ली। घरेलू उपकरण बनाने वाली कंपनी एटमबर्ग टेक्नोलॉजीज और कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) के संग्रहण एवं उपयोग के साथ औद्योगिक गैस समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी पंजाब कार्बोनिक को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये पूंजी जुटाने के लिए सेबी की मंजूरी मिल गई है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को एटमबर्ग टेक्नोलॉजीज के आईपीओ के लिए मसौदा दस्तावेज अगस्त में मिले थे, जबकि पंजाब कार्बोनिक ने अप्रैल में मसौदा दस्तावेज जमा किए थे। इन दस्तावेजों की समीक्षा के बाद नियामक ने 29-30 अक्टूबर के दौरान दोनों कंपनियों को अंतिम टिप्पणियां दीं।

चांदी 8,300 रु. टूटकर निचले स्तर पर

नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में शुक्रवार को चांदी की कीमत 8,300 रुपये लुढ़ककर करीब 11 महीने के निचले स्तर 1.90 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेज गिरावट के कारण कीमती धातुओं में बिकवाली से चांदी के दाम टूटे। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 1,300 रुपये टूटकर 1,45,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) पर रहा। बृहस्पतिवार को इसका भाव 1,46,500 रुपये प्रति 10 ग्राम था। पिछले कारोबारी सत्र में मामूली बढ़त दर्ज करने के बाद चांदी में गिरावट आई।

चांदी का भाव 8,300 रुपये गिरकर 1,90,200 रुपये प्रति किलोग्राम रहा, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,98,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था। चांदी का भाव इससे पहले 10 दिसंबर, 2025 को इस स्तर के आसपास था।



- सोना 1,300 रुपए फिसलकर 1,45,200 रुपए प्रति दस ग्राम
- चांदी लुढ़कर 1.90 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर

आदित्य बिड़ला कैपिटल का लाभ 38 प्रतिशत बढ़ा ...



नई दिल्ली। आदित्य बिड़ला कैपिटल का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2026-27 की जुलाई-सितंबर तिमाही में 38 प्रतिशत बढ़कर 1,288 करोड़ रुपये रहा। विभिन्न कारोबारों में मजबूत वृद्धि से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 933.52 करोड़ रुपये था। आदित्य बिड़ला कैपिटल ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय बढ़कर 14,003 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 10,595 करोड़ रुपये थी।

इस साल सूखे के संकट के कारण फसलों को काफी नुकसान पहुंचा

देश में अब विदेश से आएगा आटा, तेल, सोयाबीन और मक्का

नई दिल्ली

कारोबारी साल 2026-27 में भारत खाने-पीने की तमाम चीजों के साथ-साथ पशु चारे और कृषि क्षेत्र से जुड़े कच्चे माल का आयात बढ़ा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार दरअसल, इस साल सूखे के संकट के बीच फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। इससे घरेलू स्तर पर आपूर्ति को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, सोयाबीन और मूंगफली खरीफ सीजन की प्रमुख फसलें हैं। कमजोर मानसून से इन्हें नुकसान पहुंचने से देश के भीतर खाद्य तेलों और पशु-आहार की भारी किल्लत हो गई है। ऐसे में आने वाले समय में खाद्य तेल का आयात बढ़ सकता है। अब चूंकि मक्का और सोयाबीन मील जैसे पशु चारे के दाम बढ़े हैं, तो इसका बुरा असर डेयरी और पोल्ट्री उद्योग पर पड़ा है। इससे आम उपभोक्ताओं के लिए अंडे, दूध और चिकन की कीमतें बढ़ गई हैं।

- भारत कारोबारी वर्ष में खाने-पीने की तमाम चीजों का आयात बढ़ा सकता है

सोयाबीन और मक्का आयात की मांग

पोल्ट्री फीड बनाने वाली कंपनियां सोयाबीन मील और मक्का आयात करने की अनुमति मांग रही हैं और कपड़ा निर्माता कपास पर आयात शुल्क हटाने की मांग कर रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि स्टार्च उद्योग को इस बात की चिंता है कि अगर मक्के का एक बड़ा हिस्सा इथेनॉल उत्पादन में चला जाता है, तो चीन से स्टार्च के आयात की जरूरत बढ़ सकती है। इन्हीं सब चिंताओं के बीच सर्दियों में होने वाली सरसों की फसल को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है।



सोयाबीन पर क्या है संकट?: सोयाबीन की फसलों पर मौसम की दोहरी मार पड़ी है। पिछले साल अत्यधिक और बेमौसम बारिश के कारण पकी हुई फसलें खेतों में ही सड़ गई थीं। वहीं, अब इस वित्तीय वर्ष (2026-27) में मानसून की बेरुखी ने मराठवाड़ा, विदर्भ, तेलंगाना और मध्य प्रदेश के सोयाबीन बेल्ट में फसलों को नुकसान पहुंचाया है। उद्योग जगत ने सरकार से 3 मिलियन टन सोयाबीन मील (सोयाबीन की खली) के आयात की अनुमति मांगी है। पोल्ट्री फीड में सोयाबीन मील और मक्के की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत है और इनकी ऊंची कीमतों के कारण लागत का दबाव बढ़ रहा है।

चीनी कारोबारियों को पहले ही राहत

चीनी उद्योग को कच्चे चीनी के आयात के लिए समयसीमा को पहले ही बढ़ा दिया है। इसके अलावा, अगर मक्के का ज्यादा इस्तेमाल इथेनॉल उत्पादन में होता है, तो स्टार्च उद्योग को आपूर्ति के लिए चीन पर और अधिक निर्भर रहना पड़ सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, सूखे के कारण घरेलू स्तर पर तिलहन के उत्पादन पर असर पड़ने से, भारत का खाद्य तेल आयात 2025-26 के 16.5 मिलियन टन से बढ़कर 2026-27 में 17.5 मिलियन टन तक पहुंच सकता है।

खाद्य तेल का आयात सरसों के उत्पादन पर निर्भर : इस साल अंतिम अनुमान काफी हद तक सरसों के उत्पादन पर निर्भर करेगा। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पिछले साल अत्यधिक बारिश के कारण फसल को नुकसान पहुंचने के बाद, अफ्रीका के सबसे कम विकसित देशों से सोयाबीन का आयात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था।

परिणाम स्मार्टवर्क्स मुनाफे में आई, लाभ 26 करोड़ रुपए



नई दिल्ली। स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेज का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 25.64 करोड़ रुपये रहा। आय में वृद्धि से कंपनी मुनाफे में आई है। कंपनी को वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी (जुलाई-तिमाही) तिमाही में 3.13 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। स्मार्टवर्क्स कोवर्किंग स्पेसेज ने बताया कि दूसरी तिमाही में कंपनी की कुल आय 37 प्रतिशत बढ़कर 605.3 करोड़ रुपये हो गई, जो गत वित्त वर्ष की समान अवधि में 441.06 करोड़ रुपये थी।

किंग कोहली की ऐतिहासिक उपलब्धि

वनडे में एक और बड़े रिकॉर्ड पर किया कब्जा

ऑकलैंड, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच में खेली जा रही 5 मैचों की वनडे सीरीज के पहले मुकाबले में टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली अपने बल्ले के दम पर एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम करने में कामयाब रहे हैं। ऑकलैंड के ईडन पार्क के भारत और न्यूजीलैंड की टीम के बीच में पहला मुकाबला खेला जा रहा है, जिसमें कीवी टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 185 रनों का स्कोर बनाकर सिमट गई जिसके बाद टारगेट का पीछा करते हुए टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले ही ओवर में एक के स्कोर पर रोहित शर्मा आउट हो गए, जिसके बाद नंबर-3 की पोजीशन पर बल्लेबाजी करने मैदान पर उतरे विराट कोहली ने अपनी पारी का 12वां रन पूरा करने के साथ नंबर-3 की पोजीशन पर 13000 रनों का आंकड़ा पूरा करने वाले वनडे में पहले बल्लेबाज बन गए हैं।



कोहली ने फीलिडंग में भी दिखाया था कमाल

न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड वनडे मैच में विराट कोहली का फीलिडंग में शानदार अंदाज देखने को मिला जब उन्होंने नेथन स्मिथ का अंशुल कंबोज की गेंद पर दूसरी स्लिप पर शानदार कैच पकड़ा था। इस कैच को पकड़ने के बाद जहां कोहली भी काफी जोश में नजर आए तो टीम इंडिया के बाकी खिलाड़ियों के चेहरे पर भी खुशी देखने को मिली थी।

वनडे में नंबर-3 की पोजीशन पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज

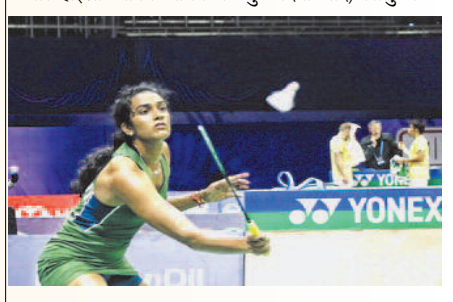
विराट कोहली (भारत) - 13005 रन*
रिकी पोंटिंग (ऑस्ट्रेलिया) - 12662 रन
कुमार संगकारा (श्रीलंका) - 9747 रन
जैक कैलिस (साउथ अफ्रीका) - 7774 रन
केन विलियमसन (न्यूजीलैंड) - 6504 रन.

कोहली ने सचिन के बाद ऐसा करने वाले बने पहले खिलाड़ी

विराट कोहली वनडे क्रिकेट इतिहास में किसी एक बैटिंग पोजीशन पर बल्लेबाजी करते हुए सचिन तेंदुलकर के बाद पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जो 13000 या उससे अधिक रन बनाने में कामयाब हो सके। कोहली ने वनडे फॉर्मेट में नंबर-3 की पोजीशन पर अब तक 254 मैचों की 251 पारियों में बल्लेबाजी की है जिसमें वह 61 के औसत से 13000 से अधिक रन बनाने में कामयाब हो सके। वहीं वनडे में कोहली के अलावा रिकी पोंटिंग सिर्फ दूसरे ऐसे खिलाड़ी हैं जो नंबर-3 की पोजीशन पर 10000 या उससे अधिक रन बनाने में कामयाब हो सके हैं। विराट कोहली के पास न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज में अभी कई और कीर्तिमान अपने नाम करने का शानदार मौका रहने वाला है।

'मैं अब युवा नहीं रही, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के लिया ब्रेक': पीवी सिंधु

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। सिंधु इस टूर्नामेंट के लिए ही ब्रेक लिया था। जापान ओपन सुपर 750 और जर्मनी में हाइलो ओपन में जीत हासिल करने के बाद पीवी सिंधु का आत्मविश्वास बढ़ा है। 2022 के बाद यह पहला सीजन है जिसमें सिंधु ने कई बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर टाइटल जीते हैं। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन ने सारब्रुकेन में टूर्नामेंट से पहले फ्रेंच ओपन का फाइनल भी खेला था, लेकिन वह दुनिया की नंबर 1 और पेरिस 2024 चैंपियन कोरिया की एन से-यंग से हार गई थीं। हाइलो ओपन जीतने के कुछ दिनों बाद, सिंधु ने



कोरिया ओपन और जापान मास्टर्स छोड़ने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि उनका शुरुआती प्लान सभी टूर्नामेंट खेलने का था, लेकिन बाद में उन्होंने अपने शरीर की सुनने और दिसंबर में होने वाले बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल के लिए आराम करने और फिट होने का फैसला किया। बैडमिंटन फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित मीडिया बातचीत के दौरानएक सवाल पर सिंधु ने कहा, 'लंबा टूर खेलने के बाद, मैंने सोचा था कि मैं कोरिया ओपन और उसके बाद के टूर्नामेंट नहीं खेल पाऊंगी, लेकिन मेरे लिए वापस आकर आराम करना भी जरूरी था। मेरे लिए अपने शरीर का ध्यान रखना और अगले टूर्नामेंट के लिए फिट होना जरूरी था। यही प्लान था। मुझे लगता है कि मेरे लिए यह फैसला लेना जरूरी था कि मैं नहीं खेलूंगी। मुझे अपने शरीर का ध्यान रखना है और कोर्ट पर फिर से मजबूती से वापस आना है।' सिंधु ने कहा, 'मैं अब जवान नहीं रही, लेकिन मैंने यह भी कहा कि 31 अब नया 21 है, इसलिए मुझे अपने शरीर का ध्यान रखना है।'

नया 3म15 स्कोरिंग सिस्टम 4 जनवरी, 2027 से लागू होगा। सिंधु ने यह भी बताया कि क्या यह गेम को बदल देगा और क्या उनका गेम नए पॉइंट सिस्टम के हिसाब से सही होगा। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को शुरू से ही चौकन्ना रहने और आसान पॉइंट न गंवाने के लिए अलर्ट रहने की जरूरत है। सिंधु ने कहा, '15 पॉइंट्स ऐसी चीज है जिस पर हर किसी को जरूर काम करना चाहिए, और हम इतने सालों से 21 पॉइंट्स पर खेल रहे हैं। इसलिए, हमने यह पक्का किया कि हम उस स्कोरिंग के लिए भी ट्रेनिंग और अभ्यास करें। हर किसी के लिए यह अलग होगा, इसलिए शुरू से ही अलर्ट रहना भी जरूरी है।' उन्होंने आगे कहा, 'यह जरूरी है कि आप शुरू से ही अलर्ट रहें। यह भी जरूरी है कि जब तक आपको पता चले कि आधा गेम खत्म हो गया है, तब तक आप कोई और आसान पॉइंट न दे सकें।

बर्थडे स्पेशल: विराट कोहली के 38वें जन्मदिन पर जानें उनके शरीर पर बने 13 'टैटू' का राज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली आज 38 साल के हो जाएंगे। क्रिकेट विराट के जीवन का पहला प्यार है। इस खेल में खुद को सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए उन्होंने पूर्ण समर्पण के साथ कड़ी मेहनत की है और ये सिलसिला अब भी जारी है। क्रिकेट के अलावा विराट को टैटू बेहद पसंद है।

विराट कोहली टैटू के बहुत बड़े फैन हैं। इसका सबूत उनके शरीर पर बने टैटू की संख्या देती है। विराट ने अपने पूरे शरीर के अलग-अलग हिस्सों में 13 टैटू बनाए हैं जिनका अलग-अलग अर्थ है।

1. विराट ने अपने बाएं ट्राइसेप 'ओम का निशान' बनवाया है। ये टैटू आध्यात्मिकता और उस यूनिवर्सल आवाज को दिखाता है जो ब्रह्मांड में हमेशा एक जैसी रहती है।
2. कोहली ने अपने बाएं कंधे पर एक मॉनेस्ट्री की तस्वीर बनवाई है। मठ एक इमारत या इमारतों का ग्रुप होता है जहां एक धार्मिक समुदाय, ज्यादातर साधु समाज से दूर रहते हुए साधना करते हैं।
3. पूर्व कप्तान की राशि स्कॉर्पियो है। इस वजह से दाहिने हाथ के ऊपरी हिस्से में उन्होंने स्कॉर्पियो का निशान बनवाया है। स्कॉर्पियो राशि वाले बहुत ज्यादा पैशन, इंटेंसिटी और समर्पण दिखाने के लिए जाने जाते हैं। कोहली में ये सारी खूबियां दिखती हैं।
4. कोहली ने अपने बाएं हाथ पर 269 का टैटू बनवाया है। यह उनका टेस्ट कैप नंबर है।
5. विराट का वनडे कैप नंबर 175 है। उन्होंने अपने बाएं हाथ पर इस नंबर का भी टैटू बनवाया है।
6. 'किंग' के नाम से मशहूर कोहली ने अपने बाएं हाथ पर पिता प्रेम कोहली और माता सरोज कोहली के नाम का टैटू बनवाया है।
7. कोहली के बाएं ऊपरी हाथ पर एक खास जापानी समुराई टैटू है, जो पारंपरिक बुशिडो कोड ऑफ डिसिप्लिन और ऑनर से प्रेरित है। विराट खुद ताकत, अनुशासन और आत्मनियंत्रण की मिसाल हैं, ये गुण समुराई टैटू डिजाइन से जुड़े हैं।
8. विराट के बाएं कंधे पर जापानी समुराई टैटू के ठीक ऊपर एक दिव्य आंख का टैटू भी है। 'गॉड्स आई' टैटू उनके इस विश्वास को दिखाता है कि उनके हर काम पर नजर रखी जा रही है। इससे वह अपने फैसलों के लिए जिम्मेदार रहते हैं।
9. पियोनी टैटू विराट कोहली के बाएं कंधे पर बने आर्टवर्क का हिस्सा है। इस फूल का एशिया में, खासकर चीनी परंपरा में, बहुत गहरा सांस्कृतिक महत्व है, जहां इसे अक्सर धन, खुशहाली, सम्मान और ऊंचे सामाजिक स्तर से जोड़ा जाता है।
10. विराट के दाएं फोरआर्म पर मेटाट्रॉन क्यूब, एक क्यूबिक पैटर्न और आध्यात्मिक सिंबल का एक रूप है।
11. कोहली के बाएं हाथ पर कैलाश पर्वत पर ध्यान करते हुए भगवान शिव की एक तस्वीर है। उसके बैकग्राउंड में मानसरोवर झील है। टैटू विराट के आध्यात्मिक जुड़ाव को दिखाता है।
12. आईपीएल 2026 के शुरू होने से पहले कोहली ने अपने बाएं हाथ पर पूरी आस्तीन का 'लोटस' टैटू बनवाया था। यह उनकी जीवन यात्रा को प्रदर्शित करता है।
13. कोहली ने अपने बाएं हाथ पर एक नया टैटू बनवाया है। इसमें एक गोल डिजाइन है जो एक बीच के पॉइंट से निकलती हुई कई घुमावदार लाइनों से बना है। इसमें पानी में एक बूंद गिरने के बाद पानी की सतह पर लहर जैसा प्रभाव दिखता है। यह डिजाइन दिखाता है कि कैसे एक छोटी सी घटना या किसी व्यक्ति के काम बहुत बड़ा असर डाल सकते हैं।

विराट का जन्म 5 नवंबर 1988 को दिल्ली में हुआ था। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 18 अगस्त 2008 को श्रीलंका के खिलाफ वनडे से अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज किया था।

टेस्ट और टी20 संन्यास ले चुके विराट का अगला लक्ष्य वनडे विश्व कप 2027 में भारत को चैंपियन बनाना है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ बुधवार को हो रहे पहले वनडे से पहले विराट ने अपने करियर में 317 वनडे में 55 शतक और 79 अर्धशतक की बदौलत 15,109 रन बनाए हैं। वहीं, 123 टेस्ट में 30 शतक की बदौलत 9,230 रन और 125 टी20 में 1 शतक और 38 अर्धशतक की बदौलत उनके नाम 4,188 रन दर्ज हैं।

भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हराया

कोहली की धमाकेदार बल्लेबाजी; अर्शदीप की घातक गेंदबाजी



ऑकलैंड, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला आज ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला गया। भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। न्यूजीलैंड की पारी 185 रन पर सिमट गई। हालांकि, टारगेट रिवाइज किया गया और भारत को 32 ओवर में 143 रन बनाने थे। भारत ने यह लक्ष्य 22.5 ओवर में पांच विकेट गंवाकर हासिल कर लिया।

भारत पांच विकेट से जीता

भारत ने पहले वनडे में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया है। भारत को डकवर्थ लुईस नियम के तहत जीत के लिए 32 ओवर में 143 रन का लक्ष्य मिला था। टीम इंडिया ने यह लक्ष्य 22.4 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने पांच मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। अगला वनडे सात नवंबर को वेलिंगटन में खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड की पारी 185 रन पर सिमटी थी - टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की पारी 40.2 ओवर में 185 रन पर सिमट गई। स्कोर और भी कम होता, लेकिन आखिरी में ब्लेयर टिकनर की तूफानी पारी ने कीवियों को 180 के पार पहुंचाया। भारत को न्यूजीलैंड के शीर्षक्रम और मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने इतना परेशान नहीं किया, जितना परेशन 11वें नंबर पर आए ब्लेयर टिकनर ने किया। न्यूजीलैंड का स्कोर एक वक्त नौ विकेट पर 146 रन था। इसके बाद टिकनर ने जैकब डफी के साथ 10वें विकेट के लिए 31 गेंद में 39 रन की साझेदारी निभाई। टिकनर 23 गेंद में एक चौका और चार छक्के की मदद से 34 रन की तूफानी पारी खेलकर आखिरी विकेट के रूप में आउट हुए। उन्हें गुरनूर बराड़ ने विकेटकीपर राहुल के हाथों कैच कराया। डफी 15 रन बनाकर नाबाद रहे।

इससे पहले टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी बेहद खराब रही। इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि सिर्फ पांच बल्लेबाज ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। टिम साइफर्ट 43 गेंद में तीन चौके और दो छक्के की मदद से 38 रन, डेरिल मिचेल 41 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 28 रन और ग्लेन फिलिप्स 51 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाकर आउट हुए। इसके अलावा टिकनर और डफी ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। विल यंग नौ रन, हेनरी निकोल्स नौ रन, टॉम लाथम तीन रन, कप्तान मिचेल सैंटनर चार रन, नाथन स्मिथ एक रन और काइल जेमीसन एक रन बनाकर आउट हुए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने चार विकेट लिए, जबकि गुरनूर बराड़ को तीन विकेट मिले। अंशुल कंबोज को दो विकेट मिले।

भारत ने 22.4 ओवर में हासिल किया लक्ष्य - जवाब में भारत की शुरुआत भी खराब रही। रोहित शर्मा खाता खोले बिना आउट हो गए। फिर शुभमन गिल और विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी की। इस बीच मैच को दो बार बारिश के कारण रोकना पड़ा। पहली बार 10.5 ओवर के बाद मैच रोका गया। हालांकि, बारिश रुकी और मैच 40 ओवर का कर दिया गया। संशोधित लक्ष्य 167 रन का किया गया। हालांकि, कुछ गेंदों के बाद फिर बारिश शुरू हो गई और मैच रोकना पड़ा। बारिश जब रुकी तो एक बार फिर लक्ष्य को संशोधित किया गया।

आईपीएल 2027:

13 करोड़ के सनराइजर्स के इस ऑलराउंडर को शामिल करने की तैयारी में चेन्नई?



चेन्नई, एजेंसी। आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स की नजर सनराइजर्स हैदराबाद के 13 करोड़ रुपये के खिलाड़ी लियाम लिविंगस्टोन पर है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एक अन्य फ्रेंचाइजी ने भी दिलचस्पी दिखाई है, लेकिन सनराइजर्स ने अभी फैसला नहीं लिया है। दूसरी ओर, हार्दिक पांड्या की ट्रेड रेस में पंजाब किंग्स आगे बताई जा रही है। आईपीएल 2027 के मिनी ऑक्शन से पहले खिलाड़ियों की ट्रेडिंग को लेकर हलचल तेज हो गई है। हार्दिक पांड्या के मुंबई इंडियंस छोड़ने की चर्चाओं के बीच अब चेन्नई सुपर किंग्स की नजर सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, चेन्नई की टीम इंग्लैंड के इस खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ने के विकल्प तलाश रही है। हालांकि, सनराइजर्स हैदराबाद ने अभी तक इस मामले में कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, चेन्नई सुपर किंग्स लियाम लिविंगस्टोन को अपनी टीम में शामिल करने की संभावनाएं तलाश रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि उत्तर भारत की एक अन्य फ्रेंचाइजी ने भी इस खिलाड़ी में दिलचस्पी दिखाई है। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल 2026 से पहले हुई नीलामी में लिविंगस्टोन को 13 करोड़ रुपये में खरीदा था। हालांकि, उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने पूरे सीजन में केवल दो मुकाबले खेले और 15 रन बनाए। खराब फॉर्म के कारण उन्हें बाकी सीजन में प्लेइंग-11 और इम्पैक्ट प्लेयर के विकल्प में भी जगह नहीं मिली।

आईसीसी रैंकिंग: टेस्ट में स्टार्क फिर बने नंबर-1, टी20 में अय्यर 7वें पायदान पर पहुंचे

दुबई, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद, ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने आईसीसी टेस्ट बॉलिंग रैंकिंग में फिर से टॉप स्थान हासिल कर लिया है। बुधवार को जारी ताजा टी20 रैंकिंग में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर दो स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। केप टाउन में तीन मुकाबलों की सीरीज के तीसरे और आखिरी टेस्ट में नौ विकेट लेने के बाद, स्टार्क एक स्थान ऊपर चढ़कर साउथ अफ्रीका के मार्को जानसेन से आगे निकल गए। ऑस्ट्रेलिया के इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने 881 की अपनी करियर-सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की और नंबर 1 की पोजीशन वापस पा ली। इससे पहले अगस्त में, भारत के जसप्रीत बुमराह को पीछे छोड़कर स्टार्क पहली बार रैंकिंग में टॉप पर पहुंचे थे। हालांकि, गेबेरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट में छह विकेट लेने के बाद जानसेन टॉप पर आ गए थे। केप टाउन टेस्ट में साउथ अफ्रीकी खिलाड़ी केवल तीन विकेट ही ले सके, जिसका फायदा उठाते हुए स्टार्क फिर से टॉप पर पहुंच गए।

साउथ अफ्रीका के साइमन हार्मर को भी इस ताजा रैंकिंग अपडेट से काफी फायदा हुआ। न्यूलैंड्स में उन्होंने मैच जिताऊ प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में छह विकेट चटकाए, जिससे उनकी टीम को जीत और सीरीज अपने नाम करने में मदद मिली। इस प्रदर्शन के दम पर यह ऑफ-स्पिनर नौ स्थान की छलांग लगाकर सातवें नंबर पर पहुंच गया है। अब वह अपने साथी खिलाड़ी कगिसो रबाडा से एक स्थान आगे हैं।

टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में टॉप स्थान गंवाने के बावजूद, जानसेन ने टेस्ट ऑलराउंडरों की रैंकिंग में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली है। तीसरे टेस्ट में अर्धशतक लगाने के बाद उन्होंने अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ



रेटिंग हासिल की। ??इस सूची में वियान मुल्डर एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं, जबकि हार्मर तीन स्थान की छलांग लगाकर पांचवें नंबर पर पहुंच गए हैं। टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में एडेन मार्करम एक स्थान ऊपर चढ़कर 11वें नंबर पर आ गए हैं, जबकि मुल्डर सात स्थान की बढ़त के साथ 17वें नंबर पर पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों में रयान रिकेल्टन ने सबसे बड़ी छलांग लगाई है; वह 25 स्थान ऊपर चढ़कर 23वें नंबर पर पहुंच गए हैं और उन्होंने अपनी करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग भी हासिल की है।

ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन और एलेक्स कैरी ने भी अपनी स्थिति में सुधार किया है। वे क्रमशः तीन और दो स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 19वें नंबर पर आ गए हैं। मीरपुर में खेले गए पहले टेस्ट मैच में बांग्लादेश के खिलाफ अपनी टीम की आठ विकेट से जीत के बाद, वेस्टइंडीज के बल्लेबाज जस्टिन ग्रीव्स 12 स्थान की छलांग लगाकर संयुक्त रूप से 38वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों जोमेल वारिकन और रोस्टन चेस ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है। वारिकन टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में 30वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि रोस्टन चेस ऑलराउंडरों की सूची में संयुक्त रूप से 23वें स्थान पर आ गए हैं। इस बीच, पाकिस्तान में खेली गई ट्राई-सीरीज के समापन के बाद, पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी और हारिस रऊफ ने वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में अच्छी प्रगति की है। अफरीदी एक स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि रऊफ पांच स्थान की बढ़त के साथ 24वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

पाकिस्तानी ओपनर फखर जमां वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में नौ स्थान ऊपर चढ़कर 37वें नंबर पर आ गए हैं। इंग्लैंड के बेन डकेट एक स्थान के सुधार के साथ छठे नंबर पर पहुंचे, जबकि श्रीलंका के पवन रत्नायके ने 20 स्थानों की शानदार छलांग लगाई है और वे 16वें नंबर पर आ गए हैं। टी20 रैंकिंग में, न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की सीरीज जीत के बाद श्रेयस अय्यर बल्लेबाजी सूची में सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स भी 13 स्थान ऊपर चढ़कर टी20 बल्लेबाजों की सूची में 24वें नंबर पर आ गए हैं। टी20 गेंदबाजों में, न्यूजीलैंड के मिशेल सेंटनर दो स्थान ऊपर चढ़कर पांचवें नंबर पर आ गए हैं, जबकि उनके साथी खिलाड़ी जैकब डफी ने 23 स्थानों की बड़ी छलांग लगाई है और वे 23वें नंबर पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तानी ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई ने भी अपनी स्थिति बेहतर की है। यूएई में जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल ही में हुई सीरीज में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' का प्रदर्शन करने के बाद, वे टी20 ऑलराउंडरों की रैंकिंग में तीन स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गए हैं।

गिडिपाबली में भूस्खलन के बाद बचाव अभियान रोका, 10 लोग अब भी लापता

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा के कंधमाल जिले के भूस्खलन प्रभावित गिडिपाबली गांव में खराब मौसम और लगातार भूस्खलन के खतरे को देखकर बचाव अभियान को रोक दिया। हादसे में अब भी 10 लोग लापता हैं। प्रशासन के इस फैसले के बाद लापता लोगों के परिजनों ने अंतिम संस्कार की रस्में पूरी करने की तैयारी शुरू कर दी है। कंधमाल के जिलाधिकारी वेदभूषण ने बताया कि विशेषज्ञों के अनुसार, लापता लोगों के शव करीब 30 फुट गहरे मलबे में दबे हो सकते हैं। घटनास्थल पर तीन बार भूस्खलन होने से हालात बेहद गंभीर हैं। मलबा हटाने के लिए विस्फोट करने पर फिर भूस्खलन होने और बचावकर्मियों की जान को खतरा होने की आशंका है। परिवारों की सहमति से फिलहाल अभियान रोकने का निर्णय लिया है। जिलाधिकारी के अनुसार, यदि अगले दो-तीन दिनों में मौसम साफ रहता है, तब अभियान बंद करने से पहले एक बार फिर तलाश की जाएगी। राज्य सरकार ने चक्रवात अर्नब के कारण हुई भारी बारिश के बाद शुक्रवार को बचाव अभियान शुरू किया था। इसमें एनडीआरएफ, रेलवे की टीमों, आईआईटी विशेषज्ञों, श्वान दस्तों और अत्याधुनिक उपकरणों की मदद ली गई।

खूंटी में शर्मनाक वारदात : तीन नाबालिगों से दुष्कर्म के आरोप में तीन करीबी रिश्तेदार गिरफ्तार

खूंटी, एजेंसी। झारखंड के खूंटी जिले से मानवता को शर्मसार करने वाला गंभीर मामला सामने आया है, जहां दो सगी बहनों सहित तीन नाबालिग लड़कियों के साथ उनके ही करीबी रिश्तेदारों द्वारा कथित तौर पर दुष्कर्म करने सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना दो नवंबर को खूंटी थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई। पुलिस के मुताबिक, एक पीड़िता ने अपने एक दोस्त की जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने के लिए मुरहू में रहने वाली दोनों बहनों को आमंत्रित किया था। आरोप है कि पार्टी समाप्त होने के बाद तीनों आरोपी लड़कियों को बहला-फुसलाकर अलग-अलग स्थानों पर ले गए और वहां उनके साथ यौन शोषण की इस घृणित वारदात को अंजाम दिया। खूंटी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) ऋषभ गर्ग ने बताया कि इस मामले में तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए सभी आरोपी वयस्क हैं और पीड़ितों के करीबी रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। पुलिस ने पीड़िताओं के बयानों के आधार पर महिला पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की संबंधित गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सभी पीड़ित लड़कियों की उम्र 15 से 17 वर्ष के बीच है। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने सभी पीड़िताओं की आवश्यक चिकित्सकीय जांच कराई है। फिलहाल, कानून के जानकारों और महिला पुलिस बल की देखरेख में मामले की आगे की गहन जांच की जा रही है ताकि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जा सके।

एआई से छात्रा की अश्लील तस्वीर बनाने वाले बस चालक को 25 साल की सजा

बलिया, एजेंसी। उत्तरप्रदेश के बलिया की स्थानीय अदालत ने आठवीं कक्षा की छात्रा की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल कर अश्लील तस्वीर बनाने और सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने स्कूल बस के चालक संजीत कुमार को दोषी करार देकर 25 साल के कारावास और 55 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह घटना करीब डेढ़ साल पुरानी है। भीमपुरा थाने में पीड़ित छात्रा के पिता ने पिछले साल 7 मई को शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपी संजीत कुमार स्कूल में अनुबंध पर वाहन चलाता था।

850 फास्ट-ट्रैक कोर्ट के विस्तार को मंजूरी : पॉक्सो मामलों में जल्द न्याय, बिजली स्टोरेज के लिए रु14,500 करोड़ पास

नई दिल्ली, एजेंसी।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में न्याय, ऊर्जा, सांख्यिकी और विनिर्माण क्षेत्र से जुड़े कई ऐतिहासिक फैसलों पर मुहर लगाई गई है। बैठक में यौन अपराधों और बलात्कार जैसे मामलों के त्वरित निपटारे के लिए देश में 850 फास्ट-ट्रैक विशेष अदालतों (ऋ्छरउ२) के विस्तार और सुदृढ़ीकरण को मंजूरी दी गई। केंद्र सरकार ने देश की न्यायिक गति को तेज करने, स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने और प्रशासनिक नीतियों को अधिक सटीक डेटा पर आधारित करने के उद्देश्य से कई बड़े नीतिगत निर्णय लिए हैं। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित प्रेस ब्रीफिंग में इन योजनाओं का विस्तृत ब्योरा साझा किया। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं से जहां एक ओर महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध होने वाले गंभीर अपराधों में पीड़ितों को समयबद्ध न्याय सुनिश्चित होगा, वहीं दूसरी ओर नवीकरणीय ऊर्जा



ग्रिड को स्थायित्व मिलेगा और घरेलू विनिर्माण को नई ताकत मिलेगी।

यौन अपराधों के त्वरित निपटारे के लिए 850 फास्ट-ट्रैक कोर्ट

कैबिनेट ने महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले यौन उत्पीड़न, बलात्कार और पॉक्सो एक्ट से जुड़े लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए देश भर में 850 फास्ट-ट्रैक विशेष अदालतों के संचालन और विस्तार को मंजूरी दी है। इस फैसले का मुख्य उद्देश्य अदालतों पर मुकदमों का बोझ कम करना और गंभीर अपराधों के मामलों में पीड़ितों को निश्चित समय-सीमा के भीतर न्याय दिलाना है।

बिजली स्टोर कर ने के लिए 14,500 करोड़ रुपये; 92 GWh क्षमता का लक्ष्य

अक्षय ऊर्जा के बेहतर इस्तेमाल के लिए कैबिनेट ने 92 गीगावाट-घंटे क्षमता वाली ग्रिड-स्केल एनर्जी स्टोरेज योजना के लिए 14,500 करोड़ रुपये की व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण योजना को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को देश की आधिकारिक सांख्यिकी व्यवस्था में बदलाव लाने के लिए 4,371.1 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी. सांख्यिकीय बदलाव, विश्लेषण और अनुसंधान के लिए विकसित भारत पहल योजना पांच साल यानी 2030-31 तक लागू रहेगी. इस योजना का उद्देश्य एक गतिशील, वास्तविक समय के आंकड़ों पर आधारित और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप आधिकारिक सांख्यिकी ढांचा तैयार करना है. इसका प्रमुख उद्देश्य आंकड़ों को समय पर उपलब्ध कराना, अधिक विस्तृत आंकड़े जुटाना, समरूप आंकड़ा समूहों के बीच बेहतर तालमेल कायम करना तथा कृत्रिम मेधा (एआई) के उपयोग के अनुकूल आंकड़ा आधार तैयार करना है. सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देते हुए कहा कि इस योजना के लिए कुल 4,371.1 करोड़ रुपये का निर्धारण किया गया है.

सरकार ने ऊर्जा भंडारण प्रणाली के लिए 14,500 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 92 गीगावाट घंटा ऊर्जा भंडारण क्षमता विकसित करने की परियोजना को व्यावहारिक बनाने के लिए 14,500 करोड़ रुपये के वित्तपोषण को मंजूरी दी. यह योजना पांच साल यानी वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक के लिए है. यह निर्णय 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के देश के महत्वाकांक्षी लक्ष्य के लिहाज से महत्वपूर्ण है. सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य तीन प्रौद्योगिकियों के तहत कुल 92 गीगावाट घंटे की भंडारण क्षमता विकसित करना है. इसमें बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के तहत 30 गीगावाट घंटे, पंप स्टोरेज परियोजनाओं के तहत 60 गीगावाट घंटे और उभरती भंडारण प्रौद्योगिकियों के तहत दो गीगावाट घंटे की क्षमता विकसित की जाएगी. मंत्री ने कहा कि यह योजना पांच साल तक यानी 2030-31 तक लागू रहेगी.

महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए 2,814 करोड़ रुपये की योजना मंजूर

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को लिथियम और निकेल जैसे महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण को बढ़ावा देने के लिए 2,814 करोड़ रुपये की योजना को मंजूरी दी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में योजना को मंजूरी देने का निर्णय लिया गया. सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि देश में महत्वपूर्ण खनिजों के प्रसंस्करण को प्रोत्साहन देने के लिए 2,814 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं. महत्वपूर्ण खनिज अर्थव्यवस्था, उद्योग और आधुनिक प्रौद्योगिकी के लिए बेहद जरूरी होते हैं. हालांकि, इनकी उपलब्धता सीमित होने के साथ आपूर्ति कुछ चुनिंदा देशों पर ही निर्भर होने से स्थिति चुनौतीपूर्ण होती है.

अपनी सुरक्षा के लिए बॉडीगार्ड लेकर चलना मजबूरी है, मरवा सकते हैं खान सर

- ज्ञान बिंदु कोचिंग के मालिक रौशन आनंद ने एक इंटरव्यू में लगाए गंभीर आरोप

पटना, एजेंसी। बिहार में खान सर और ज्ञान बिंदु कोचिंग सेंटर के मालिक रौशन आनंद के बीच विवाद फिर चर्चा में है। रौशन आनंद ने एक इंटरव्यू में खान सर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि अपनी सुरक्षा के लिए बॉडीगार्ड लेकर चलना उनकी मजबूरी है। रौशन आनंद ने दावा किया कि खान सर उन्हें भी मरवा सकते हैं और अपने बचाव के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि खान सर बेहद धूर्त हैं और यदि उन्हें लगता है कि किसी की जान लेकर वह सुरक्षित रह सकते हैं, तो वह ऐसा भी कर सकते हैं।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आनंद ने 2 जून को हुई गोलीबारी की घटना को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने दावा किया कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होने पर सच्चाई सामने आ जाएगी। उनके मुताबिक गोलीकांड सरकारी बॉडीगार्ड हासिल करने के उद्देश्य से किया गया था। उन्होंने खुद पर दर्ज प्राथमिकी को झूठा बताते हुए कहा कि 3 जून की सुबह करीब 4 बजे बिना उचित जांच के उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। आनंद ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए खान सर के खिलाफ लगाए गए पुराने आरोपों की जांच नहीं होने का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने मोकामा के विधायक अनंत सिंह के बयान का जिक्र करते हुए कहा कि ना जीने की खुशी, ना मरने का गम। रौशन आनंद ने कहा कि अब उनकी जिंदगी भी इसी स्थिति में पहुंच गई है। उन्होंने अपने भाई प्रिंस की नेपाल में संदिग्ध मौत का जिक्र करते हुए खान सर पर गंभीर आरोप भी लगाए। हालांकि, खान सर इन आरोपों को पहले ही बेबुनियाद बता चुके हैं।

चक्रवात मुरासु ने आंध्र के कई जिलों में कहर बरपाया, सैकड़ों पेड़, बिजली के खंभे गिरे

विजयवाड़ा, एजेसी।
चक्रवाती तूफान मुरासु से सबसे अधिक प्रभावित राज्य आंध्र प्रदेश रहा. यहां मंगलवार को आए इस तूफान ने कहर बरपाया. भारी बारिश और तेज हवा के चलते सैकड़ों पेड़ उखड़ गए और बिजली के खंभे गिर गए. कई इलाकों में जलभराव से ट्रैफिक जाम लगा. इससे राज्य के कई जिलों में लोगों का जीवन अस्त व्यस्त रहा. चक्रवाती तूफान मुरासु ने प्रकाशम, कृष्णा और गोदावरी जिलों में तबाही मचाई. सोमवार आधी रात को शुरू हुई बारिश मंगलवार दोपहर को और तेज हो गई. तेज हवा और बारिश ने उन जिलों में आम जिंदगी में रुकावट डाली. कई जगहों पर बड़े-बड़े पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए. नाले ओवरफ्लो हो गए और ट्रैफिक बाधित रहा. अधिकारियों ने यह पक्का करने के लिए खास कदम उठाए कि लोगों को परेशानी न हो. साइक्लोन के असर से संयुक्त प्रकाशम जिले में आम जिंदगी रुक गई. ओंगोल शहर में अंधेरा छा गया क्योंकि बिजली के खंभे और ट्रांसफॉर्मर बुरी तरह टूट



गए. हर जगह पेड़ उखड़ गए. ओंगोल कलेक्ट्रेट में बड़े-बड़े पेड़ गिर गए जिससे प्रकाशम पंतुलु की मूर्ति टूट गई. एनडीआरएफ की टीमों ने पेड़ों को हटाने का काम शुरू कर दिया है. सबसे अधिक 22.8 सेंटीमीटर बारिश नागुलुप्पलापाडु मंडल में रिकॉर्ड की गई.
तेज हवा के कारण ओंगोल और तंगुटुरु मंडल में कई घरों को नुकसान पहुंचा. गुंडामाला में लहरों ने कई मछुआरों की नावों को पलट दिया. बिजली के कई खंभे गिर गए, जिससे पूरे दिन बिजली सप्लाई में रुकावट आई. तूफान के असर से आरटीसी बसें डिपो में फंसी रही. कोठापट्टनम के पास बकिंघम नहर में एक महिला गलती से फिसल गई और डूब गई. अड्डांकी और दर्शी मेन रोड पर पेड़ गिरने से ट्रांसपोर्ट में रुकावट आई. लोगों ने उन्हें ट्रैक्टर से हटाया.
कृष्णा जिले में भारी बारिश हुई. औसतन 6.6 सेंटीमीटर बारिश हुई. विजयवाड़ा शहर और उसके आस-पास के इलाकों में भारी बारिश रिकॉर्ड की गई. निचले इलाके पानी में डूबे हुए हैं. इब्राहिमपटनम में 10.3 सेंटीमीटर बारिश हुई. प्रकाशम बैराज के दस गेट एक फुट ऊपर उठाए गए. समुद्र में 7250 क्यूसेक पानी छोड़ा गया. वेस्ट गोदावरी जिले में एवरेज 8.04 सेंटीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई. जिला हेडक्वार्टर भीमावरम के साथ-साथ पलाकोल्लू, तनुकु और नरसापुरम कस्बों के बड़े चौराहे भी डूब गए. भीमावरम बस स्टैंड घुटनों तक पानी में डूब गया. अचंता मंडल में भारी बारिश से ज़िंदगी रुक गई. मंत्री निम्माला रामानायडू ने येलामंचिली मंडल के साइक्लोन से प्रभावित इलाकों का दौरा किया. भारी बारिश के बावजूद, वह लोगों के पास गए और उनकी परेशानियां पूछीं. साइक्लोन मुरासु के असर से ईस्ट गोदावरी जिले में भी भारी बारिश हुई. राजामहेंद्रवरम और कोव्वूर में भारी बारिश के कारण लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा. कोनासीमा जिले में लगातार बारिश ने लोगों को उनके घरों में कैद कर दिया है. निचले इलाकों और सड़कों पर पानी भर गया.

2 करोड़ रुपये रिश्वत का आरोप : सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ केरल सरकार ने दी निगरानी जांच की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी।
ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कथित रिश्वत मांगने के आरोप से जुड़े मामले में केरल सरकार ने निगरानी जांच की मंजूरी दे दी है. यह मामला उनके PWD सचिव रहते सड़क परियोजना के बिल भुगतान से जुड़ा है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक केरल के मंत्री रमेश चेन्निथला ने बताया कि उन्होंने ज्ञानेश कुमार के खिलाफ राज्य के सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो से जांच कराने के लिए सरकारी मंजूरी दे दी है. यह मामला उस समय का है, जब ज्ञानेश कुमार केरल में लोक निर्माण विभाग के सचिव थे. केरल के मंत्री रमेश चेन्निथला के मुताबिक, फाइल के साथ कानूनी राय भी सरकार को मिली थी. इसमें कहा गया था कि



सरकार की जरूरी मंजूरी मिलने पर जांच की जा सकती है. मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद उन्होंने मंगलवार शाम जांच की अनुमति दी. अब विजिलेंस एंड एंटी करप्शन ब्यूरो आरोपों की विस्तृत जांच करेगा.
मंत्री रमेश चेन्निथला ने समाचार एजेंसी एएनएआई से कहा, ₹राज्य में PWD सचिव के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उएउ ज्ञानेश कुमार की भ्रष्टाचार से जुड़ी गतिविधियां हैं. वे केरल कैडर के अधिकारी रहे हैं और उनके खिलाफ जांच शुरू करने के लिए विजिलेंस एंड एंटी-करप्शन ब्यूरो को सरकारी मंजूरी की आवश्यकता है. कल मुझे कानूनी राय के साथ यह फाइल सौंपी गई थी. कानूनी राय में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि यदि सरकार आवश्यक मंजूरी दे देती है, तो जांच की जा सकती है. इसलिए, मुख्यमंत्री के साथ इस मामले पर चर्चा करने के बाद, मैंने केरल सरकार के विजिलेंस एंड एंटी-करप्शन ब्यूरो द्वारा उचित जांच के लिए मंजूरी दे दी. उनके खिलाफ दो याचिकाएं दायर की गई हैं. एक याचिका श्री एम. वी. अनूप गोपाल ने और दूसरी श्री सज्जन कुमार ने दायर की है. जब वे पीडब्ल्यूडी सचिव के पद पर थे, तब 'पाटी-बेल' कंपनी को लेकर कई आरोप लगे थे। 'पाटी-बेल' दो कंपनियों का एक कंसोर्टियम (समूह) है, जिसमें एक कंपनी मलेशिया की है और दूसरी केरल की। यह कंसोर्टियम 'मेन सेंट्रल रोड' परियोजना पर काम कर रहा था, जो तिरुवनंतपुरम से अंगमाली तक जाती है और इसे एशियन डेवलपमेंट बैंक से फंड मिलता है. मंत्री ने कहा, ₹हालांकि काम ठीक से नहीं किया गया था. मलेशियाई कंपनी के प्रोजेक्ट ऑफिसर ने आत्महत्या कर ली. उन्होंने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि सरकार ने पीडब्ल्यूडी को सौंपे गए बिलों का भुगतान नहीं किया था. अपनी याचिका में, सज्जन ने आरोप लगाया है कि उस समय पीडब्ल्यूडी सचिव रहे ज्ञानेश कुमार ने बिल पास करने के बदले 2 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगी थी. इसलिए, इन आरोपों की विस्तृत जांच करना विजिलेंस और एंटी-करप्शन ब्यूरो की जिम्मेदारी है। 'प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट' (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) की धारा 17अ के तहत, इस तरह की जांच के लिए सरकार की पूर्व अनुमति आवश्यक है. कानूनी राय की समीक्षा करने के बाद, मैंने विजिलेंस और एंटी-करप्शन ब्यूरो को उचित जांच करने की अनुमति दे दी है.
रतलब है कि रिश्वत मांगने से जुड़ा यह विवाद नये सिरे से ऐसे समय में सतह पर आया है जब देश में मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर और चुनावी प्रक्रिया मंज कथित गड़बड़ी को लेकर विपक्षी दल चुनाव आयोग पर लगातार सवाल उठा रहे हैं. साथ ही सीईसी के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध- प्रदर्शन का सिलिसला जारी है. हालांकि शिकायत पूरी तरह से उनके पुराने प्रशासनिक कार्यकाल से जुड़ी है.

ट्रंप की दोनों सदनों में करारी हार; सीनेट में 54 और हाउस में 228 सीटों के साथ डेमोक्रेट्स को प्रचंड बहुमत

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिका के मध्यावधि चुनाव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को संसद के दोनों सदनों में करारी हार का सामना करना पड़ा है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए उच्च सदन सीनेट में 54 सीटें जीतकर अपना पूर्ण बहुमत स्थापित कर लिया है, जबकि निचले सदन में भी 228 सीटों के साथ 218 के जादुई आंकड़े को आसानी से पार कर लिया है। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के ठीक दो साल बाद यानी कार्यकाल के मध्याह्न में मध्यावधि चुनाव कराए जाते हैं। यह चुनाव सीधे तौर पर देश की जनता द्वारा राष्ट्रपति की नीतियों, आर्थिक दिशा और सरकारी कामकाज पर दिया जाने वाला सबसे बड़ा जनादेश होता है।

मध्यावधि चुनाव का सबसे ऐतिहासिक और चौंकाने वाला परिणाम रिपब्लिकन पार्टी के



पारंपरिक गढ़ कंसास से आया है। कंसास में डेमोक्रेटिक पार्टी ने करीब 100 साल बाद चुनाव जीतकर इतिहास रच दिया है। आखिरी बार 1932 में यहां से कोई डेमोक्रेट सीनेटर चुना गया था। इस बार डेमोक्रेटिक उम्मीदवार एडम हैमिल्टन ने रिपब्लिकन उम्मीदवार और मौजूदा सीनेटर रोजर मार्शल को सीधे मुकाबले में हराकर यह ऐतिहासिक सीट अपनी पार्टी की झोली में डाल दी। 36 राज्यों में गवर्नर पद के लिए हुए चुनावों में से 31 राज्यों के नतीजे आ चुके हैं। इनमें से 20 राज्यों में डेमोक्रेटिक पार्टी और 11 राज्यों में रिपब्लिकन पार्टी ने जीत दर्ज की है (5 राज्यों में गिनती जारी है)। ओहायो में ट्रंप के करीबी भारतीय मूल के रिपब्लिकन नेता विवेक रामास्वामी को डेमोक्रेट डॉ. एमी एक्टन से हार का सामना करना पड़ा। वहीं, भारतीय-अमेरिकी डेमोक्रेट उम्मीदवार पिया दांडिया (फ्लोरिडा) और सुहास सुब्रमण्यम (वर्जीनिया) ने हाउस चुनाव में बड़ी जीत दर्ज की।

एग्जिट पोल के अनुसार, अमेरिका के इस मध्यावधि चुनाव में LGBTQ समुदाय के भारी बहुमत ने डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवारों का समर्थन किया। आंकड़ों के मुताबिक, हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के चुनाव में 86% LGBTQ वोटरों ने डेमोक्रेटिक पार्टी को वोट दिया, जबकि मात्र 12% ने रिपब्लिकन पार्टी का समर्थन किया। यह रुझान पिछले राष्ट्रपति चुनावों जैसा ही रहा, जहां कमला हैरिस को भी इस समुदाय का 80 फीसदी से अधिक समर्थन हासिल हुआ था।

मध्यावधि चुनाव में अमेरिकी मतदाताओं का अपने सत्तारूढ़ राष्ट्रपति के खिलाफ असंतोष जताने का इतिहास बेहद पुराना है। पिछले 21 मध्यावधि चुनावों के आंकड़ों पर नजर डालें तो 19 बार सत्तारूढ़ राष्ट्रपति की पार्टी को हार का मुंह देखना पड़ा है। अमेरिकी इतिहास में अब तक केवल दो राष्ट्रपति ही इस चुनावी झटके से अपनी पार्टी को बचा सके थे- पहला 1998 में बिल क्लिंटन और दूसरा 2002 में जॉर्ज डब्ल्यू बुश। 2026 में बढ़ती महंगाई, आयात शुल्क से उपजी वित्तीय अनिश्चितता और ईरान युद्ध के बीच जनता ने एक बार फिर ऐतिहासिक परंपरा के तहत ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया है। सीनेट की जिन 35 सीटों पर मतदान हुआ था, उनमें से अब तक 31 सीटों के आधिकारिक नतीजे सामने आ चुके हैं। इन घोषित 31 सीटों में से डेमोक्रेटिक पार्टी ने 20 सीटें और रिपब्लिकन पार्टी ने 12 सीटें जीती हैं (3 सीटों पर अंतिम गणना जारी है)। इन नतीजों को मिलाकर 100 सदस्यीय सीनेट में डेमोक्रेटिक पार्टी के पास कुल 53 सीटें हो चुकी हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी 43 सीटों पर सिमट गई है। बहुमत के लिए 51 सीटों की आवश्यकता थी, जिसे डेमोक्रेट्स ने आसानी से पार कर उच्च सदन का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है।

राहुल गांधी के डिबेट चैलेंज पर सीएम हिमंत का पलटवार, यह बांग्लादेश या नेपाल नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी । कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुली बहस की चुनौती पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने राहुल गांधी को सलाह दी कि अगर वे प्रधानमंत्री मोदी के साथ बहस करना चाहते हैं, तब इसके लिए संसद का मंच चुनें। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि भारत में राजनीतिक बहस संसद में होती है, न कि सड़क या किसी गली में होती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भारत बांग्लादेश या नेपाल नहीं है।



दरअसल, राहुल गांधी ने एक वीडियो साझा कर प्रधानमंत्री मोदी को खुली बहस की चुनौती दी थी। उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी पूरे विपक्ष को देशद्रोही बताते हैं, इसलिए उन्हें किसी भी मंच पर आमने-सामने बहस करना चाहिए। वीडियो में राहुल गांधी हाथ में लाल गुलाब लेकर प्रधानमंत्री को दीपावली की शुभकामनाएं देते नजर आए थे। राहुल के वीडियो पर प्रतिक्रिया देकर सीएम सरमा ने भी सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने लाल गुलाब को लेकर राहुल पर व्यंग्य कर कहा कि गुलाब वैलेंटाइन डे पर दिया जाता है, दीपावली पर नहीं। उन्होंने तंज कसा कि राहुल गांधी को भारतीय संस्कृति की जानकारी होनी चाहिए।
मुख्यमंत्री सरमा ने राहुल गांधी की राजनीतिक भूमिका पर सवाल उठाकर कहा कि वह लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और यदि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी से बहस करनी है, तब संसद से बेहतर मंच दूसरा नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष संसद में मौजूद हैं और राहुल गांधी के परिवार के सदस्य भी संसद का हिस्सा हैं। इसके बाद बहस वहीं होनी चाहिए। सीएम सरमा ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते और विदेश नीति से जुड़े मुद्दों पर भी राहुल गांधी की घेराबंदी की। उन्होंने कहा कि यदि राहुल गांधी प्रधानमंत्री से विदेशी संबंधों पर सवाल पूछना चाहते हैं, तब संसद में इन मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। उन्होंने बोफोर्स और भोपाल गैस त्रासदी जैसे पुराने मामलों का जिक्र कर कहा कि बहस में कई महत्वपूर्ण विषय उठाए जा सकते हैं।



काली खेती का टीजर जारी, गांव की जमीन में दफन हैं खौफनाक राज

नई दिल्ली। किसी गांव की पहचान उसकी मिट्टी, खेतों और वहां के लोगों की जिंदगी से होती है। लेकिन सोचिए, अगर वही जमीन लोगों के लिए डर की वजह बन जाए, तो क्या होगा? जैकी श्रॉफ और शरद केलकर की अपकमिंग फिल्म 'काली खेती'का टीजर कुछ ऐसी ही रहस्यमयी दुनिया से रूबरू कराता है। फिल्म में खेती को सिर्फ रोजी-रोटी का साधन नहीं, बल्कि एक अनजानी और खौफनाक ताकत के रूप में दिखाया गया है। फिल्म 20 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। टीजर में नजर आने वाला ग्रामीण माहौल, रहस्यमयी घटनाएं और डर पैदा करने वाले दृश्य दर्शकों के मन में कई सवाल खड़े करते हैं।

लाइफ Style

मेधा

सनकी में होंगी लीड एक्ट्रेस

अहान शेट्टी की फिल्म सनकी में मेधा राणा लीड एक्ट्रेस होंगी। टीनू सुरेश देसाई के निर्देशन में बन रही इस एक्शन-रोमांस फिल्म की शूटिंग भोपाल में शुरू हो गई है और यह 2027 में रिलीज होगी। अहान शेट्टी की अगली बड़ी फिल्म 'सनकी'जल्द ही फ्लोर पर आने वाली है।

मुंबई। इस बीच मेकर्स ने लीड एक्ट्रेस के नाम से भी पर्दे उठा उठा दिया है। टीनू सुरेश देसाई के निर्देशन में बन रही इस एक्शन और रोमांस फिल्म में अहान के साथ एक्ट्रेस मेधा राणा की जोड़ी देखने को मिलेगी. मेधा फिल्म में अहान शेट्टी के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। मेधा राणा के कामकाज की बात करें तो वह इससे पहले फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आई थीं। उनकी जोड़ी तब वरुण धवन के साथ बनी थी। अब 'बॉर्डर 2' की सफलता के बाद मेधा को उनकी नई फिल्म मिल गई है। सनकी एक ऐसी कहानी है जिसकी कहानी सुनते ही उन्होंने इसे हां कर दिया। मेधा पिछले दो महीनों से इस फिल्म के लिए लगातार तैयारी कर रही हैं। अपने किरदार को बेहतर तरीके से समझने और उसमें पूरी तरह ढलने के लिए उन्होंने कई वर्कशॉप में हिस्सा लिया है। इसके अलावा, किरदार की मांग के मुताबिक उन्होंने खास तैयारी भी की है। फिल्म की शूटिंग भोपाल में शुरू हो चुकी है और अब मेधा भी अहान शेट्टी और फिल्म की बाकी टीम के साथ शूटिंग में शामिल हो गई हैं। फिल्म में मेधा, अहान की प्रेमिका के किरदार में नजर आएंगी। उनका यह किरदार रोमांस, गहरे जज्बात और जबरदस्त एक्शन से भरपूर होगा। मेधा हमेशा से ऐसे ही किरदार की तलाश में थीं, जिसमें उन्हें अभिनय के साथ-साथ एक्शन दिखाने का भी मौका मिले।

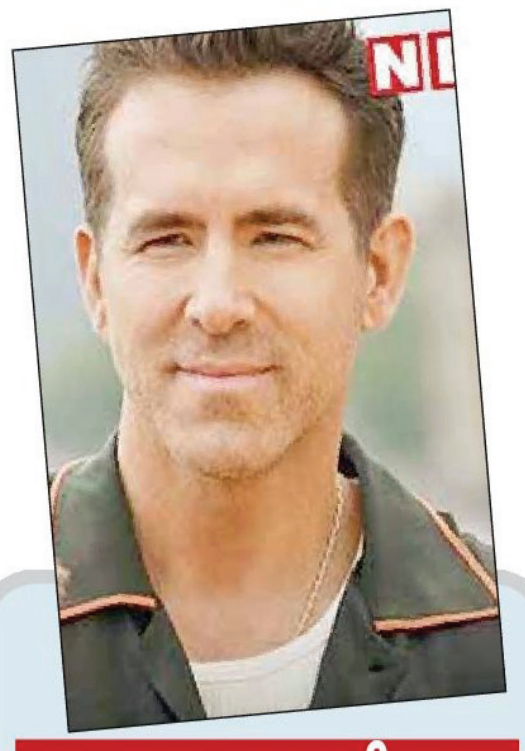


हॉलीवुड मसाला



विवियेने ने हटाया पिता का सरनेम

नई दिल्ली। पिता ब्रैड पिट और मां एंजेलिना जोली के बीच चल रही लीगल बैटल के बीच अब उनकी बेटी विवियेने मार्शलीन ने एक बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने अपने सरनेम के आगे से पिता का लास्टनेम'पिट' हटा दिया है। पिट सरनेम हटवाने के लिए विवियेने ने कोर्ट में अर्जी डाली थी, जिसे अदालत ने मंजूरी दे दी है। उन्हें पिता ब्रैड पिट का सरनेम हटाने की मंजूरी भले ही अभी मिली हो, लेकिन साल 2024 से विवियेने अपने नाम के पीछे जोली सरनेम का इस्तेमाल कर रही हैं।



अनजान लड़की पर इम्प्रेशन बना रहे थे रयान

लॉस एंजिल्स। सुपरहीरो फिल्म डेडपूल स्टार रयान रेनॉल्ड्स ने अपनी लाइफ से जुड़ा एक मजेदार किस्सा सुनाया। हालांकि, इस घटना की वजह से उन्हें शर्मिंदगी भी उठानी पड़ी। रयान ने किस्सा सुनाते हुए कहा, 'मैं इस लड़की का दीवाना था। वह असल में मेरे घर के दूसरी तरफ से बस लेती थी, और मैं बस में चढ़ जाता था, सिर्फ उसके करीब 45 मिनट तक बैठने के लिए। आप इसे पसंद करते हैं, जब आप छोटे होते हैं, यह बहुत क्यूट लगता है। जब आप बड़े हो जाते हैं, तो यह बस पीछा करने जैसा होता है, लेकिन मुझे याद है, मैं शायद 11 साल से ज्यादा का रहा होऊंगा, मुझे नहीं पता और मैं बस से उतरने ही वाला था, क्योंकि काफी देर हो गई थी। मैं सिएटल या ऐसी ही किसी जगह पर जाने वाला था।'



रोमांटिक फिल्म परवाना में नजर आएंगे आदित्य-तारा

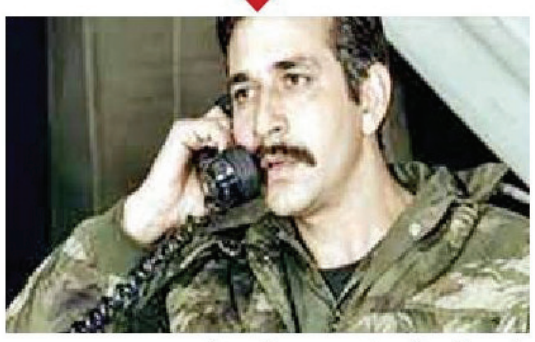
नई दिल्ली। तारा सुतारिया और आदित्य रॉय कपूर, मिलाप जावेरी के अपकमिंग प्रोजेक्ट में एक साथ काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ये दोनों 'परवाना' नाम की एक दमदार म्यूजिकल लव स्टोरी में पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगे। 'परवाना' के जरिए तारा सुतारिया और मिलाप जावेरी 2019 की फिल्म 'मरजावां' के बाद फिर से साथ आ रहे हैं, वहीं, इस फिल्म में तारा सुतारिया पहली बार आदित्य रॉय कपूर के साथ स्क्रीन पर नजर आएंगी। हाल ही में एक इंटरव्यू में, मिलाप ने बताया कि 'शूटआउट एट लोखंडवाला' के डायरेक्टर संजय गुप्ता के दुखद निधन से कुछ दिन पहले ही उनकी उनसे मुलाकात हुई थी। उन्होंने संजय गुप्ता के साथ अपनी नई फिल्म का टाइटल भी शेयर किया था। मिलाप ने कहा, 'हमारी मुलाकात 10 दिन पहले हुई थी और मैंने उन्हें अपनी अगली फिल्म का टाइटल बताया था।



बारिश में रोमांस करते दिखे आयुष्मान और शरवरी

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ की अपकमिंग फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' रिलीज से पहले ही चर्चा में बनी हुई है। अब मेकर्स ने इसका नया गाना 'सावन आया है' रिलीज कर दिया है, जो अपने म्यूजिक और रोमांटिक अंदाज से सीधे 90 के दशक की याद दिलाता है। गाने में आयुष्मान और शरवरी की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। फिल्म 27 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इससे पहले फिल्म का टाइटल ट्रैक और हिमेश रेशमिया का कंपोज किया हुआ एक अन्य गाना रिलीज किया जा चुका है। 'सावन आया है' गाने में आयुष्मान खुराना शरवरी को अपनी सुरीली आवाज से प्रभावित करने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। वहीं, शरवरी साड़ी में बेहद खूबसूरत दिखाई दे रही हैं। गाने के कई हिस्सों में दोनों एक-दूसरे के प्यार में खोए हुए नजर आते हैं। बारिश के बीच उनका डांस और रोमांटिक अंदाज गाने को एक अलग खूबसूरती देता है।

टीवी मसाला



38 साल पहले 'रिटायर्ड फौजी' ने बनाया था दूरदर्शन का कल्ट शो

नई दिल्ली। दूरदर्शन एक वक्त देशभर में मनोरंजन का प्रमुख साधन माना जाता था। डीडी नेशनल पर हर किस्म के टीवी शोज टेलीकास्ट किए जाते थे, जिनमें माइथोलॉजिकल, सुपरहीरो, ड्रामा-कॉमेडी और स्पाई थ्रिलर जैसे कई शोज शामिल थे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि 38 साल पहले दूरदर्शन पर एक ऐसा धारावाहिक आया था, जिसको भारतीय सेना के एक रिटायर्ड फौजी ने बनाया था।

मायसा का पहला गाना 'ओ मायसा रे' रिलीज, रश्मिका के रौद्र रूप ने जीता दिल

मुंबई। रश्मिका मंदाना की आने वाली फिल्म 'मायसा' का पहला गाना 'ओ मायसा रे' रिलीज हो गया है। इस गाने में उनके किरदार का रौद्र रूप देखने को मिलता है, जिसमें गुस्सा, साहस और नारीत्व की झलक एक साथ देखने को मिलती है। रश्मिका स्टारर 'मायसा' में एक्ट्रेस बिल्कुल नए और अनदेखे अवतार में नजर आएंगी। यह फिल्म भारत का पहला फीमेल-लेड पैन इंडिया सिनेमैटिक वेंचर होने वाली है। यह फिल्म जबरदस्त एक्शन के साथ बाप बेटी के अनोखे रिश्ते के साथ दर्शकों को कहानी से बांधे रखेगी, जो सिनेमाघरों में 27 नवंबर को रिलीज होगी। इंस्टाग्राम पर इस गाने को शेयर करते हुए रश्मिका ने लिखा, 'ओ मायसा रे!! एक युद्ध-



घोष! दर्द और गुस्से की एक चीख! एक जागृति!! अब यह सब आपका है!' 'ओ मायसा रे' को जेक्स बिजॉय ने कंपोज किया है और इसे सिंधुजा श्रीनिवासन ने गाया है। इस गाने में दमदार बीट्स का इस्तेमाल किया गया है और पूरे समय इसका टेम्पो और एनर्जी बनी रहती है। 'मायसा' के पहले गाने के रिलीज होने के बाद से एक्ट्रेस का लुक हर तरफ जबरदस्त चर्चा में है। फिल्म के ही में रिलीज हुए टीजर को देश भर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। दर्शकों से लेकर आलोचकों तक से फिल्म ने अपनी रॉ एनर्जी, ग्रैंड स्केल और इंटेंस एटमॉस्फियर के लिए खूब तारीफ अपने नाम की है। सबसे ज्यादा खास बात यह है कि इस चीज ने मायसा को एक अनोखे सिनेमैटिक कहानी में स्थापित कर दिया है। भारतीय सिनेमा में 'बाहुबली' और 'KGF' जैसी कई मास एक्शन फिल्मों में मां और बेटे के मजबूत रिश्ते को दिखाया गया है। हालांकि, 'मायसा' इस मामले में अलग है, क्योंकि फिल्म के मेकर्स इसमें एक नया और गहरा भावनात्मक पहलू पेश करने वाले हैं। दरअसल, फिल्म में आदिवासी भूमि की पृष्ठभूमि पर बाप और बेटी के बीच की मजबूत जोड़ी देखने मिलने वाली है।

रामायण के नए प्रोमो में 'माता सीता' के रूप में दिखीं साई

नई दिल्ली। 'रामायण' से साई पल्लवी के 'सीता' प्रोमो को ऑनलाइन काफी तारीफ मिल रही है। 5 नवंबर को फिल्म की रिलीज से पहले, प्रशंसक उनके शालीन, शांत स्वभाव और स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी की खूब सराहना कर रहे हैं। 'रामायण' के नए प्रोमो में साई पल्लवी को सीता के रूप में दिखाया गया है, जिन्हें 'धरती की बेटी' और मिथिला की राजकुमारी भी कहा जाता है। नए प्रोमो में माता सीता के राजसी जीवन, भगवान राम के साथ उनके रिश्ते और फिर श्रीराम के साथ उनके वनवास की झलक देखने को मिलती है। प्रोमो के अंत में मां सीता को अपनी कुटिया में बैठे हुए दिखाया गया है और तभी जंगल में उनकी कुटिया के बाहर से एक आवाज आती है।



रवि को लक्ष्मण के रूप में किया गया पेश

साई पल्लवी के प्रोमो के साथ-साथ, मेकर्स ने रवि दुबे का एक सोलो कैरेक्टर पोस्टर भी जारी किया है, जिसमें वे लक्ष्मण के रूप में नजर आ रहे हैं। पोस्टर में अभिनेता एक योद्धा की मुद्रा में धनुष-बाण थामे हुए हैं। उनके हाव-भाव में भगवान राम के छोटे भाई से जुड़ी वीरता और दृढ़ संकल्प साफ झलक रहा है। इस पोस्टर का विजुअल स्टाइल, भगवान राम के रूप में रणबीर कपूर के पहले जारी किए गए कैरेक्टर पोस्टर जैसा ही है। मेकर्स ने रवि को इन शब्दों के साथ पेश किया, 'एक समर्पित भाई। एक निडर योद्धा। राम की ढाल।'

JHARKHAND EDUCATION CENTER
T.L. No.: (RAN54082621210695)
We Offer All Courses From Board, Council and Institutions
MATRIC VOCATIONAL IIT
MANAGEMENT ENGINEERING AICTE
INTERMEDIATE UG & PG LAW
NCTE MBBS ANM & GNM
We here to help you...
House No. 01, Singh Mansion, Shanti Nagar, Hatia, Ranchi-03
+91 9431360101
info.jharkhandeducationcenter@gmail.com
www.jharkhandeducationcenter.com

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रवेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.